आज धरती आबा
बिरसा मुण्डा की 150वीं

{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 15 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 53
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स – 84,562.78
निफ्टी – 25,910.05
सोना – 1,27,040
चांदी – 1,73,100
डॉलर – 88.70

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

बिहार की जनता को जो पसंद उसे चुना !!

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत, महिला मतदाताओं ने रचा इतिहास...

पटना/नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों में एनडीए ऐतिहासिक लैंडस्लाइड विक्ट्री की ओर बढ़ रही है। समाचार लिखे जाने तक आए रुझान बता रहे हैं कि एनडीए 243 सीटों में से 202 सीटों पर आगे चल रही है या जीत चुकी है। जबकि महागठबंधन 35 सीटों पर सिमटती नजर आ रही है। जाहिर है कि यह जनादेश केवल विपक्ष की खामियों का नतीजा नहीं है बल्कि यह श्रेष्ठ कैंडिडेट, बेहतर नेतृत्व और शानदार स्ट्रैटजी का परिणाम है।

बिहार में 20 साल की एंटी इनकमबेंसी तोड़ते हुए एनडीए फिर से सरकार बनाने जा रही है। भाजपा ने कुल 101 सीट लडक़र 90 जीतीं। यानी स्ट्राइक रेट 90 प्रतिशत। इसी के साथ बिहार में भी भाजपा बड़े भाई की भूमिका में आ गई। वहीं, जदयू 84 सीटों के साथ नंबर-2 की पोजिशन पर आ गई। एनडी ने राहुल-तेजस्वी के 12 में से 5 गढ़ ढहा दिए हैं। इन 12 सीटों पर राजद और कांग्रेस लगातार 3 विधानसभा चुनावों से जीत रही थीं। एनडीए ने महागठबंधन की जीती हुई 85 सीटें छीन ली हैं। महागठबंधन की 35 सीटों में से राजद 25, कांग्रेस 6 सीटें जीती है या आगे है।

29 मंत्रियों ने दर्ज की जीत

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रचंड जीत मिली है। एनडीए को मिली इस जीत में 29 मंत्रियों ने जीत दर्ज की है। इनमें प्रेम कुमार, महेश्वर हजारी और संजय सरावगी और अन्य मंत्री शामिल हैं। नीतीश कुमार की सरकार में कृषि मंत्री रहे भाजपा नेता प्रेम कुमार ने गया शहर पर 1990 से लगातार जीत के अपने रिकॉर्ड को कायम रखा है। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अखौरी ओंकार नाथ को 26 हजार वोटों से शिकस्त दी। तारापुर से पहली बार चुनाव लड़ रहे बिहार उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी लगातार बढ़त बनाए हुए हैं। राजद के प्रत्याशी अरुण कुमार पर सम्राट चौधरी ने 45 हजार से ज्यादा वोटों की बढ़त बना रखी है। वहीं, लखीसराय से डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा भी 19 हजार से ज्यादा वोटों की बढ़त बनाए हुए हैं। जदयू नेता महेश्वर हजारी नीतीश सरकार में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री रहे हैं। हजारी ने कल्याणपुर की अपनी सुरक्षित सीट पर सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के प्रतिद्वंदी रंजीत कुमार राम को 38 हजार वोटों के अंतर से हराया है। उन्होंने लगातार चौथी बार इस सीट पर जीत दर्ज की है। बिहार की जाति आधारित राजनीति में मारवाड़ी चेहरे के तौर पर संजय सरावगी ने लगातार पांचवीं बार दरभंगा की सीट से जीत दर्ज की। राजस्व और भूमि सुधार मंत्री रहे भाजपा नेता सरावगी ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रत्याशी उमेश सहनी के खिलाफ 24,500 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। पर्यटन मंत्री राजू कुमार सिंह ने 2020 में वीआईपी के टिकट पर जीत हासिल की थी, लेकिन बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने साहेबगंज सीट पर राजद के प्रत्याशी पृथ्वी नाथ राय को 13 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। पूर्व मंत्री राणा रणधीर सिंह ने भी जीत हासिल की है। वहीं, मोकामा सीट पर बाहुबली अनंत सिंह ने भी जीत दर्ज की है।

ओवैसी की पार्टी 5 सीटें जीतीं

25 सीटों पर लड़ी ओवैसी की पार्टी ने 4 सीटों पर जीत दर्ज की है। जोकीहाट से मोहम्मद मर्शीद आलम, कोचाधामन से एमडी सरवर आलम, अमौर से अख्तरुल ईमान, बहादुरगंज से एनडी तौसीफ आलम ने जीत हासिल की है। वहीं पूर्णिया की बायसी सीट से गुलाम सरवर की जीत हुई है।

ज्ञानादेश की जीत...जनादेश की हार

बिहार चुनाव में जीत के बाद जहां एनडीए में खुशी की लहर है। वहीं महागठबंधन का कहना है कि यह चुनाव आयोग के ज्ञानादेश की जीत है और जनादेश की हार है। उनका कहना है कि चुनाव आयोग ने भाजपा का एजेंट बनकर काम किया है। एसआईआर कराकर चुनाव आयोग ने मतदाताओं के नाम काटे हैं, जिसका असर भी इस चुनाव पर पड़ा है।

उपचुनावों में कांग्रेस ने जीती 2 सीटें

देश के 7 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में कांग्रेस ने 2 सीटों पर जीत हासिल की है। राजस्थान की अंता (बारां) सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी को जीत मिली। तेलंगाना की जुबली हिल्स से भी कांग्रेस को जीत मिली। पहले ये सीट राज्य के पूर्व सीएम केसीआर की पार्टी बीआरएस के पास थी। आप पंजाब की तरनतारन सीट बचाने में कामयाब रही है। मिजोरम के डम्पा से मिजो नेशनल फ्रंट दल ने जीत हासिल की। जम्मू-कश्मीर के नागरोटा में भाजपा उम्मीदवार जीते। बडग़ाम में महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी प्रत्याशी जीते हैं। ओडिशा की नुआपाड़ा में भाजपा ने जीता। झारखंड की घाटशिला सीट से पूर्व सीएम चंपई सोरेन के बेटे भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन जीते हैं।

चिराग पासवान का सपोर्ट मिट्टी को सोना बना दिया

चिराग पासवान के सपोर्ट को कहीं से भी कम करके नहीं आंका जा सकता है। एनडीए को उनका सपोर्ट ही है कि बिहार में जनता दल यूनाइटेड हो या भाजपा दोनों ही पार्टियां अपना बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। 43 वर्षीय चिराग, रामविलास पासवान के पुत्र, ने अपनी युवा ऊर्जा और पासवान वोट बैंक (5-6 प्रतिशत) को एकजुट कर गठबंधन को मजबूत किया। एनडीए की ओर से उनकी पार्टी एलजेपी (आरवी) को 29 सीटें मिलीं थीं। चिराग के सपोर्ट को समझने के लिए हमें यह समझना होगा कि कैसे उनके एनडीए से बाहर होने के चलते 2020 में जेडीयू और भाजपा को नुकसान हुआ था। 2020 में उन्होंने नीतीश को 40 सीटें गंवाने पर मजबूर किया। भाजपा को भी कई सीटों पर नुकसान हुआ था। 2025 में वे एनडीए जॉइन कर भाई चिराग बन गए, और मोदी ने उनकी तारीफ की। उनकी 100 से अधिक रैलियां और सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त उपस्थिति ने पासवान वोटों को एकजुट किया, जो दलित समुदाय (16 प्रतिशत) का बड़ा हिस्सा है। पारस धड़े (आरएलजेपी) के बावजूद चिराग ने वोट स्प्लिट नहीं होने दिया। इतना ही नहीं आज की तारीख में वो एक मात्र ऐसे नेता बनकर उभरे हैं जो अपने वोटों को दूसरी पार्टियों में ट्रांसफर कराने की कूवत भी रखता है। नतीजों में साफ दिख रहा है कि चिराग के वोट जेडीयू और भाजपा में सफलतापूर्क ट्रांसफर हुए हैं।

एनडीए गठबंधन में आपसी समन्वय

एनडीए में बिहार चुनावों के दौरान गजब का समन्वय देखने को मिला। भाजपा और जेडीयू में आपसी प्रतिस्पर्धा के बावजूद कहीं से भी सीटों को लेकर अनबन होती नहीं दिखी। दोनों ही दलों ने खुद को 101 -101 सीटों पर खुद को समेट लिया। शुरू में एलजेपी और हम आदि में कुछ असंतोष दिखा पर जल्द ही मामला सुलझा लिया गया। सही समय पर सीटों के प्रत्याशी भी घोषित हो गए। दूसरी तरफ महागठबंधन अंतिम समय तक सीट शेयरिंग को लेकर जूझता रहा । यहां तक कि पर्चा वापस लेने का समय सीमा समाप्त होने के बाद भी महागठबंधन के दल आपस में लड़ते रहे। बिहार की जनता बेवकूफ नहीं है । वह सब देख रही थी।

मुख्यमंत्री चेहरे पर भाजपा की स्ट्रेटजी

मुख्यमंत्री चेहरे पर सस्पेंस बनाने को भाजपा की रणनीति को सबसे कमजोर कड़ी माना जा रहा था। पर यह उल्टा साबित हुआ है। भाजपा ने नीतीश कुमार समर्थक और उनके विरोधी दोनों ही तरह के वोटर्स को साधने को लेकर यह रणनीति अपनाई जो सफल होती दिख रही है। दरअसल भाजपा यह जानती थी कि बहुत से भाजपा समर्थक राज्य में नीतीश को मुख्यमंत्री के रूप में देखने की बजाए किसी भाजपा नेता को सीएम बनाना चाहते थे। दूसरी तरफ नीतीश कुमार बिहार में निर्विवाद छवि वाले नेता हैं। उनको हर वर्ग और समुदाय में एक समान सम्मान प्राप्त है। भाजपा उन्हें नकार भी नहीं सकती थी। इसलिए पार्टी ने एक रणनीति के तरह उनके नाम पर कन्फ्यूजन बनाए रखा। यही रणनीति भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा आदि में भी किया था।

नीतीश कुमार का निर्विवाद नेतृत्व

बिहार चुनाव में एनडीए की लैंडस्लाइड विक्ट्री के सबसे मजबूत पिलर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार साबित हुए। 74 वर्षीय नीतीश, जो बिहार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री हैं, ने अपनी राजनीतिक चतुराई और सामाजिक इंजीनियरिंग से गठबंधन को मजबूत आधार दिया। उनकी छवि सुशासन बाबू की है, जो 2005 से बिहार को जंगल राज से बाहर निकालने का प्रतीक बनी। नीतीश का नेतृत्व ही है कि कुर्मी (3.5 प्रतिशत) जाति के होते हुए भी बिहार के सर्वमान्य नेता बने हुए हैं। चाहे ईबीसी (अत्यंत पिछड़ा वर्ग, 36 प्रतिशत) हो जिसे नीतीश ने आरक्षण और कल्याण योजनाओं से एकजुट रखा या अगड़ी जातियां हों सभी वर्गों में वो मान्य हैं। मुसलमान भी उन्हें अपना दुश्मन नहीं समझते हैं। बहुत से मुसलमानों ने भी उन्हें वोट दिया है। नीतीश की उम्र और स्वास्थ्य पर सवाल उठे, लेकिन उन्होंने अपने खिलाफ चले सभी नरेटिव को झुठला दिया।

सुशासन और विकास

सुशासन और विकास एनडीए की विक्ट्री का तीसरा पिलर रहा, जो नीतीश के 20 वर्षों के शासन का प्रमाण है। बिहार, जो 1990 में बीमारू राज्य था, अब सडक़ें (1 लाख किमी), बिजली (95 प्रतिशत कवरेज) और शिक्षा में प्रगति कर रहा है। नीतीश का सुशासन-कानून-व्यवस्था सुधार, अपराध दर 50 प्रतिशत गिरावट ने मध्यम वर्ग को आकर्षित किया।

खास खबर

एक्ट्रेस कामिनी कौशल का निधन

मुंबई। हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस कामिनी कौशल का आज 97 साल की उम्र में निधन हो गया है। कामिनी कौशल हिंदी सिनेमा की सबसे उम्रदराज एक्ट्रेस थीं। आखिरी बार वो आमिर खान और करीना कपूर स्टारर फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आई थीं। इसके अलावा वो साल 2023 में शाहिद कपूर और कियारा आडवाणी स्टारर फिल्म कबीर सिंह में शाहिद की दादी का किरदार निभा चुकी हैं। कामिनी कौशल 40 के दशक की सबसे कामयाब एक्ट्रेसेस में शामिल थीं। बॉक्स ऑफिस इंडिया की टॉप एक्ट्रेस लिस्ट में 1947 और 1948 में वो टॉप एक्ट्रेस रही हैं। उन्हें साल 2022 में आउटलुक इंडिया की 75 बेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेसेस में शामिल किया गया था।

बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया - पीएम मोदी

बिहार में बंपर जीत के बाद पीएम मोदी पहुंचे बीजेपी ऑफिस और बिहारी स्टाइल में लहराया गमछा

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली स्थित बीजेपी हेडक्वार्टर पहुंचे हैं। यहां प्रधानमंत्री मोदी ने बिहारी स्टाइल में गमछा लहराकर कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया।

पार्टी हेडक्वार्टर पहुंचने के साथ ही पीएम मोदी ने सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा कि बिहार के लोगों ने विकास को चुना है, अब जंगलराज की वापसी नहीं होगी। इससे पहले पीएम मोदी ने मंच से भारत माता की जय के साथ ही छठी मईया का जयकारा लगाया। इसी के साथ पीएम मोदी ने कहा, यह प्रचंड जीत, अटूट विश्वास, बिहार के लोगों ने बिल्कुल गर्दा उड़ा दिया है। अब कट्टा सरकार आगे कभी वापस नहीं आएगी। उन्होंने इस जीत के लिए एनडीए गठबंधन के कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की जीत है। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार के लोगों ने बिना किसी डर या भय के इस चुनावी उत्सव में हिस्सा लिया। पहले कभी जिस बिहार में मतपेटियां लूटी जाती थीं, वहीं आज रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया।

पीएम मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, यह प्रचंड जीत, यह अटूट विश्वास.....हम सभी एनडीए के लोग तो जनता जनार्दन के सेवक हैं। उन्होंने कहा कि हम मेहनत से जनता का दिल खुश करते हैं, और हमने तो जनता जनार्दन का दिल चुराया हुआ हैं, इसलिए आज बिहार ने बतला दिया, फिर एक बार एनडीए सरकार। पीएम मोदी ने कहा, कि बिहार के मतदाताओं ने विकसित और समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है। इसी के साथ पीएम मोदी ने कहा, मैंने तो चुनाव प्रचार के दौरान, बिहार की जनता से रिकॉर्ड मतदान का आग्रह किया था और देखिए बिहार के लोगों ने सारे रिकॉर्ड ही तोड़ दिए। उन्होंने कहा, बिहार के लोगों से मैंने एनडीए को प्रचंड जीत दिलाने का आग्रह किया था, बिहार की जनता ने मेरा यह आग्रह भी मान लिया। इस प्रकार बिहार की जनता ने विकास चुना है।

इस अवसर पर दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे। बिहार में बीजेपी की शानदार जीत को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला है।

महागठबंधन का सूपड़ा किया साफ, हारते-हारते जीते तेजस्वी यादव

पटना,। शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने राज्य की राजनीतिक तस्वीर साफ कर दी है। चुनाव परिणाम में यह साफ हो गया है कि एनडीए की भारी बहुमत से सरकार बन रही है। बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर एनडीए की सुनामी इस कदर चली कि महागठबंधन पूरी तरह से साफ हो गया।भाजपा 91 सीटों के साथ बिहार की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा ने 91 सीटें जीतकर न सिर्फ अपनी राजनीतिक ताकत का प्रमाण दिया, बल्कि गठबंधन की राजनीति में अपनी केंद्रीय भूमिका भी तय कर दी। बिहार विधानसभा चुनाव में कुल 101 सीटों पर उम्मीदवार उतारने वाली भाजपा का राज्य में यह अब तक का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन माना जा रहा है। उधर जदयू 83 सीट जीतने में सफल रही है। एनडीए की ही सहयोगी

लोजपा(रा) 19 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि हम 5 सीट और रालोमो- 4 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं, महागठबंधन राजद 27 सीटों पर, कांग्रेस 5 सीटों पर तो वामदल 3 सीटों पर जीत दर्ज की है। उधर एआईएमआईएम- 5 सीटें जीतने में सफल रही है। चुनाव आयोग ने 243 सीटों का परिणाम जारी कर दिया है। जिसके अनुसार एनडीए को 202 सीट पर, महागठबंधन 35 सीट पर, एआईएमआई-5 सीटों पर काबिज हुई है। इस तरह विधानसभा चुनाव में एनडीए पर मतदाताओं ने भरोसा जताया और इसे पूर्ण बहुमत हासिल हुआ। इसका श्रेय एनडीए घटक दलों के आपसी तालमेल और बेहतर रणनीति के तहत चुनाव लड़ने को जाता है। एनडीए घटक दलों के कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे पर भरोसा जताया। विपक्ष की तरह से घटक दलों के कार्यकर्ताओं में फूट डालने के लिए तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जाती रहीं, लेकिन कार्यकर्ताओं की एकजुटता कायम रखने में एनडीए का कुशल नेतृत्व सफल हुआ। वहीं प्रचंड जीत के बाद भाजपा, जदयू, हम, रालोमो और लोजपा (रा) के कार्यालयों और पार्टीजनों के घरों में जश्न का माहौल है।

कुछ ना कहना

कर्नाटक में गन्ना किसानों का आंदोलन हिंसक हुआ

100 से ज्यादा ट्रैक्टर में आग लगाई

बेंगलुरु। कर्नाटक के बागलकोट में गन्ना कीमत में इजाफे की मांग कर रहे किसानों का आंदोलन हिंसक हुआ। रबकवी-बनहट्टी तालुक में गोदावरी शुगर फैक्ट्री में गन्ना लदे 100 से ट्रैक्टरों को आग लगाई गई। एसपी सिद्धार्थ गोयल ने बताया किसानों ने पत्थरबाजी भी की, जिसमें कुछ पुलिसकर्मियों को चोट आई है। कुछ लोग भी घायल हुए हैं। खुद ने हालात काबू किए।

किसान राज्य की चीनी मिलों से गन्ना की 3500 टन कीमत मांग रहे हैं। जबकि चीनी मिलों के मालिकों ने 3300 टन का भाव दिया है, लेकिन किसान इस कीमत को स्वीकार करने को राजी नहीं हैं। राज्य के कई जिलों में 7 नवंबर से गन्ना किसान बढ़ी हुई कीमत को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। किसान नेता सुभाष शिराबुर ने कहा कि आग किसानों ने नहीं लगाई। उनके मुताबिक,फैक्ट्री से जुड़े लोग पुलिस के सामने ही आगजनी कर रहे थे। हमारे लोग और कुछ पुलिसवाले भी घायल हुए हैं। पुलिस की गाड़ी पर भी हमला हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को बदनाम करने के लिए फैक्ट्री के अंदर आग लगाई गई।

तीन तालुकों में बीएनएस की धारा 163 लागू

घटना के बाद बागलकोट के उपायुक्त ने बीएनएसएस-2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर दिए। इसके तहत 13 नवंबर रात 8 बजे से 16 नवंबर सुबह 8 बजे तक जमखांडी, मुधोल और रबकवी-बनहट्टी तालुकों में प्रदर्शन, हड़ताल और किसी भी तरह की भीड़ जुटाने पर पाबंदी लगा दी गई है।

बेलगावी के किसान 3300 पर माने

बेलगावी के किसान 3300 प्रति टन के सरकारी रेट पर मान गए हैं, लेकिन बागलकोट और हावेरी के किसान अभी भी इसे गुमराह करने वाला बता रहे हैं। उनका कहना है कि रिकवरी के आधार पर रेट तय करना किसानों के लिए नुकसानदायक है।

दिल्ली ब्लास्ट-हरियाणा के नूंह से खरीदा गया था अमोनियम नाइट्रेट, इसी से विस्फोटक बनाया गया, दुकानदार भी हिरासत में;

कश्मीर में आतंकी उमर का घर उड़ाया गया

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली में हुए ब्लास्ट का कनेक्शन अब हरियाणा के नूंह (मेवात) जिले के पिनगवां क्षेत्र से जुड़ गया है। विस्फोट से जुड़े केस की जांच कर रही दिल्ली की जांचएजेंसी ने खाद विक्रेता दिनेश सिंगला उर्फ डब्बू को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। आरोप है कि डब्बू ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉक्टर मुजम्मिल शकील को बिना रिकॉर्ड अमोनियम नाइट्रेट उपलब्ध करवाया। जबकि उसके पास अमोनियम नाइट्रेट रखने का लाइसेंस नहीं था। बताया गया कि यही अमोनियम नाइट्रेट विस्फोट तैयार करने में इस्तेमाल हुआ। वहीं दिल्ली ब्लास्ट केस में गुरुवार रात

500 लोकेशन पर छापा, 600 से ज्यादा संदेही हिरासत में

सुरक्षा बलों ने पुलवामा में आतंकी डॉ. उमर नबी के घर को आईईडी ब्लास्ट से उड़ा दिया है।

उमर पुलवामा के कोइल इलाके में रहता था। पुलिस उसके माता-पिता और भाईयों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इधर, सुरक्षा बलों ने पिछले 3 दिन में कश्मीर में 500 लोकेशन पर छापा मारा है। पूछताछ के लिए 600 लोग हिरासत में लिए गए हैं। खुफिया एजेंसियों ने खुलासा किया है अब तक गिरफ्तार 8 आतंकियों ने बताया कि वे 6 दिसंबर यानी बाबरी मस्जिद ढहाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत देशभर में कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। 10 नवंबर को हुए दिल्ली ब्लास्ट में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 लोग घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है।

तीसरी तक पढ़े मौलवी ने पढ़ाया आतंक

कश्मीर के जिस मौलाना मोहम्मद इरफान की वजह से आतंकियों के वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल का खुलासा हुआ, वो तीसरी कक्षा तक ही पढ़ा था। लेकिन, वो डॉक्टरों को आतंक का पाठ पढ़ा चुका था। इरफान शोपियां का रहने वाला है। नौगाम में मदरसे में पढ़ाने जाता था। 17 अक्टूबर को उसने ही आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का धमकी भरा पोस्टर लिखा। फिर उसे प्रिंटिंग कराने ले गया। पोस्टर में सेना के खिलाफ धमकी भरी बातें लिखी थीं। जवानों ने पोस्टर देखा और आसपास पता लगाया तो मौलवी का सुराग मिला। अगले ही दिन जवान शोपियां पहुंच गए और उसे दबोच लिया।

आशा कार्यकर्ताओं ने सीएचएमओ कार्यालय घेरा

मांग पूरी न होने पर संपूर्ण प्रदेश में हड़ताल की दी चेतावनी, कहां -डिलीवरी के वक्त पैसों के लिए मजबूर करती है महिला चिकित्सक

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी सेवाएं देने वाली आशा कार्यकर्ता व सहयोगिनी को पिछले 05 माह से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और जब आशा कार्यकर्ता अपने इसी लंबित भुगतान के लिए शिकायत करती हैं। तो फिर तो उन्हें काम से निकलने की धमकियां दी जाती है। ऐसा आरोप लगाते हुए मप्र शासन आशा उषा सहयोगिनी कार्यकर्ता संगठन ने जिला स्वास्थ्य एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी और कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।जहां सौंपे गए इस ज्ञापन में ,उन्होंने उनकी 10 सूत्रीय मांगों को यथाशीघ्र पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।जिन्होंने 5 माह का बकाया एकमुश्त मनादेय देने सहित अन्य मांगे पूरी न होने पर बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में संगठन के बैनर तले काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल किए जाने की चेतावनी दी है।

ब्याज पर कर्ज उठाकर चलाना पड़ रहा काम

सौपे गए इस ज्ञापन के दौरान आशा कार्यकर्ता संघ से जुड़े पदाधिकारियो ने बताया कि बालाघाट जिले में लगभग 2000 आशा कार्यकर्ता स्कीम वर्कर के रूप में कार्यरत हैं। वे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।लेकिन मानदेय सहित अन्य मामलों में उन्हें तरह-तरह से परेशान व प्रताड़ित किया जा रहा है। उनकी मांगे भी पूरी नहीं की जा रही है।यहां तक कि रक्षा बंधन व दीपावली जैसे पर्व में भी उन्हें भुगतान नही किया गया। वही दबाव बनाकर काम लिया जा रहा है जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हो चुकी है। उन्होंने बताया कि समय पर मानदेय न मिलने के चलते उन्हें भारी ब्याज पर कर्ज उठाना पड़ रहा है लेकिन उस कर्ज को चुकाने के लिए भी उन्हें परेशानी हो रही है। अब तो कर्ज देने वालों ने भी उन्हें कर्ज देना बंद कर दिया है। बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च सहित अन्य आवश्यकताओं को पूरी करने के लिए वे पायी पायी को मोहताज हो गई है। बावजूद इसके भी उन्हें पिछले 5 माह से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है।

05 माह से नहीं मिला मानदेय घर कैसे चलाएं

ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि आशा कार्यकर्ताओं को जुलाई से अब तक के मानदेय का भुगतान नहीं मिला है। हर माह किए जा रहे कार्यों की आंशिक राशि ही उनके खातों में जमा की जाती है, जबकि बची हुई राशि का कोई हिसाब नहीं दिया जा रहा है। सहयोगिनीयो द्वारा इस बचत राशि की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए गए हैं।जिले के सभी 10 विकासखंड की आशा कार्यकर्ताओं ने बकाया भुगतान कराने की प्रमुख मांग को लेकर सौपे गए इस ज्ञापन में विभिन्न कार्यो का भुगतान करने सहित अन्य लंबित मांगो को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।आशा कार्यकर्ताओं के अनुसार उनसे गर्भवती महिला का कार्य या अन्य सभी कार्य किए गए है लेकिन उनका भुगतान सरकार के द्वारा नहीं किया गया। इसके अलावा ऐसे अन्य कार्य हैं जिनका भुगतान शासन द्वारा नहीं किया गया है। इसके अलावा आशा बहनों से शासन प्रशासन के सभी प्रकार के काम जैसे टीवी कास्ट, हेड काउंटर सर्वे, घर-घर जाकर आयुष्मान कार्ड जैसे कार्य कराए जा रहे हैं लेकिन उनका पैसा नहीं दिया जा रहा है। भुगतान न मिलने के चलते उन्हें अपने परिवार का पालन पोषण करने में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिन्होंने जल्द से जल्द संपूर्ण राशि का एकमुश्त तत्काल भुगतान किए जाने की मांग की है।

इन मांगों को लेकर सौपा गया ज्ञापन

कलेक्ट्रेट और सीएचएमओ कार्यालय में सौपे गए इस ज्ञापन के दौरान संगठन ने चार से पांच माह का बकाया भुगतान एक मुश्त किए जाने, खैरलांजी ब्लॉक में प्रत्येक सत्र के टीकाकरण का पैसा तुरंत देने, आशा व सहयोगिनी का ड्रेस की राशि दी जाने, हर माह की 5 तारीख तक पूर्ण भुगतान सुनिश्चित करने ,बढ़ा हुआ मानदेय 10,000 की राशि दी जाने, आशा एवं आशा सहयोगी दीदी को नियमित करने, जिला अस्पताल में प्रतिदिन आने वाली आशाओं और मिडिएटर का काम करने वाली बहनों पर कार्यवाही की जाने, आयुष्मान कार्ड बनाने का अलग से भुगतान करने, अतिरिक्त कार्य का अतिरिक्त भुगतान करने सहित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है

महिला सर्जन, हितग्राहियो से पैसे लेने के लिए करती है मजबूर-लेखांजलि ठाकुर

आशा पर्यवेक्षकों ने जिला अस्पताल ट्रामा सेंटर की महिला चिकित्सको पर भी गंभीर आरोप लगाए है। आशा पर्यवेक्षक लेखांजलि ठाकुर बताया कि महिला सर्जन लोग आशाओं के माध्यम से पैसा लेते हैं। जो आशा पैसे नहीं दिलाती, उनके द्वारा लाए गए केस पर ध्यान नहीं दिया जाता और बाद में उल्टा आरोप आशाओं पर ही लगा दिया जाता है। उनका कहना है कि इस स्थिति में हितग्राहियों को मजबूरन प्राइवेट अस्पताल का सहारा लेना पड़ता है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और बिगड़ जाती है।उन्होंने अस्पताल में होने वाली अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की भी मांग की है।

तो संपूर्ण प्रदेश में अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी- अनीता जमुनपाने

जिला अध्यक्ष अनीता जमुनपाने ने बताया कि लगातार चार-पांच महीने से मानदेय न मिलने के कारण आशा बहनें कर्ज लेकर परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं, लेकिन अब लोग उधार देने में भी हिचक रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर माह उन्हें पूरा मानदेय समय पर मिलना चाहिए, लेकिन कई बार आधा ही भुगतान किया जाता है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द हमारी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, और मानदेय सहित अन्य मांगे जल्द से जल्द पूरी नहीं की गई तो बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश में काम बंद कर, आशा बहनों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।

बिहार चुनाव में मिली जीत का भाजपाइयों ने मनाया जश्न

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद बालाघाट जिले के तमाम बीजेपी कार्यालयो में जश्न का माहौल नजर आया।जहा भारी बहुमत से मिली इस जीत पर शुक्रवार की शाम नगर स्थित जिला भाजपा कार्यालय में बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्त्ताओं और नेताओं ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर जमकर जश्न मनाया।इस दौरान बीजेपी कार्यकर्त्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और पटाखे फोड़े।वही भाजपाइयों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत पर बधाई दी।इस मौके पर बीजेपी कार्यकर्त्ता ढोल नगाड़ों की धुन पर जमकर थिकरकते हुए नजर आए। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में मनाए जा रहे इस जश्न के बीच बीजेपी नेताओं ने बीजेपी की विकासवादी राजनीति को बिहार में जीत का श्रेय देते हुए इस 5 वर्षीय नए कार्यकाल में घोषणा पत्र में उल्लेखित तमाम बिंदुओं को पूरा करने और डबल इंजन की सरकार द्वारा नए बिहार के संकल्प के साथ बिहार वासियों को कई उल्लेखित सौगात दिए जाने की भी बात कही है

एक तरफ जंगल राज था, तो दूसरी तरफ सुशासन- मौसम

अल्पसंख्यक आयोग सदस्य एंव भाजपा युवा नेत्री मौसम हरिनखेडे ने बताया कि बालाघाट की धरती से हम बिहार की जनता को साधुवाद और आभार व्यक्त कर रहे हैं। निश्चित तौर पर जो परिणाम बिहार की जनता ने अपने जनादेश से दिया है यह कुशल नेतृत्व व कुशल संगठन का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में अमित शाह, जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व का परिणाम है कि एनडीए को इस चुनाव में जीत हासिल हुई है। इसमें भाजपा के हजारों लाखों कार्यकर्ताओं की भी कड़ी मेहनत है।क्योंकि एक तरफ जंगल राज था, तो दूसरे तरफ सुशासन और लोगों ने सुशासन को चुना है।इसीलिए बिहार में बीजेपी,जेडीयू और एनडीए के कुल 5 घटक दलों ने मिलकर यह चुनाव लड़ा था और उसमें सफलता हासिल की है एनडीए को बहुमत मिला है। बिहार की जनता से जो घोषणा पत्र में वादे किए गए थे ,वह पूरे होंगे। संकल्प पत्र के एक-एक बिंदु का साक्षर पालन किया जाएगा और इन 5 वर्षों में प्रदेशवासियों को नए बिहार सहित ढेर सारी सौगात दी जाएगी।

मारपीट में महिला और उसकी भाभी घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम आगासी में एक युवक ने एक महिला और उसकी भाभी को हाथ मुक्के और डंडे से मारपीट कर कर घायल कर दिये। मारपीट में अत्यधिक चोट लगने से घायल महिला निराशा पति बलवंत मेश्राम 30 वर्ष ग्राम आगासी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। वही इस महिला की भाभी श्रीमती नेहा पति सिद्धार्थ राऊत 25 वर्ष का इलाज कटंगी के अस्पताल में चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निराशा मेश्राम का ससुराल ग्राम बुदबुदा का है। किंतु 3 वर्ष से निराशा मेश्राम अपने मायके अगासी में अपनी मां शिशुकला राऊत, भाई सिद्धार्थ राऊत के परिवार के साथ में रहकर मजदूरी करती है। 14 नवंबर को मोहल्ले का युवक आशीष राऊत, निराशा मेश्राम के बड़े पिता के जितेंद्र राऊत के साथ झगड़ा कर रहा था। तभी निराशा मेश्राम अपनी भाभी नेहा राऊत के साथ बीच बचाव करने के लिए गओ। तभी आशीष राऊत ने निराशा मेश्राम और उसकी भाभी नेहा राऊत को हाथ मुक्के और डंडे से मारपीट कर दिया और दोनों को बीच में आने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में निराशा मेश्राम और उसकी भाभी नेहा राऊत घायल हो गई। थी बीच बचाव के बाद दोनों घायल को कटंगी के अस्पताल में भर्ती किया गया था।जहां से अत्यधिक चोट लगने से घायल निराशा मेश्राम को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।नेहा राऊत का इलाज कटंगी के अस्पताल में किया जा रहा है। इस मामले की जांच कटंगी पुलिस द्वारा की जा रही है।

आरोपी ने 14 वर्षीय किशोर को गवाही न देने धमकाकर की मारपीट

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भण्डारबोड़ी में एक व्यक्ति ने 14 साल के एक बालक को गवाही देने की बात को लेकर लकड़ी से मारपीट कर घायल कर दिया। और अपनी बड़ी मम्मी के पक्ष में गवाही देने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में घायल युवक धनंजय पिता भूपेंद्र नागपुर 14 वर्ष का इलाज खैरलांजी के अस्पताल में किया गया और उसके पिता भूपेंद्र नगपुरे 41 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने उन्हीं के परिवार के खिलेश्वर पिता गोमनलाल नगपुरे के इस बालक को मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह बालक धनंजय नगपुरे 14 वर्ष ग्राम भण्डारबोड़ी निवासी माध्यमिक शाला कच्चेखनी में पढ़ाई करता है।30 अक्टूबर को खिलेश्वर नगपुरे और बालक धनंजय की बड़ी मम्मी ममता नगपुरे के बीच विवाद हुआ था। और यह विवाद धनंजय के सामने हुआ था। ममता नगपुरे द्वारा की गई रिपोर्ट पर खिलेश्वर नगपुरे के विरूद्ध खैरलांजी पुलिस थाना में अपराध भी दर्ज किया गया था। 13 नवंबर को 10-20 बजे बालक धनंजय अपने घर से कच्चेखनी स्कूल जाने के लिए निकला था।ग्राम भण्डारबो?ी से कच्चेखनी जाने वाले मार्ग पर बालक धनंजय को खिलेश्वर नगपुरे मिला और बोला कि तू अपनी बड़ी मम्मी की तरफ से गवाही देगा तो मैं तुझे मारूंगा और खिलेश्वर नगपुरे इस बालक को अश्लील गालियां देने लगा । बालक धनंजय ने खिलेश्वर नगपुरे से बोला कि मैंने जो देखा हूं मैं वही पुलिस को बताऊंगा तो खिलेश्वर नगपुरे ने लकड़ी उठाकर बालक धनंजय को मारपीट कर दिया। बालक धनंजय के सिर में चोट लगने से खून निकलने लगा था।इसके बाद खिलेश्वर नगपुरे ने इस बालक को गवाह देने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। इस घटना के दौरान वहा पर और कुछ लोग थे। खिलेश्वर नगपुरे के द्वारा मारपीट करने के बाद यह बालक धनंजय रोते-रोते अपने घर आया और घटना के संबंध में अपने पिता भूपेंद्र नगपुरे को बताया। सिर में चोट लगने बालक धनंजय को चक्कर आने लगे थे। जिसे उसके पिता भूपेंद्र नगपुरे ने खैरलांजी के अस्पताल ले जाकर भर्ती किया और खैरलांजी पुलिस थाना में इस घटना की रिपोर्ट की थी। खैरलांजी पुलिस ने भूपेंद्र नगपुरे 41 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर खिलेश्वर पिता गोमनलाल नगपुरे के विरुद्ध इस बालक को अश्लील गालियां देकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

In The Court Additional Judge To I District Judge Waraseoni, District Court Balaghat

Presinding Officer:- कविता इनवाती

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

प्रकरण क्रमांक (MJC GW/0000012/2025)

संपा बाई..वादी

Vs

आम जनता..............................प्रतिवादी

Process Id- 37/2025

पेशी दिनांक- 11/12/2025

प्रेषिती-

आम जनता पता - **ग्राम डोंगरमाली तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट मध्यप्रदेश**

यह कि प्रार्थी संपा बाई ने आपके विरूद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 हिन्दू अप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम 1956 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें ।

यह आज तारीख **14 November 2025** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायधीश
श्रीमती कविता इवाना
प्रथम जिला न्यायाधीश
के अतिरिक्त न्यायाधीश वारासिवनी बालाघाट

कृपया ध्यान दें-

1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै श्रीमती भागवंता राहंगडाले पति रामदयाल राहंगडाले ग्राम मोहगांव (जाम) थाना लालबर्रा तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट निवासी है। मेरी बेटी जिया राहगंडाले के शैक्षणीक दस्तावेज में माँ का नाम भावना राहंगडाले त्रुटिवश लिखा गया है,जो असत्य है।

जबकि मेरा वास्तविक नाम भागवंता राहंगडाले है। मेरी बेटी जिया राहंगडाले के शैक्षणिक दस्तावेज मे भागवंता राहंगडाले दर्ज किया जावे और इसी नाम से जाना पहचाना जावे ।

निवेदक
भागवंता राहंगडाले

In The Court Of Pranesh Kumar Pran,Principal District and Session Judge,Balaghat

Presinding Officer:- प्राणेश कुमार प्राण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 संरंक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1890

प्रकरण क्रमांक (MJC GW/00030/2025)

1 संगीता मरठे पति स्व. भूपेन्द्र मरठे निवासी ग्राम गणेशपुर बकोडा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म प्र

2 कु0 लीजा मरठे पिता स्व0 भूपेन्द्र मरठे निवासी ग्राम गणेशपुर बकोडा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म प्र.. ......**आवेदकगण**

Vs

सर्वसाधारण आम जनता ....अनावेदक

Process Id-861/2025

पेशी दिनांक =-11/12/2025

प्रेषिती-

(1) **आम जनता पता आम जनता**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमति संगीता मरठे ने संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम की धारा 8 के अंतर्गत स्वयं को पुत्री कु0 लीजा मरठे का संरक्षक घोषित करने का आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

यह कि आवेदिका ने पुत्री लीजा को अपना और अपने पति स्व0 भूपेन्द्र मरठे की संतान होना बताया है। आवेदिका ने उक्त आवेदन में अभिवचनित किया है कि उसे उसकी पुत्री का संरक्षक घोषित किया जावे जिससे कि वह मौजा सरेखा पटवारी हल्का नंबर 13/1 रा0नि0म0 बालाघाट में खसरा नं0 74/2/3/2/1/2 रकबा 0.0190 हे0/0.4/ एकड भू-खंड को मॉडगेज (बंधक) कर सके।

अत: यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में आवेदिका के अभिभावक / संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 18/12/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

न्यायधीश
प्राणेश कुमार प्राण
प्रधन जिला न्यायधीश बालाघाट(म.प्र.)

आम ईस्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं माधव पंचेश्वर जाति मरार ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट का निवासी हूं। मेरी माता जी स्व. मेमबाई पंचेश्वर कि मृत्यु दिनांक 30.07.2008 को हो चुकी है। जिनकी मृत्यु के उपरांत मैं माधव पंचेश्वर, पुत्र धनसिंग पांचे, विजय पंचेश्वर, कोसम पंचेश्वर, नैतराम पंचेश्वर एवं पुत्री भीवरन मानेश्वर, तरासन हरदे व डिलनबाई कावरे वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांढरवानी से जारी किया जाना है।

अत: आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक
माधव पंचेश्वर
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी ला.
तहसील - लालबर्रा जिला - बालाघाट।

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं चंद्रशेखर बनवाले पिता स्व. अग्नि प्रसाद बनवाले ग्राम औल्याकन्हार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट मध्यप्रदेश का निवासी हूं। मेरे पुराने आधार कार्ड में **Chandrashekhar** अक्षर की त्रुटि होने के कारण मेरे द्वारा मेरी अंकसूची के अनुसार **Chandra shekher Banwale** त्रुटि सुधार करवा लिया गया है जो कि आधार कार्ड व पेनकार्ड में अपडेट हो चुका है इसलिये अब से मेरा नाम **Chandra shekher Banwale** पढ़ा एवं लिखा जावे।

प्रकाशक
चंद्रशेखर बनवाले पिता स्व. अग्नि प्रसाद बनवाले
निवासी ग्राम औल्याकन्हार, तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट मध्यप्रदेश।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवक की आवश्यकता है, सिर्फ 35 वर्ष से नीचे के युवक ही आवेदन करें बालाघाट एवं आसपास के रहने वालेही संपर्क करें।
मिलने एवं फोन लगाने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544

आवश्यकता है

सेल्समेन एवं सेल्स गर्ल की आवश्यकता है
अनुभवी को प्राथमिकता
घूंघट साड़ी
मेन रोड, बालाघाट

आवश्यकता है

होटल कान्हा इन बालाघाट
होटल में काम करने वाले लड़कों की आवश्यकता है
मो. - 9993282223
9425139875

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

पानी टंकी के वाल्व खराब होने से 10 से अधिक वार्डों में छाया जल संकट

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज (बालाघाट)।

एमएलबी स्कूल के पास स्थित नगर पालिका की पानी टंकी में लगे दो वाल्व खराब हो जाने के कारण शहर के लगभग 9 से 10 वार्डों में पानी की सप्लाई बाधित रही। इसके चलते वार्डवासियों को 13 नवंबर की शाम से लेकर 14 नवंबर पूरे दिन भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी सप्लाई बंद रहने से वार्डवासियों ने नगर पालिका प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की। वार्डवासियों का कहना है कि ऐसी स्थिति में नगर पालिका को वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी, लेकिन न तो कोई वैकल्पिक जलापूर्ति की गई और न ही पूर्व सूचना जारी की गई। लोग अपने घरों की पाइपलाइन में पानी आने की उम्मीद में लंबे समय तक इंतजार करते रहे। कुछ वार्डवासियों ने यह भी बताया कि उनके क्षेत्रों में तो आए दिन, हफ्ते में कई बार पानी सप्लाई बाधित रहती है, जिससे वे हमेशा परेशानी झेलने को मजबूर हैं। नागरिकों ने मांग की है कि नगर पालिका इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए तुरंत आवश्यक कदम उठाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।

13 नवंबर की शाम 5:00 से 6:00 बजे के बीच एमएलबी स्कूल के पास स्थित पानी टंकी के दो वाल्व अचानक तकनीकी त्रुटि के कारण खराब हो गये। इस अचानक आई समस्या के चलते शहर के 10 से अधिक वार्डों में पानी की सप्लाई बाधित रही। केवल 13 नवंबर के शाम से ही नहीं, बल्कि 14 नवंबर को भी पूरे दिन पानी की आपूर्ति पूर्णतः बंद रही, जिससे वार्डवासियों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय नागरिक बताते हैं कि पानी बंद होने की सूचना नगर पालिका द्वारा समय रहते नहीं दी गई, जिस कारण बड़ी संख्या में लोग सुबह से ही घरों की पाइपलाइन पर नजरें टिकाए पानी का इंतजार करते रहे। कई परिवारों को पीने और दैनिक उपयोग के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा। कुछ पार्षदों ने समस्या की गंभीरता को देखते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में पानी के टैंकर मंगवाकर राहत देने का प्रयास किया, लेकिन कई वार्डों में टैंकर भी उपलब्ध नहीं हो सके, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई। जलप्रदाय व्यवस्था से नाराज वार्डवासी अपनी पीड़ा खुलकर व्यक्त की वार्डवासी छानीलाल ने बताया कि उनके वार्ड में नगर पालिका द्वारा जलप्रदाय नहीं किया गया, लेकिन स्थानीय स्तर पर टैंकर बुलाकर कुछ घरों तक राहत पहुंचाई गई। रविंद्र कुमार जैन, वार्ड क्रमांक 25 के निवासी, ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि उनका वार्ड नगर पालिका अध्यक्ष का होने के बावजूद यहां मूलभूत सुविधाओं की कमी बनी रहती है। आज पानी की सप्लाई बंद रही और टैंकर की व्यवस्था तक नहीं की गई, जिससे वार्डवासी पूरे दिन परेशान रहे। राजेश जैन ने भी कड़े शब्दों में कहा कि आज की खराबी भले ही तकनीकी कारणों से हो, लेकिन उनके क्षेत्र में तो अक्सर हर दो से चार दिन के अंतराल पर पानी की सप्लाई बाधित होती रहती है। उन्होंने बताया कि पानी के अलावा सफाई व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी बुरा हाल है। नालियों को ढकने के लिए लंबे समय से मांग भी की जा रही है, लेकिन आज तक सुनवाई नहीं हुई। शहर के वार्डों में बिगड़ी जलापूर्ति व्यवस्था ने एक बार फिर नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि तकनीकी खराबी थी तो इसकी पूर्व सूचना देना और समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था करना प्रशासन की जिम्मेदारी थी, ताकि जनता को इतनी परेशानी न झेलनी पड़े।

इन वार्डों में जलापूर्ति रही बाधित

एमएलबी स्कूल के पास स्थित पानी टंकी के दो वाल्व खराब होने के कारण शहर में 10 से अधिक वार्डों में जलापूर्ति प्रभावित रही। जिसके चलते वार्डवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक 17, 19, 20, 21, 22, 23, 25, 26, 27 और 28 में पानी की सप्लाई बाधित रही। इन वार्डों के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में नलों से पानी नहीं आने के कारण वार्डवासी पूरे दिन परेशान रहे। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित कॉलोनी में भी पिछले चार से पाँच दिनों से पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है। बताया जा रहा है कि कॉलोनी में मुख्य पाइपलाइन फूट जाने के कारण जलापूर्ति रुक गई है, जिसकी मरम्मत अब तक नहीं की गई।

15 नवंबर से पुनः जल सप्लाई शुरू हो जायेगीं - शिव

नगर पालिका की जलप्रदाय शाखा में कार्यरत कर्मचारी शिव ने बताया कि निश्चित ही पानी टंकी के वाल्व में आई खराबी के कारण शहर के कई क्षेत्रों में जल सप्लाई बाधित हुई है। उन्होंने कहा कि अचानक आई इस तकनीकी समस्या के बाद नगर पालिका प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया और जलप्रदाय शाखा की पूरी तकनीकी टीम बिना किसी विलंब के मरम्मत कार्य में लग गई। टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और खराब हुए दोनों वाल्व को बदलने व ठीक करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि यह मरम्मत कार्य 14 नवंबर की शाम तक पूरा तरह कंप्लीट हो जाएगा, और 15 नवंबर की सुबह से नगर पालिका पुनः जल सप्लाई सुचारू रूप से शुरू कर देगी।

कांग्रेसियों ने चाचा नेहरू को किया याद

युवक कांग्रेस ने नगर में निकाली रैली, एकता का दिया सन्देश

पद्मेश न्यूज (बालाघाट)। शुक्रवार 14 नवंबर को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण क्षेत्रों के कांग्रेस कार्यालय में देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। चाचा नेहरू की इस जयंती पर कांग्रेसियों द्वारा उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किए गए, वहीं कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसियों ने बारी-बारी से चाचा नेहरू को याद कर उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेसियों ने चाचा नेहरू के देश को दिए गए योगदान को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं जयंती के इस विशेष अवसर पर जिला युवक कांग्रेस द्वारा नगर में एक रैली निकालकर चाचा नेहरू के सन्देश को जनजन तक पहुचाने का काम किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से निकाली गई यह रैली हनुमान वहां से नगर के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण कर यह रैली सीधे सुजान धर्मशाला पहुँची, जहां इस रैली का समापन किया गया। रैली के दौरान विभिन्न चौक चौराहों में युवा कांग्रेस के पदाधिकारी ने चाचा नेहरू को याद कर देश में दिए गए उनके योगदान का बखान किया तो वहीं औद्योगिक क्रांति के जनक द्वारा किए गए कार्यों को जन जन तक पहुँचाते हुए सभी भारतवासियों को मिलजुल कर साथ रहकर, देश को एकजुट किए जाने का आव्हान किया। वही धर्मशाला में इस रैली का समापन कर युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने चाचा नेहरू की जीवनी को आत्मसात करते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

देश को तोड़ने में लगी है भाजपा- शिवम विश्वकर्मा

जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष शिवम विश्वकर्मा ने बताया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू जी को याद करते हुए आज यह रैली निकाली गई है। भाजपा सरकार द्वारा इस देश को तोड़ने का काम किया जा रहा है। इस रैली के माध्यम से भारत देश को एकजुट करने का संदेश दिया जा रहा है क्यों की भाजपा सरकार समाज में फूट डालने और लोगों को बांटने का काम कर रही है। ऐसे समय में चाचा नेहरू की विचारधारा एकता, भाईचारा और लोकतांत्रिक मूल्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इसी संदेश को घर-घर पहुँचाने के लिए यह रैली निकाली गई है। उन्होंने कहा कि बाल दिवस सिर्फ उत्सव का दिन नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और सुरक्षित भविष्य को प्राथमिकता देने का अवसर है। रैली के माध्यम से युवाओं ने समाज में सद्भाव, समानता और एकता बनाए रखने का संदेश दिया। रैली के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेहरू के आदर्शों और लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया तो वही चाचा नेहरू के जीवनी को आत्मसात करने और उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का प्रण लिया गया है।

भरवेली में 17 दिनों से जारी है अनिश्चितकालीन हड़ताल

लिखित आश्वासन न मिलने पर पंच हुये आक्रोशित, जनपद सीईओ बिना हड़ताल खत्म करवाए लौटी वापस

पद्मेश न्यूज (बालाघाट)। भरवेली ग्राम पंचायत में बीते 17 दिनों से चल रही पंच, उपसरपंच की अनिश्चितकालीन हड़ताल 14 नवंबर को समाप्त किए जाने की बात कही जा रही थी। इसी संबंध में जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी और अन्य विभागीय अधिकारी भरवेली पहुंचे। यहाँ उपसरपंच राजेश बाहेश्वर ने बताया कि उनकी एसडीएम बालाघाट से अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त किए जाने को लेकर चर्चा हुई थी, जिसमें उन्हें एसडीएम बालाघाट द्वारा बताया गया था कि उनकी जो मांगें हैं, उस पर संबंधित विभाग कार्रवाई कर रहा है और पंचायत में हुए विकास कार्यों की अनियमितताओं को लेकर जांच की जा रही है। इसके लिए एक कमेटी बनाई गई है, जिसकी लिखित जानकारी उन्हें उपलब्ध कराई जाएगी, ऐसा आश्वासन दिया गया था। इसी लिखित जानकारी के आधार पर पंचों ने हड़ताल खत्म करने की बात कही थी। किंतु जब जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्ते धरना स्थल पहुँचीं तो उनके पास कोई लिखित पत्र नहीं था, जिसके कारण मुख्य कार्यपालन अधिकारी को वापस लौटना पड़ा और पंचों की अनिश्चितकालीन हड़ताल अभी भी जारी है।

जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत भरवेली में उपसरपंच और पंचों द्वारा बीते 17 दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रही है। उपसरपंच और पंचों की मांग है कि भरवेली ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्यों में अनियमितताएँ की गई हैं, जिनकी संबंधित विभाग जांच करें और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। किंतु 17 दिन बीत जाने के बाद भी विभाग ने उनकी मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं की है। इस विषय में भरवेली के उपसरपंच राजेश बाहेश्वर ने बताया कि 17 दिनों से चल रही हड़ताल को समाप्त करने के लिए, उन्होंने बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी से दूरभाष पर चर्चा की थी, जिसमें एसडीएम द्वारा उन्हें बताया गया कि उनकी मांगों पर संबंधित विभाग संज्ञान ले रहा है और अनियमितताओं को लेकर की गई सभी शिकायतों की जांच चल रही है। इसके लिए जिला स्तर पर एक कमेटी भी बना ली गई है। इसी आधार पर धरने पर बैठे पंचों सहित उपसरपंच ने पूरे विषय को लिखित में दिए जाने की बात कही थी और एसडीएम बालाघाट ने भी यह लिखित में दिए जाने का आश्वासन दिया था। इसी कारण 14 नवंबर को अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त किए जाने की बात कही गई थी। लेकिन जैसे ही बालाघाट जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्ते धरना स्थल पर पहुँचीं और पंचों सहित उपसरपंचों ने उनसे लिखित में की जा रही जांच की प्रति मांगी, तो उनके द्वारा केवल पुराने कागजों का एक बंच दिया गया, जो कि पूर्व का था और चल रही जांच से संबंधित नहीं था। यह देख सभी पंच और उपसरपंच भड़क गए और उन्होंने अनिश्चितकालीन हड़ताल को समाप्त करने से मना कर दिया। पंच मालती साहू, अमीन खान सहित उपसरपंच का कहना है कि वे पंचायत में हुई अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं, तो विभाग जांच क्यों नहीं करवा रहा है? जबकि वे भी चाहते हैं कि अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त हो, लेकिन विभाग आश्वासन मौखिक देता है, लिखित क्यों नहीं? विभाग यदि सचमुच जांच कर रहा है तो इसे लिखित में देने में समस्या क्या है? इन्हीं तमाम सवालों और आक्रोश के चलते पंचों और उपसरपंच ने एक बार फिर अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रखने की घोषणा कर दी। इसके बाद जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्ते सहित विभागीय अधिकारियों को बिना हड़ताल समाप्त कराए ही वापस लौटना पड़ा।

खेत के बंटवारे के विवाद में भाई भाभी पूरे परिवार से की मारपीट

पद्मेश न्यूज (बालाघाट)। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चंगेरा में एक व्यक्ति और उसके पत्नी को उसी के परिवार के चार लोगों ने डंडे और हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया। 14 नवंबर को सुबह या घटना जमीन जायदाद के विवाद के चलते हुए मारपीट में घायल अरविंद पिता भरतलाल गोंडाने 45 वर्ष और उसकी पत्नी पदमा पति अरविंद गोंडाने 34 वर्ष दोनों ग्राम चंगिरा निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। इस मामले की जांच रामपायली पुलिस द्वारा की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अरविंद गोंडाने दो भाई है और दोनों भाई अपने परिवार के साथ एक ही मकान में अलग-अलग रहते हैं। अरविंद गोंडाने और उसके बड़े भाई अश्विनी गोंडाने के बीच खेत के हिस्से बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। बताया है कि अरविंद गोंडाने के पिता की दो एकड़ जमीन है। सन 2014 से अरविंद गोंडाने बाहर रहकर मजदूरी करता था। उसे समय दो एकड़ खेत में उसका बड़ा भाई अश्विनी गोंडाने फसल लगाता था। 2016 में अरविंद गोंडाने की शादी हुई। उसके बाद भी कुछ साल वह अपने पत्नी पदमा के साथ बाहर रहकर ही मजदूरी करता था। किंतु सन 2023 से अरविंद गोंडाने अपनी पत्नी पदमा गोंडाने और बच्चों के साथ अपने घर ग्राम चंगेरा में आकर और खेती किसानी करने लगा था। किंतु अश्विनी गोंडाने का कहना था कि पिता की डेढ़ एकड़ जमीन में खेती मैं करूंगा और आधा एकड़ जमीन में वह अपने छोटे भाई अरविंद गोंडाने को खेती करने के लिए कहता था जबकि अरविंद गोंडाने का कहना था कि पिता की दो एकड़ जमीन में दोनों का आधा आधा हिस्सा है। किंतु अश्विनी गोंडाने अपने छोटे भाई अरविंद गोंडाने को आधा हिस्सा देने तैयार नहीं था।

इसी को लेकर के दोनों भाई के बीच में विवाद चल रहा था। 13 नवंबर को दोपहर में अरविंद गोंडाने अपने खेत कटी हुई फसल को इकट्ठा करने के लिए गया था। तभी उसका भाई अश्विनी गोंडाने अपने बेटे अभिजीत गोंडाने के साथ डंडा लेकर खेत आया और और दोनों बाप बेटे अरविंद गोंडाने को गालियां देते हुए उसे खेत से बाहर निकलने और जब तक खेत का हिस्सा नहीं होता तब तक खेत में दिखने पर जान से मार डालने की धमकी देने लगे। इसी बात को लेकर के दोनों भाइयों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी जिसकी रिपोर्ट करने पहले अश्विनी गोंडाने ने रामपायली थाना चला गया था। अश्विनी गोंडाने द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके भाई अरविंद गोंडाने के विरुद्ध रिपोर्ट लिखी गई। किंतु जब अरविंद गोंडाने रिपोर्ट करने के लिए गया तो उसकी कोई सुनवाई नहीं की गई और रिपोर्ट करने टालमटोल किया जाने लगा। रिपोर्ट नहीं लिखे जाने पर अरविंद गोंडाने अपने घर वापस आ गया। 14 नवंबर को सुबह अरविंद गोंडाने अपने भाई के परिवार को अपने घर के बोर से पानी ले जाने मना कर दिया था। इसी को लेकर दोनों भाई के बीच विवाद हो गया। एक दूसरे को अश्लील गालीया देने लगे। तभी अश्विनी गोंडाने ने अपनी पत्नी आंचल गोंडाने अपने बेटे अभिजीत गोंडाने और बेटी अनुभूति गोंडाने के साथ मिलकर अरविंद गोंडाने और उसकी पत्नी पदमा गोंडाने को हाथ बुक्के डंडे से मारपीट कर दिए। इन लोगों द्वारा की गई मारपीट में पदमा गोंडाने का सिर फट गया। अरविंद गोंडाने को भी हाथ बुक्के और लाठी के वार से घायल हो गया। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल अरविंद गोंडाने और उसकी पत्नी पदमा गोंडाने को 108 एंबुलेंस से रामपायली अस्पताल लाकर भर्ती किया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों पति-पत्नी को बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। इस मामले में रामपायली पुलिस ने अरविंद गोंडाने द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके भाई अश्विनी गोंडाने, उसकी पत्नी आंचल गोंडाने, बेटा अभिजीत गोंडाने और बेटी अनुभूति गोंडाने के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है

जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस

पद्मेश न्यूज (बालाघाट)। शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों के विभिन्न स्कूलों में हर्षोल्लास के साथ बाल दिवस मनाया गया। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर आयोजित बाल दिवस के अवसर पर जिले भर में जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए इसी कड़ी में नगर के विभिन्न शासकीय व निजी स्कूलों में बाल दिवस पर स्कूली बच्चों के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं संपन्न कराई गई, तो वहीं अतिथियों की विशेष उपस्थिति में स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इसके अलावा स्कूली बच्चों के लिए भोजन एवं उन्हें विभिन्न पुरस्कारों का वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुवात सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के पूजा अर्चन व माल्यार्पण से कि गई। जिसके बाद बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू के छायाचित्र पर सूत की माला का अर्पण शाला परिवार व विद्यार्थियों द्वारा किया गया। सभी अतिथियों का शाला परिवार की ओर से स्वागत कर, अतिथियों ने विद्यार्थियों व शिक्षकों की उपस्थिति में केक को सभी विद्यार्थियों को स्नेह पूर्वक वितरित किया। इसके उपरांत नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत के तराने पेश किए गए, तो वही बच्चों के बीच आपसी में विभिन्न प्रतियोगिताएं सम्पन्न कराई गई। इसके तुरंत बाद प्रतियोगिता में शामिल

प्रतिभागी बच्चों को विभिन्न पुरस्कारों का वितरण कर, अंत में स्वल्पाहार का वितरण कर बाल दिवस समारोह

खबर प्रकाशन के बाद सड़क विभाग जागा

पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य प्रारंभ

आवागमन में होगी सुविधा, गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से गुजरी पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग खराब होने एवं जगह-जगह बने जानलेवा गड्ढों के कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था एवं रोजाना दुर्घटनाएं भी घटित हो रही थी। उक्त समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में पनबिहरी से टेकाड़ी ला का खस्ताहाल, जिम्मेदार मौन नामक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के अधिकारी हरकत में आये और पनबिहरी से टेकाड़ी ला. पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। लेकिन इस सड़क का निर्माण कार्य पुरानी सड़क को खोदकर नही किया जा रहा है बल्कि पुरानी सड़क के ऊपर से ही नवीन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में सड़क जल्द खराब हो जायेगी। जबकि सड़क विभाग को पुरानी सड़क को खोदकर गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण किया जाना चाहिए किन्तु निर्माण कंपनी के द्वारा कार्य में भी अनियमितता बरती जा रही है, जिससे सड़क जल्द खराब हो सकती है। वहीं सड़क से आवागमन करने वाले ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि लंबे समय बाद सड़क का निर्माण किया जा रहा है। लेकिन पुरानी सड़क के ऊपर ही नवीन सड़क बनाई जा रही है जो गलत है। जबकि पुरानी सड़क को खोदकर गुणवत्तापूर्ण नवीन सड़क का निर्माण किया जाना चाहिए परन्तु निर्माण कंपनी के द्वारा निर्माण के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। शासन-प्रशासन से मांग है कि पुरानी सड़क को खोदकर नवीन सड़क का गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाये।

सड़क निर्माण के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

आपकों बता दे कि पनबिहरी से टेकाड़ी ला पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व निर्माण किया गया था लेकिन समय-समय पर सड़क विभाग के द्वारा मरम्मत कार्य नही करवाने के कारण सड़क का खस्ताहाल हो चुका था एवं जगल-जगह से डामर उखड़ने के साथ ही गड्ढे बन गये थे। जिसके कारण ग्रामीणजनों, राहगीरों एवं पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को नगर मुख्यालय आने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था एवं दुर्घटनाएं भी घटित हो रही थी। साथ ही लंबे समय से नवीन सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी, लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा था। जिसके बाद विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में सड़क के खस्ताहाल से आवागमन में हो रही परेशानियों को लेकर समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद सड़क विभाग हरकत में आया है और वर्तमान में सड़क का डामरीकरण निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। लेकिन यह कार्य भी गुणवत्तापूर्ण नही किया जा रहा है। जिससे आने-जाने वालों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने प्रशासन से गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है।

कांग्रेसियों ने मनाई भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित विश्राम गृह में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा 14 नवंबर को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी का जन्म दिवस सादगीपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम समस्त कांग्रेसियों के द्वारा देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया एवं उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों के द्वारा देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पं. जवाहरलाल नेहरू जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए भारत के निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए नमन किया और उनके बताये मार्ग पर चलकर पार्टी एवं देशहित में काम करने की बात कही गई। चर्चा में कांग्रेस कमेटी लालबर्रा ब्लाक उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे ने बताया कि ब्लाक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती सादगीपूर्वक मनाकर उन्हें नमन किया गया। श्री ढांडे ने बताया कि स्व. श्री नेहरू जी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे उन्होने आधुनिक भारत के नवनिर्माण की नींव रखी, देश को नई दिशा व दशा प्रदान करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। ब%चों के प्रति अथह प्रेम व स्नेह के कारण उनकी जयंती 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, ओपी बिसेन, दीपक तोमर, गोंविद पटले, मनीष कुशवाहा, सतानंद दमाहे, जनपद सदस्य देवेश गौतम, कैलाश नखाते, बिट्टु शर्मा, राजिक खान सहित अन्य कांग्रेसी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपाईयों ने बिहार की जीत पर आतिशबाजी एवं मिठाई बांटकर मनाया जश्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हृदय स्थल बस स्टैंड में 14 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की शानदार जीत का जश्न भारतीय जनता पार्टी मंडल लालबर्रा के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों के द्वारा बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाम के समय भाजपाई बस स्टैण्ड में एकत्रित हुए और बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर जमकर आतिशबाजियां एवं मिठाईयां बांटकर एक-दुसरे को जीत की बधाई दी और पूरी ऊर्जा के साथ जमकर नारेबाजी भी की है। जिसमें भारत माता की जय, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारों से पूरा बस स्टैंड गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने विपक्ष पर भी हमला करते हुए कहा कि अब जनता भाजपा के साथ है और इस ऐतिहासिक जीत के लिए बिहार के मतदाताओं को धन्यवाद देते है जिन्होने एनडीए के पक्ष में मतदान किया है। इसी तरह देश के अन्य रा%यों में भी आगामी समय में होने वाले चुनाव में भी भाजपा की ही जीत होगी और धीरे-धीरे देश कांग्रेस मुक्त हो रही है। भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि बिहार की यह जीत दिखाती है कि जनता आज भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर अपना अटूट विश्वास बनाये हुए है। यह जीत सुशासन और विकास के प्रति जनता के समर्थन की मुहर है और विपक्षी पार्टियों ने जनता को गुमराह करने की हर संभव कोशिश की, लेकिन जनता ने उनके मंसूबों को सफल नहीं होने दिया है। श्री अवधिया ने बताया कि वर्ष 2005 से लगातार बिहार में एनडीए की सरकार है, जनता विकास को चुन रही है, वहीं विपक्ष हमेशा भाजपा पर आरोप लगाते रहा है और उनका काम ही आरोप लगाने का है, लेकिन बिहार की जनता ने आशीर्वाद देकर भाजपा को चुना है और अब हमारा भारत कांग्रेस मुक्त होने की कगार पर है। साथ ही यह भी कहा कि देश-प्रदेश व क्षेत्र का विकास करना है तो भाजपा को साथ दे, विकास किया जायेगा, आज लालबर्रा क्षेत्र में कोई विकास कार्य नही हो रहे है, क्योंकि भाजपा का विधायक नही है इसलिए आगामी समय में भाजपा के पक्ष में मतदान कर विधायक एवं सरकार बनाये ताकि क्षेत्र का विकास हो सके। इस अवसर पर भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र अवधिया, नगराध्यक्ष संजीव अवधिया, बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर, पिपरिया सरपंच रूपचंद मानेश्वर, राजेन्द्र परिहार, राजेश गोस्वामी, गुलशन नागेश्वर, मयंक मात्रे सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना और स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 14 नवंबर को भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती के समापन वर्ष जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र%वलित कर माल्यार्पण किया। 1 नवम्बर 2025 से 15 नवम्बर 2025 तक भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती के समापन वर्ष के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें निबंध, भाषण, चित्रकला, क्विज, रंगोली, मेहंदी, लोकगीत और लोकनृत्य कार्यक्रम शामिल है। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिये। महाविद्यालय के प्राचार्य सुमन बरवा ने अपने व्याख्यान में धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन चरित्र से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। वहीं धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती के समापन समारोह में भौतिक शास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों व उनकी जनजातीय सांस्कृतिक विरासत के बारे में विस्तृत रूप से बताया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. आशीष बागडे., डॉ. आशा कारे, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

देश को आजादी दिलवाने में हमारे महापुरूषों ने निभाई है अहम भूमिका - अनुभा

नेवरगांव ला. हायर सेकेण्डरी स्कूल में बाल दिवस कार्यक्रम में विधायक ने दी बैंच एवं वाटर कूलर की सौगात

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से 10 किमी दुर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. एवं बिरसोला स्थित शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल में 14 नवंबर को बाल दिवस कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह दोनों कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती एवं देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर विधायक निधि से शासकीय उ%चतर माध्यमिक विद्यालय बिरसोला में पूर्व में शुध्द ठंडा वाटर कूलिंग की सौगात दी गई थी। जिसका विधायक श्रीमती मुंजारे के हस्ते लोकार्पण किया गया। वहीं नेवरगांव ला. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधायक ने विधायक निधि से छात्र-छात्राओं को बैठक व्यवस्था के लिए डेक्स-बेंच एवं वाटर कूलर की सौंगात दी है। जिससे छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों में हर्ष व्याप्त है। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि भारत देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था, लेकिन अंग्रेजों ने इस सोने की चिड़िया को लूटने का कार्य किया है। कई वर्षों तक हमारे देश को गुलामी से जकड़ा रखा। लेकिन हमारे वीर जवानों ने देश को ना सिर्फ आजादी दिलवाई है बल्कि हमें बाबा साहेब का संविधान दिया। हमारे मौलिक अधिकार दिये, स्वतंत्रता के अधिकार दिये गये। आज हम जो कुछ भी है तो हमारे देश के संविधान की बदौलत है। जिसमें निहित अधिकार ही हमारे स्वायत्ता व मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि 200 साल तक और देश की आजादी की लड़ाई हमारे वीरों ने लड़ने का काम किया और उन वीरों को आप अपनी किताबों में पढ़ते हैं, उनके बारे में सुनते हैं, टीवी में देखते हैं जिन्होने भारत देश को आजादी दिलवाई है। ऐसे महान वीरों को हमें कभी नहीं भूलना चाहिए, हमारे महान वीरों ने महान योध्दाओं ने ही हमकों 200 साल की गुलामी से आजादी दिलवाई थी। जिसमें महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाषचंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, शहीद ए आजम भगत सिंह, बिरसा मुंडा महान क्रांतिकारी, महात्मा गांधी सहित कई ऐसे वीर सपूत एवं महापुरूष है जिन्होने अपना सर्वस्च न्यौछावर कर दिया। आगे कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी की कल जयंती भी है। बिरसा मुंडा, टंटया मामा, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई, अशफाक उल्ला खान, शहीद सुखदेव राजगुरु, ऐसे ना जाने कितने महान क्रांतिकारी हैं जिनकी बदौलत जिनकी कुर्बानी से जिनके बलिदान से हमारा भारत देश आजाद हुआ। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि भारत देश की आजादी का पर्व हम सभी 15 अगस्त के दिन मनाते है। हमारे देश को आजादी 15 अगस्त 1947 को मिली थी। इस आजादी दिलाने में महान क्रांति वीरों की ताकत और देश के लाखों हमारे वीरों ने भाग लेकर योगदान दिया था। उस समय की सरकार के केंद्र में जो सरकार बनी, उस सरकार के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू थे। जिन्हे बच्चों के चाचा नेहरू कहा जाता था। उन्हें बच्चों से बहुत प्यार था और उनके ही जन्मदिवस पर बाल दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव ला. एवं बिरसोला के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एजुकेयर पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित एजुकेयर पब्लिक स्कूल लालबर्रा के ब%चों ने 14 नवंबर को बाल दिवस पर्व के अवसर पर शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण कार्यक्रम के तहत स्कूल के बच्चों को बालाघाट स्थित इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय और स्थानीय मोती गार्डन का भ्रमण करवाया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण में कक्षा पहली से पाँचवी तक के कुल 179 बच्चों व उनके शिक्षकों व अन्य शालेय परिवार ने भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने मोती गार्डन में जहाँ खेलकूद, झूलों व प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लिये। वहीं इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय में स्थापित नैरोगेज डीजल इंजन-बोगी-गार्ड डिब्बा के अंदर पहुंच कर आनंदित हुए। साथ ही बच्चों को डॉ. वीरेंद्रसिंह गहरवार संग्रहाध्यक्ष द्वारा पुरातात्विक महत्व की ऐतिहासिक मूर्तियों की जानकारी से अवगत करवाया। वहीं बच्चों ने भू-गर्भ का भी सूक्ष्म अवलोकन किया। जहां खनन प्रस्तरों की व्यापक जानकारी बच्चों व शिक्षकों को प्राप्त हुई। इस अवसर पर एजुकेयर पब्लिक स्कूल के प्राचार्य कुंजकिशोर विरूरकर, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बच्चों के साथ ही डॉ. वीरेंद्र सिंह गहरवार, डॉ.कुलदीप बिल्थरे, दिनेश नेमा व अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

खैरलाँजी में किसानों ने बैलगाड़ी ट्रैक्टर रैली निकाल दिखाया आक्रोश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी जनपद पंचायत मुख्यालय में १४ नवंबर को किसान गर्जना संगठन के तत्वाधान में हक अधिकार आंदोलन का आयोजन किया गया। यह आंदोलन प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी,जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्यों एवं किसानों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें खैरलांजी के भव्य मैरिज लॉन से किसानो की बैलगाड़ी और ट्रैक्टर रैली निकाली गई। जो ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए जनपद पंचायत परिसर स्थित सभा मंच पर पहुंची। जहां धरना प्रदर्शन कर किसानों के द्वारा सरकार पर जमकर आक्रोश व्यक्त करते हुए पूर्व में चुनाव के समय किए गए वादे और वर्तमान में उपजी समस्या के निराकरण को लेकर सरकार से मांग की गयी। वहीं कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम स्थल पर तहसीलदार छवि पंथ को ज्ञापन सौंप कर समस्या का निराकरण करने मांग की गई। इस अवसर पर भारत सिंह शिवहरे ,योगेश सुलाकिया, रंजीत सिंह लिल्हारे , सुरेश बानेवार ,तेजराम नगपुरे ,रामप्रसाद लिल्हारे ,डेविड सेलोकर, अशोक लिल्हारे ,अजब सिंह कृपगये ,अनिल उइके, ड्रोन कुमार डोहरे ,मुकेश बंसोड़ ,बंधु गोपाले ,भरतलाल बिसेन, कुलदीप पटले ,ओमप्रकाश बिसेन सहित बड़ी संख्या में किसान साथी मौजूद रहे।

आक्रोश रैली ने लोगों का खींचा ध्यान

खैरलांजी के तिरोड़ा रोड स्थित भव्य लॉन से किसानों के द्वारा आक्रोश रैली निकाली गई। यह रैली बैलगाड़ी और ट्रैक्टर के माध्यम से निकाली गई जिस पर किसानों के द्वारा सवार होकर प्रदेश सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की जाती रही। यह रैली खैरलांजी की बड़ी गली होते हुए गांव का भ्रमण कर किन्ही रोड़ पर निकली। जहां से मुख्य मार्ग होते हुए विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण कर जनपद परिसर स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंची। इस दौरान बैलगाड़ी और ट्रैक्टर पर सवार किसानों की नारेबाजी ने लोगों का ध्यान खींचा । वहीं इस रैली को देखने के लिए लोग रास्ते में खड़े हो गए। तो वहीं बाजार या अपने कार्यों से आए किसानों के द्वारा भी उक्त रैली में शामिल होकर नारेबाजी की गई।

जनपद परिसर में धरना प्रदर्शन का हुआ आयोजन

जनपद परिसर मे रैली पहुंची जहां सभी किसानों के द्वारा धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया गया। जिसमें मंच के माध्यम से किसानों के द्वारा सरकार की कथनी और करनी पर प्रकाश डालकर विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। वहीं समीपस्थ राज्य महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ में किसानों को मिलने वाले लाभ का भी उल्लेख कर बताया कि वर्तमान में महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के जैसा हमारे मध्य प्रदेश में भी भाजपा सरकार है। किंतु नीतियों में इस प्रकार भेदभाव एवं विधानसभा चुनाव के वादों की वादा खिलाफी केवल मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा की जा रही है । सहित अन्य विषयों पर संक्षिप्त रूप से किसानों एवं किसान नेताओं के द्वारा अपना आक्रोश व्यक्त कर जमकर हमला बोला गया।

किसान गर्जना संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

धरना प्रदर्शन स्थल पर कार्यक्रम के अंत में खैरलांजी तहसीलदार छवि पथ उपस्थित हुई। जिन्हें किसान गर्जना संगठन के माध्यम से उपस्थित किसानों के द्वारा मुख्यमंत्री म.प्र.शासन भोपाल के नाम का ज्ञापन सौंपा गया। इसमें ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र में लगातार बारिस एवं किट व्याधि के प्रकोप से धान की फसल बर्बाद हो चुकी है। अत: खैरलांजी क्षेत्र को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर किसानो को फसल का मुआवजा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ दिया जाने। सरकार अपने चुनावी वादे अनुसार किसानो की धान ३१०० रूपये प्रति क्विटंल समर्थन मूल्य पर खरीदें। किसानों का आर्थिक स्तर सुधार हेतु किसानो को २० हजार रूपये प्रति हेक्टेयर बोनस दिया जाने। बारिस से प्रभावित धान को सरकार द्वारा निर्धारित खरिदी केन्द्रों पर अस्वीकार ना किया जावें एवं किसानो की पूर्ण धान खरीदी जावे। खरीफ सत्र २०२५-२६ में किसानो की धान फसल पूर्णत: बर्बाद हो चुकी है अत: किसानो का खरिफ सत्र २०२५-२६ का ऋण माफकिया जाने। किसानो को १८ घंटे बिजली दिया जाने, क्षेत्र में जंगली सुअरो का आतंक बढ़ चुका है जिसकी वजह से किसानो की फसल धान गन्ना सुरन गुहिया चना हल्दी आदि बर्बाद हो रही है। किसान सुअरो के डर से खेत नहीं जा पा रहे है ,अत: किसानो को सुअर मारने का अधिकार दिया जाने की मांग की गयी।

सरकार किसानों की बात नहीं सुनती है तो जिला स्तर पर उग्र आंदोलन होगा-रामकुमार

जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने बताया कि किसानों के लिए यह आंदोलन रखा गया है। क्षेत्र में कीट व्याधि से फसल नुकसान फिर बारिश से फसल खराब और उसके बाद जो बची थी वह भी पानी में पड़ी रहने से बर्बाद हो गई। उसके बाद तहसीलदार पटवारी एसडीएम के द्वारा सर्वे की बात कही गई अभी तक पूरा सर्वे नहीं हुआ है। जो सर्वे करने वाले हैं वह २० से ३० प्रतिशत नुकसान बता रहे है। जबकि उससे ज्यादा नुकसान हुआ है कई किसानों को शत प्रतिशत नुकसान फसल खराब होने से हुआ है। ३१०० रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य देने की घोषणा सरकार ने अपने घोषणा पत्र में की थी उसका कोई पता नहीं है। यहां से ५ किलोमीटर दूर महाराष्ट्र है मध्य प्रदेश ,महाराष्ट्र में भाजपा की ही सरकार है । परंतु मध्यप्रदेश में ४००० रूपये प्रति हेक्टेयर देकर लाली पॉप दिया जा रहा है और महाराष्ट्र में २५ हजार रुपये प्रति हेक्टेयर दिया जा रहा है। ऐसे ही छत्तीसगढ़ में ३२०० रुपये ,महाराष्ट्र में २५०० रुपए एवं और मध्य प्रदेश में २३०० रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य दें रहे हैं। इसी के लिए क्षेत्र स्तर पर यह हमारे द्वारा आंदोलन किया जा रहा है इसमें हमने आज ट्रैक्टर और बैलगाड़ी के माध्यम से आक्रोश रैली निकाली थी। धरना दिया है और शासन के नाम ज्ञापन दिया है। यदि सरकार हमारी बातें नहीं सुनती है तो जिला स्तर पर उग्र आंदोलन होगा।

सरकार के अधिकारी किसानों को सर्वे के नाम पर बरगला रहे है-अरविंद

अरविंद चौधरी ने बताया कि जिस प्रकार जिले में फसल बर्बादी हुई है इसमें रामकुमार नगपुरे ने प्रमुखता से विषय को उठाकर सभी ब्लॉक में ज्ञापन दिया। उसी के तहत सरकार ने आनन फानन में सूचना प्राप्त होते ही प्रभावित क्षेत्र के सर्वे का आदेश दिया। इस सर्वे में कई अनियमितता है सभी किसानों तक अधिकारी नहीं पहुंच रहे हैं। किसानों को कहते हैं कि यह फसल नुकसानी बताओंगे तो सोसायटी में धान नहीं खरीदेंगे ऐसा बरगलाने का काम चल रहा है। यदि सरकार को लाभ देना है तो अच्छे मन से दे सर्वे का कम प्रतिशत दर्ज किया जा रहा है। इसी का आक्रोश किसानों के द्वारा रैली निकाल कर ज्ञापन देकर व्यक्त किया गया है। यह आंदोलन चलता रहेगा सोसायटी में ४१ से ४२ किलो जो कर्मचारी धान तौलते हैं उन पर कार्यवाही हो ४० किलो ७०० ग्राम से अधिक कहीं भी नाप नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस अपनी बचकानी हरकतों के कारण सभी राज्यों में हार रही चुनाव -प्रदीप

बिहार में एनडीए की जीत पर भाजपाईयों ने मनाया जश्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। बिहार विधानसभा चुनाव २०२५ के परिणाम १४ नवंबर की सुबह से आना प्रारंभ हुए। इसमें एनडीए यानि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को भारी बहुमत से विजय हासिल हुई। इस विजय पर नगर सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर भाजपाइयों के द्वारा आतिशबाजी कर हर्ष उल्लास के साथ जश्न मनाया गया। वहीं मिठाई बाटकर एक दूसरे को शुभकामनाएं देने का दौर देर रात तक चलता रहा। इस दौरान देखने में आया कि सुबह से लोग लगातार बिहार चुनाव की अपडेट लेते रहे।

भाजपा कार्यालय में मिठाई बाटकर मनाया जश्न

नगर के भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में बिहार चुनाव की जीत की खुशी मनाई गई। यह खुशी पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल सहित अन्य भाजपाइयों की उपस्थिति में मनाई गई। जिसमें सड़क पर जमकर आतिशबाजी कर भारतीय जनता पार्टी का झंडा लहराते हुए जीत के नारे लगाए जाते रहे। तो वहीं सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। वहीं इस जीत का श्रेय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और विकास को दिया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, वेद प्रकाश पटेल, विनय सुराना, मनोज दांदरे, किशोर अमूले ,निरंजन बिसेन, कन्हैया नगपुरे, पीतम बिसेन, जीतू नगरगडे, सुनील पिपरेवार, विनय सुराना, दीपक जैन, विनोद मिश्रा, संतोष आडे, लोकेश ठाकरे, अमन खोसला, सोनू जैन, संजय गुप्ता, प्रवीण रूसिया, पंकज जैन, नंदू पांडे, प्रबल जायसवाल, मुकुल गौर, शिवम मिश्रा, अनिश मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बस स्टैंड में भी की गई आतिशबाजी

नगर के बस स्टैंड में भाजपाइयों के द्वारा बिहार चुनाव के रुझान २०० से पार होने के बाद जीत की खुशी मनाई गई। इसमें बस स्टैंड के सामने मुख्य मार्ग पर जबरदस्त आतिशबाजी करने के बाद सभी को मिठाई बाटकर खुशियां मनाई गई। जहां भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए जाते रहे वही राहगीरों सहित उपस्थित जनों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी जाती रही। इस दौरान उपस्थित जनों के द्वारा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की पूर्व सरकार के द्वारा किए गए कार्य और योजनाओं के कारण यह प्रचंड जीत होना बताया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश मंत्री निरंजन बिसेन, पूर्व मंडल अध्यक्ष दीप चौहान ,बंटी शेन्द्रे, युवा मोर्चा अध्यक्ष केशव बैस, योगेश व्यास ,पार्षद आशुतोष कोहाड, मनीष मिश्रा, शेख दानिश, लोकचंद ठाकरे, प्रकाश बाफना ,चारु देशमुख,शिवदयाल देशमुख ,अयान मेमन ,भूपेंद्र भगत ,मोनू तुरकर, मानिक ठाकरे ,शशांक डोंगरे सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि बिहार जैसे एक बड़े राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की प्रचंड जीत हुई है। इसके लिए प्रधानमंत्री का वीजन और विकास को श्रेय जाता है की जनता ने लालू यादव के अंधेर युग से मुक्ति पानी के लिए नीतीश कुमार के साथ बनाई गई। सरकार को पुन: मोहर लगाकर वापस राज्य में लाया है फिर से बिहार में प्रधानमंत्री की सोच और विजन से बिहार आगे बढ़ेगा। पहले बिहार पिछड़ा था परंतु लगातार एनडीए गठबंधन बिहार को प्रगति पर आगे बढ़ा रहा है। लोगों ने भारी वोट कर यह प्रचंड विजय दी है जनता विकास चाहती है। उत्तर प्रदेश और बंगाल में यह ट्रेंड आगे देखने मिलेगा। कांग्रेस लगातार अपनी बचकानी हरकत जैसे चौकीदार चोर वोट चोर जैसे स्लोगन देकर बता रही है। जबकि राजनीति गंभीर विषय है कांग्रेस बचकानी हरकतों से ऊपर नहीं आ रही है। बिहार में अन्य से भी पीछे कांग्रेस है और आगे भारत के किसी भी राज्य में १५ वर्षों तक कांग्रेस की वापसी नहीं होने वाली है।

समर्थकों और कांग्रेसियों ने धूमधाम से मनाया विवेक पटेल का जन्मदिन

स्वास्थ्य शिविर में विधार्थीयो और नागरिकों के स्वास्थ्य की हुई जांच

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी खैरलाँजी विधानसभा क्षेत्र के वधायक विवेक पटेल का जन्मदिन शुक्रवार को उनके समर्थको और कांग्रेसियों ने बड़े ही धूमधाम से मनाया। विधायक विवेक पटेल ने प्रात: काल अपनी माँ के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया और मंदिर पहुँचकर भगवान की पूजा अर्चना कर क्षेत्र में सुख समृद्धि की कामना की। वहीं जन्मदिन की बधाई देने के लिए सुबह से देर रात तक उनके आवासीय परिसर में लोगों का आना जाना लगा रहा। तथा सभी ने मिलकर उनके दीर्घायु की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। वहीं अपने जनसंम्पर्क कार्यालय में पहुँचकर परिवार और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ वृक्षारोपण भी किया

कांग्रेस कार्यालय में जवाहरलाल नेहरू का मनाया जन्मदिन

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन कांग्रेसियों ने बड़ी धूमधाम से मनाया कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेसजनो ने उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ जनो ने कहा की पंडित नहेरु कुशल राजनीतिज्ञ के साथ साथ एक समृद्ध चिंतक और साहित्यकार भी थे। कोमल ह्रदय वाले जवाहरलाल नहेरु बच्चों से विशेष लगाव रखते थे । पंडित जवाहरलाल नेरूर ने आजादी के बाद १७ वर्षो तक प्रधानमंत्री के रूप में भारतवर्ष की सेवा की और आधुनिक भारत की नीव रखी। पंडित जवाहरलाल नहेरु एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे। आजादी के पहले और आजादी के बाद भी उन्हें भारतीय राजनीति में एक केंद्रीय योद्धा माना जाता था।

गांधी बाल उद्यान में केक काटकर विधायक का मनाया जन्मदिन

नगर के गांधी बाल उद्यान में विधायक विवेक पटेल के समर्थकों व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया। जन्मदिन में केक काटने से पूर्व जवाहर नवोदय विधायर्थी के छात्राओं के द्वारा सामूहिक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी । वहीं कैरियर उच्चतर स्कूल के नन्हें मुंन्हे बच्चों के द्वारा ट्राफीक नियमों के बारे में नाटक के माध्यम से प्रस्तुति दी। इस दौरान नगर के शासकीय, अशासकीय स्कूल के विद्यार्थी व शिक्षक शिक्षिकाऐं मौजूद रहे। वहीं स्कूल के छात्र छात्राओं ने अपनी ड्राइंग सीट पर एक से बढ़कर एक मनोहारिक चित्र बनाकर लाए थे । जिन्हें विधायक विवेक पटेल के द्वारा पुरस्कृत किया गया। वहीं चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य शिविर का भी लगाया गया था जहाँ ५० से अधिक लोगो की आँखे की जांच के बाद विधायक पटेल के हस्ते चस्मा वितरण किया गया।

विधायक विवेक पटेल ने क्षेत्र वासियों का जताया आभार

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि आप सभी के सहयोग प्यार एवं स्नेह से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन हो सका। मेरे जन्मदिन पर आपकी बधाई एवं शुभकामनाएं के लिए मैं तहे दिल से धन्यवाद करता हूं। मुझे क्षेत्र की जनता ने हमेशा आशीर्वाद दिया है मैं उनका जिंदगी भर आभारी रहूंगा। इस दौरान खैरलाँजी जनपद उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद लिल्हारे,ब्लाक अध्यक्ष जीतू राजपूत,राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष जावेद अली,जनपद सदस्य संदीप राणा, कांग्रेस जिला महामंत्री सुदेश गुड्डु सोनी, जेसराज पारधी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष अनिल पिपरेवार, पूर्व सरपंच राजा अली, विवेक जुझार, सुशील शर्मा, जगमोहन निराला, चिंटू जैन, राजकुमार चौधरी, रितिक गौतम, सुनील राणा, कैलाश दुल्हानी, प्रमेंद्र हेड़ाऊ, राहुल अरोरा, देवीप्रसाद लिल्हारे,उज्ज्वल गौतम,संदेश बिसेन, सरोज गौतम, ईश्वरीय दामनकर, कुलदीप गौतम,विजय बिसेन,सत्तू बिसेन, पवन बिसेन, अनीश बेग, दिलीप बिसेन, गगन बिसेन, पप्पू बिसेन, नेवी पटले, हरि क्षिरसागर, मोनू पटले,सोमू शुक्ला, नरेंद्र राहंगडाले, सोनू पटले, अनिल गौतम, निहाल पटले, प्रहलाद बिसेन,रोनू बिसेन सहित उनके समर्थक मौजूद रहे।

सी.बी.एस.ई. विद्यालय पाली अकादमिक संस्थान में मनाया गया बाल दिवस

पद्मेश न्यूज।लांजी। सी.बी.एस.ई. विद्यालय पाली अकादमिक संस्थान बिसोनी में 14 नवम्बर को स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री तथा बच्चों के बीच चाचा नेहरु के नाम से प्रसिद्ध पं. जवाहरलाल नेहरु जी की 136 वीं जयंती संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य की अध्यक्षता में, प्रबंधक संजय चौरे, प्राचार्या श्रीमती श्रृद्धा कांड्रा के मार्गदर्शन में बाल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहें। सर्वप्रथम जयंती कार्यक्रम की शुरुआत पं. जवाहरलाल नेहरु जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण तथा द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया।तत्पश्चात् नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राएँ जो बाल दिवस के अवसर पर चाचा नेहरु व अन्य प्रमुख विशिष्ट व्यक्तियों की वेशभूषा धारण करके आये थे, उनके द्वारा फैंसी ड्रेस, नाटक तथा नृत्य का मंचन किया गया। इस दिवस का प्रमुख आकर्षण रहा बच्चों द्वारा लगाए गये फूड स्टाल जिनमें बच्चों ने अपनी पाक-कला का परिचय देते हुए कई प्रकार के विशिष्ट स्वादिष्ट व्यंजन आगंतुको को परोसे । कार्यक्रम के समापन में संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने नेहरू जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे (14 नवंबर 1889 - 27 मई 1964) स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे। महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता रहे नेहरू ने 1947 से 1964 तक देश का सफलतापूर्वक संचालन किया। वे आधुनिक भारत के निर्माता, सम्प्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष एवं लोकतांत्रिक गणराज्य के सूत्रधार माने जाते हैं। कश्मीरी पंडित परिवार से होने के कारण पंडित नेहरू कहे जाते थे, जबकि बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू पुकारते हैं।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

टीबी उन्मूलन का लक्ष्य राहत और चुनौती भरा

दुनिया भर में तपेदिक या टीबी के उन्मूलन का लक्ष्य हासिल करना दशकों से एक जटिल चुनौती है। समय-समय पर इस बीमारी से संबंधित नए तथ्य और इलाज को लेकर जिस तरह के आंकड़े और ब्योरे सामने आते रहे हैं, वे इस रोग से उपजी व्यापक समस्या से पार पाने की दिशा में एक निरंतरता का बयान तो करते हैं, लेकिन तपेदिक को पूरी तरह खत्म कर पाना अब तक संभव नहीं हो पाया है। भारत में इस रोग से प्रभावित वर्गों की जीवन-स्थितियां और उनके जितने स्तर रहे हैं, उसमें अनुकूल नतीजे तक पहुंचना थोड़ा और जटिल हो जाता है। मगर अब इस दिशा में एक राहत देने वाली खबर आई है कि भारत में टीबी के मामलों में तेजी से गिरावट आ रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक तपेदिक (टीबी) रपट, 2025 के मुताबिक भारत में हर वर्ष टीबी के नए मामलों में इक्कीस फीसद तक की कमी आई है। 2015 में प्रत्येक एक लाख की आबादी पर यह संख्या जहां दो सौ सैंतीस थी, वहीं वर्ष 2024 में घट कर प्रति लाख जनसंख्या पर एक सौ सत्तासी हो गई।

जाहिर है, टीबी के नए मामलों में इतनी कमी इस रोग को देश से पूरी तरह खत्म करने के लिए काफी नहीं है, लेकिन बीते कुछ वर्षों के दौरान इस गिरावट को काफी अहम माना जा सकता है। इसी क्रम में सरकार ने भी इस वर्ष के अंत तक टीबी को देश से पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य रखा है। मगर अब भी इस रोग के प्रभाव क्षेत्र और जड़ों की जो वास्तविक तस्वीर है, उसमें इसके पूरी तरह उन्मूलन के लिए और ज्यादा ठोस कदम उठाने की जरूरत लगती है। दरअसल, नए मामलों में तेजी से गिरावट निश्चित रूप से एक उम्मीद पैदा करती है, लेकिन अब भी टीबी की वजह से होने वाली मौतों को कम करने का लक्ष्य काफी दूर है। पिछले वर्ष सरकार ने संसद में बताया था कि सन 2023 में देश में टीबी से पचासी हजार लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि सरकार का कहना है कि नई तकनीकों के ज्यादा से ज्यादा उपयोग, सेवाओं को निचले स्तर तक पहुंचाना और बड़े पैमाने पर इस रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने की वजह से टीबी के उपचार के दायरे में काफी विस्तार होगा और इससे इस रोग को खत्म करने में मदद मिलेगी।

सवाल है कि इस आशावाद के समांतर सरकार क्या जमीनी स्तर पर तपेदिक की मार से प्रभावित वर्गों तक दवाओं और उपचार की पहुंच सुनिश्चित कर पा रही है, ताकि टीबी उन्मूलन का उद्देश्य समय पर हासिल किया जा सके। यह छिपा नहीं है कि टीबी उन्मूलन के मकसद के साथ जद्दोजहद करते देश में जमीनी स्तर पर चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और कार्यकर्ताओं की काफी कमी है। तपेदिक के कई मरीज इस आर्थिक हालत में होते हैं कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में अभाव की स्थिति में अगर उन्हें दवा बाहर से लेनी पड़े तो वे खुद को लाचार पाते हैं। ऐसे तमाम लोग हैं, जिनकी रिहाइश रोशनी, साफ पानी और हवा की उपलब्धता से वंचित है तथा वे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ के अभाव से भी दो-चार हैं। ऐसे में तपेदिक जैसा रोग तेजी से अपने पांव फैलाता है। मगर इस बीमारी को खत्म करने के मकसद से किए जा रहे प्रयास के अगर सकारात्मक नतीजे सामने आ रहे हैं, तो यह अच्छा है। जरूरत इस बात की है कि तपेदिक के समूचे देश से उन्मूलन को लेकर एक ठोस कार्ययोजना पर काम हो और अपेक्षित नतीजे हासिल किए जाएं।

सक्रियता के समांतर - जीवन का अर्थ

मनुष्य का मस्तिष्क उसकी सबसे अद्भुत और शक्तिशाली संपत्ति है। यह न केवल हमारी सोच, भावनाओं और निर्णयों का केंद्र है, बल्कि हमारे व्यक्तित्व की असली पहचान भी है। वैज्ञानिक मानते हैं कि बीस वर्ष की आयु के बाद दिमाग की सक्रियता धीरे-धीरे घटने लगती है, लेकिन यह प्रक्रिया अपरिहार्य नहीं है। अगर हम अपने मस्तिष्क को निरंतर नई चुनौतियां दें, नई चीजें सीखें और जिज्ञासु बने रहें, तो यह जीवनभर युवा रह सकता है। जैसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम आवश्यक है, वैसे ही दिमाग के लिए %मानसिक व्यायाम% अनिवार्य होता है। जब तक हम अपने दिमाग को नई चुनौतियां देते रहते हैं, तब तक उसका वृद्ध होना टलता रहता है।

मानसिक गतिविधियां, जैसे पहेलियां हल करना, नई भाषाएं सीखना, शतरंज या सुडोकू जैसे खेल खेलना, पठन-पाठन करना या नई कलाओं का अभ्यास करना मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। जब हम किसी नए विषय पर सोचते हैं या दिमाग को किसी जटिल कार्य में लगाते हैं, तो मस्तिष्क की कोशिकाओं के बीच नई तंत्रिका जोड़ियां (न्यूरल कनेक्शन) बनती हैं। ये न केवल याददाश्त को मजबूत करती हैं, बल्कि सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता को भी प्रखर बनाती हैं। जो लोग जीवनभर सीखते रहते हैं, उनका मस्तिष्क अधिक समय तक तेज और युवा बना रहता है।

%इकिगाई% नामक प्रसिद्ध जापानी पुस्तक में इसी सिद्धांत को बड़े सुंदर ढंग से समझाया गया है। %इकिगाई% का अर्थ है, जीने का उद्देश्य या जीवन का अर्थ। जापान के ओकिनावा क्षेत्र के लोग विश्व में सबसे दीर्घायु माने जाते हैं। उनके दीर्घ और सुखी जीवन का रहस्य केवल संतुलित आहार या वातावरण नहीं है, बल्कि उनका मानसिक दृष्टिकोण भी है। वे जीवनभर कुछ नया सीखते हैं, अपने कार्य में आनंद खोजते हैं, दूसरों से जुड़ते हैं और हर दिन को एक नई चुनौती के रूप में स्वीकार करते हैं। यही निरंतर जिज्ञासा और सक्रियता उनके दिमाग को युवा रखती है।

हमारा मस्तिष्क एक अद्भुत अंग है, यह जितना प्रयोग किया जाता है, उतना ही प्रखर होता जाता है। इसके विपरीत, अगर इसे निष्क्रिय छोड़ दिया जाए तो यह धीरे-धीरे अपनी सक्रियता खोने लगता है। मानसिक जड़ता या एकरस जीवन मस्तिष्क की वृद्धावस्था का सबसे बड़ा कारण है। आज के युग में मानसिक व्यायाम के अनेक साधन उपलब्ध हैं। इंटरनेट पर दिमागी खेल, आनलाइन प्रश्नोत्तरी, भाषा शिक्षण ऐप या स्मृति प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसी कई सुविधाएं मौजूद हैं, लेकिन ये केवल खेल या तकनीक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह सोचने का तरीका है। अगर हम हर दिन को कुछ नया जानने, कुछ अलग करने की चुनौती के रूप में लें, तो हमारा मस्तिष्क स्वाभाविक

रूप से सक्रिय रहेगा। कोई व्यक्ति रोज एक नया शब्द सीखने, किसी अनजाने विषय पर पढ़ने या किसी रचनात्मक कला जैसे चित्रकला, संगीत, नृत्य आदि में समय देने की आदत डाल ले, तो उसका दिमाग न केवल युवा रहेगा, बल्कि जीवन के प्रति उत्साह भी बना रहेगा।

दिमाग को युवा बनाए रखने का एक रास्ता है- सकारात्मक सोच और सामाजिक जुड़ाव। जब हम दूसरों से संवाद करते हैं, नए अनुभव साझा करते हैं या समाज से जुड़े रहते हैं, तो हमारा मस्तिष्क नई सूचनाएं ग्रहण करता है। सामाजिक संपर्क मस्तिष्क में डोपामिन और आक्सीटोसिन जैसे %खुशी के हार्मोन% बढ़ाते हैं, हैं, जो तनाव को कम कर मानसिक स्वास्थ्य को स्थिर रखते हैं। इसके विपरीत, अकेलापन और मानसिक तनाव दिमाग की कार्यक्षमता को क्षीण करते हैं। इसलिए दूसरों के साथ बातचीत करना, समूह में काम करना और मित्रों या परिवार के साथ समय बिताना भी मस्तिष्क की सक्रियता के लिए उतना ही आवश्यक है, जितना शारीरिक व्यायाम। वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि दिमाग की कार्यक्षमता केवल मानसिक गतिविधियों से नहीं, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य से भी जुड़ी होती है। एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क बसता है। नियमित व्यायाम से रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे मस्तिष्क तक पर्याप्त आक्सीजन और पोषण पहुंचता है। योग, ध्यान और प्राणायाम जैसी भारतीय परंपराएं न केवल मन को शांत करती हैं, बल्कि मस्तिष्क की एकाग्रता और स्मरण शक्ति को भी सुदृढ़ बनाती है। यह भी पाया गया है कि जो लोग ध्यान या %मेडिटेशन% करते हैं, उनके दिमाग में %ग्रे मैटर% अधिक समय तक सुरक्षित रहता है, जिससे उनकी उम्र बढ़ने पर भी स्मरण शक्ति और निर्णय क्षमता अच्छी बनी रहती है। इसके अतिरिक्त, भोजन का भी हमारे दिमाग पर गहरा प्रभाव पड़ता है। विटामिन-बी, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फल, सब्जियां और पर्याप्त जल सेवन मस्तिष्क को पोषण देते हैं। वहीं अत्यधिक जंक फूड, धूम्रपान और मद्यपान मस्तिष्क की कोशिकाओं को क्षति पहुंचाते हैं। जापानी संस्कृति में हल्का, संतुलित और प्राकृतिक आहार लेने की परंपरा है, जो उनके दिमागी स्वास्थ्य का एक महत्त्वपूर्ण कारण है।

मनुष्य की उम्र केवल वर्षों से नहीं, बल्कि उसकी मानसिक सक्रियता से तय होती है। एक सत्तर वर्षीय व्यक्ति, जो अब भी नई बातें सीखने की चाह रखता है, वह मानसिक रूप से कहीं अधिक युवा है, बनिस्बत उस तीस वर्षीय व्यक्ति के, जो जीवन को एकरसता से जीता है।

मनुष्य की उम्र केवल वर्षों से नहीं, बल्कि उसकी मानसिक सक्रियता से तय होती है। एक सत्तर वर्षीय व्यक्ति, जो अब भी नई बातें सीखने की चाह रखता है, वह मानसिक रूप से कहीं अधिक युवा है, बनिस्बत उस तीस वर्षीय व्यक्ति के, जो जीवन को एकरसता से जीता है। उम्र केवल शरीर की गणना है, जबकि मस्तिष्क की उम्र हमारे विचारों और जिज्ञासा से निर्धारित होती है। यह आवश्यक है कि हम अपने दिमाग को कभी %आराम% के नाम पर निष्क्रिय न करें। उसे नए अनुभवों, नई चुनौतियों और नई जानकारियों से भरते रहें। चाहे शतरंज खेलना हो, कविता लिखना, नई भाषा सीखना या किसी नए विषय पर शोध करना, हर छोटी-बड़ी गतिविधि मस्तिष्क को युवा बनाए रखने का साधन है।

- ममता कुशवाहा

आज धरती आबा बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर विशेष

बिरसा मुंडा कौन थे? क्रांतिकारी या चमत्कारी?

वर्ष 1895 ई. के मानसूनी मौसम में, भविष्य में धार्मिक गुरु व ईश्वर का दर्ज़ा प्राप्त करने वाले 20 वर्षीय आदिवासी युवक बिरसा अपने मुंडा समुदाय के एक हमउम्र साथी के साथ जंगल में घूम रहे थे, तभी बिरसा के शरीर के पास आसमान से एक तेज़ बिजली गिरी। संयोगवश उसी क्षण उसके साथी की नज़र बिरसा पर पड़ी और उस नौजवान ने देखा कि बिरसा का चेहरा अपने साधारण भूरे-काले रंग से बदल कर चमकदार लाल और सफ़ेद रंग में बदल गया है, वो आश्चर्यचकित हो उठा। अपने साथी द्वारा देखे चमत्कार के वर्णन सुनने पर बिरसा के मस्तिष्क में बाइबिल के पाठ उमड़ पड़े और उसने घोषणा किया कि, यह देवता द्वारा उसके लिए उद्घेन किया गया है और साथ ही भविष्य में ऐसे और भी चमत्कार होंगे।

जंगल से घर लौटने के उपरांत बिरसा के साथी ने क्षण भर में इस घटना को सबको बता दिया, फ़िर आग की तरह यह बात गाँवों में फैलनी लगी। सर्वप्रथम मुंडा समुदाय से एक स्त्री अपने बीमार बच्चे के पुनः स्वस्थ हो जाने की कामना के साथ बिरसा के शरण में आई , बिरसा ने उस बच्चे पर हाँथ फेरते हुए मंत्रोचारण करने के पश्चात आत्मविश्वास से उस बच्चे के ठीक हो जाने की घोषणा कर दी , थोड़ी देर बाद ही उस बच्चे को स्वस्थ पाकर लोगों में बिरसा के अन्दर दैविक शक्तियों के होने की बातों को बल मिल गया जिसपर अब संदेह नहीं किया जा सकता था। बिरसा की अलौकिकता मुंडाओं के देश के कोने-कोने में फ़ैल गयी थी,

भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली के पास लगी उनकी प्रतिमा (फ़ोटो साभार - रविन्द्र गिलुआ)

परिणामस्वरूप मुंडाओं के साथ-साथ ग़ैर-मुंडा समुदाय के लोग भी चलकड़ गाँव में भारी तादाद में आने लगे। जब लोगों ने शिकायत की कि उसके द्वारा प्रार्थना कर देखे गए कुछ लोग रोगमुक्त नहीं हुए तो बिरसा ने उनमें श्रद्धा की कमी बताते हुए उनके संदेहों को खामोश कर दिया।

इस घटना के उपरांत बुद्धिमान बिरसा को आभास हुआ की लोगों में पकड़ बनाये रखने के लिए उसे ठोस विश्वास और श्रदा की ज़रूरत पड़ेगी। वो कुछ दिनों तक मौन रहा और काफ़ी सोचने के पश्चात अपने लोगों के समक्ष आया, लोग उसकी बातों को सुनने के लिए आतुर थे। बिरसा के मुख से निकले एक-एक शब्द को लोगों ने ध्यानपूर्वक सुना, बिरसा ने वहाँ मौजूद लोगों को बताया की उनके समुदाय के हित के लिए स्वयं सिंगबोंगा ने उनसे कहा कि 'अबसे वे लोग सिर्फ़ एक ईश्वर को पूजेंगे बजाए उनके अनेकों बोंगओं को जो अबतक वो अपने परम्परागत तरीके से पूजते आ रहे थे, वे मांसाहार जीवन को त्यागें, वे अच्छा जीवन व्यतीत करें, वे लोग सदा साफ़-सफाई का ध्यान रखें एवं वे हमेशा जनेऊ धारण करें'। इस प्रकार एक नए धर्म की नींव बिरसा ने रखी जो वैष्णव व ईसाईयत से प्रेरित था। आज के समय में यह बिरसाईत धर्म से प्रचलित है।

1886 ई. में बिरसा ने जर्मन ईसाई मिशन स्कूल चाईबासा में अपना दाखिला लिया था, उससे पहले उसने बुडजो स्थित जर्मन मिशन स्कूल से शिक्षा हासिल की। चाईबासा में बिरसा चार वर्षों तक रहा। इस बीच उसके साथ एक रोचक घटना घटी। एक बूढ़ी महिला ने उसके माथे की रेखाओं का निरिक्षण करने के बाद यह भविष्यवाणी की थी कि वह एक दिन बहुत बड़ा काम कर दिखाएगा और एक महान व्यक्ति बनेगा। इस अवधि में जर्मन - लूथेरन और रोमन कैथोलिक ईसाईयों के भूमि आन्दोलन चल रहे थे। एक दिन चाईबासा मिशन में उपदेश देते हुए डॉ. नोट्रेट ने ईश्वर के राज्य के सिद्धांत पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस उपदेश के श्रोता के रूप में बिरसा भी वहां उपस्थित था। डॉ. नोट्रोट का कहना था कि यदि वे ईसाई बने रहेंगे और और उनके अनुदेशों का अनुपालन करते रहेंगे तो उनकी छिनी हुई ज़मीन की वापसी कर दी जाएगी। इस बात का बिरसा और साथ ही सरदार समुदाय के आदिवासियों को बड़ा धक्का लगा।

बिरसा ने उसी समय डॉ. नोट्रोट और मिशनरियों की बहुत ही तीखे शब्दों में आलोचना की। इसका नतीजा यह हुआ कि बिरसा को स्कूल से निकाल दिया गया। इस घटना के बाद उसने अपनी आवाज़ बुलंद की और नारा दिया 'साहब साहब एक टोपी है।' अर्थात गोरे अंग्रेज़ और मिशनरी एक जैसे हैं। सन् 1886 - 87 ई. में मिशनरियों से सरदारों का भी संबंध विच्छेद हो गया। उसके बाद मिशनरियों ने सरदारों को धोखेबाज कहना शुरू किया।चाईबासा में रहकर बिरसा ने उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा पाई परिणामस्वरूप हिंदी और अंग्रेज़ भाषा की थोड़ी बहुत जानकारी हासिल की। बिरसा हिंदी बोल लेता था किन्तु अंग्रेज़ी में बातचीत नहीं कर पाता था। बिरसा ने 1890 ई. में चाईबासा छोड़ दिया और उसके तुरंत बाद उसने जर्मन ईसाई मिशन की सदस्यता भी छोड़ दी। उसने जर्मन मिशन त्याग कर रोमन कैथोलिक मिशन धर्म स्वीकार किया। उसके साथ कुछ दिनों तक रहा, पर बाद में उस धर्म के प्रति भी उसके मन में विरक्ति आने लगी। उस ओर से वो निराश होकर अपने पुराने परम्परिक रीती-रिवाजों की ओर लौट आया.

सन 1891ई . में बंदगाँव में बिरसा की मुलाक़ात गैर मुंडा आदिवासी जमींदार जगमोहन सिंह के मुंशी आनंद पांड से होती है। आनंद पांड स्वांसी जाति का एक धार्मिक व्यक्ति था, साथ ही वो जड़ी-बूटियों से संबंधित अच्छी जानकारी भी रखता था। उससे मिलकर बिरसा ने वैष्णव धर्म के प्रारम्भिक सिद्धांतों और रामायण, महाभारत की कथाओं को जाना। बिरसा ने आनंद पांडे को गुरू मानकर उसके साथ तीन वर्ष बिताये। इस अवधि में बिरसा ने गौड़बेड़ा, बमनी और पाटपुर आदि गांवों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान बमनी में एक वैष्णव साधू से उसकी मुलाक़ात हुई जहाँ बिरसा ने उस साधू से तीन महीने तक उपदेश सुने। साधू के उपदेशों से प्रभावित होकर बिरसा ने मांस खाना छोड़ दिया और जनेऊ धारण कर शुद्धता और धर्म परायणता का जीवन व्यतीत करने में विशेष जोर दिया। बिरसा तुलसी की पूजा करने लगा और माथे पर चन्दन का टीका लगाना शुरू कर दिया।

सन 1895ई. में बिरसा के नए धर्म के आगमन के पश्चात उसके अनुयायीयों में भारी बढोतरी हुई, परिणामस्वरूप बिरसा काफ़ी उत्साहित हो गया। उसके धर्म को मानने वालों में न सिर्फ़ मुंडा तथा ग़ैर-मुंडा समुदाय के आदिवासी लोग थे बल्कि वे लोग भी जुड़े जिन्होंने ईसाइयत कबुल ली थी। बिरसा की लोकप्रियता को देखते हुए उसके कुछ अनुयायी उसे प्रेम से 卐भगवान卐 व 卐धरती आबा卐 अर्थात विश्व के पिता कहे कर पुकारने लगे। बिरसा ने एक भरी सभा में अपने अनुयायियों से यह भी कहा था कि, जो लोग उनके बताए रास्ते पर नहीं चलेंगे उनपर प्रलय आएगा। जब बिरसा के धर्म को न मानने वालों पर प्रलय के संकट आने की बात चारों और फ़ैली तब ब्रिटिश हुकूमत ने अपनी ओर से सभा की निगरानी के लिए सिपाही भेजे, जिनके साथ बाद में बिरसा के अनुयायियों ने दुर्व्यवहार कर भगा दिया। कुछ दिनों की चुप्पी के बाद ब्रिटिश हुकूमत की ओर से तब के जिला पुलिस अधीक्षक, एक रात हाथी के पीठ पर सवार होकर अपने बीस हथियार बंद सिपाहियों के साथ बिरसा के गाँव आ धमके और होशियारी से बिरसा के मुंह में रुमाल ठूस कर उसे अपने साथ बंदी बनाकर ले गए। सुबह जब उसके अनुयायीयों को बिरसा की अनुपस्थिति के बारे मालूम चला तब उन्होंने बिरसा द्वारा की गई भविष्यवाणी को स्मरण किया 卐 यदि कभी सरकार उन्हें बंदी बनाकर कारागृह में डाल भी देती है तो वो सशरीर चार दिनों के पश्चात पुनः अपने गाँव चलकद लौट आयेंगे और उनकी जगह जेल में एक लकड़ी का लट्ठा छोड़ आयेंगे।卐 इस बात के फैलने पर पुनः लोग चलकद गाँव की ओर आने लगे, चौथे दिन फ़िर से लोगों को निराश होना पड़ा जब बिरसा अपने गाँव लौट कर नहीं आया। इसी के साथ बिरसा पर विश्वास करने वाले लोगों की संख्या में कमी आने लग गयी।

सन 1895 ई. के नवम्बर माह में बिरसा को ढाई वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई, लेकिन महारानी विक्टोरिया के शासनकाल की हीरक जयंती के जश्न के अवसर पर बिरसा को समय से पूर्व रिहा कर दिया गया। जेल से छुटने के बाद ही बिरसा ने सभा बुलाई जहाँ पर उसके अनुयायियों ने उससे निवेदन किया कि एक संगठन फिर से खड़ा किया जाए। उनहोंने कहा कि अपने खोये अधिकारों को फिर से हासिल करने और दुश्मनों को मार भगाने के लिए संगठन बनाना नितांत आवश्यक है। अनुयायी एवं शिष्यगण दो टुकड़ियों में बांट दिए गये। एक टुकड़ी पर धार्मिक प्रचार का भार था और दूसरी विद्रोह की तैयारियों में लग गयी थी।

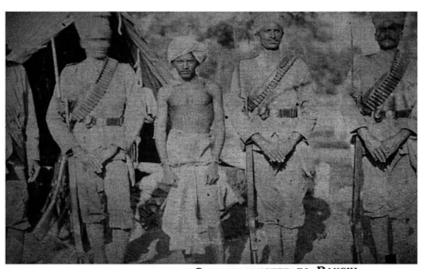

BIRSA MUNDA CAPTURED AND CONDUCTED TO RANCHI.

बिरसा मुंडा को जेल ले जाते वक़्त की तस्वीर

जैसे कि विद्रोह की योजना बनाई गयी थी.बड़ा दिन (क्रिसमस) के एक दिन पूर्व 24 दिसम्बर 1899 को आंदोलनकारियों द्वारा अगलगी कर और तीरों से हमला किया गया । सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर थाने और रांची जिले के खूँटी, कर्रा, तोरपा, तमाड़ और बसिया थानों के अंतर्गत विद्रोह की आग दहक उठी। खूँटी थाने का क्षेत्र इस आन्दोलन का केंद्र था। आन्दोलन के सिलसिले में मुरहू एंग्लिकन स्कूल भवन पर दो तीर चलाये गये। किन्तु तीर से किसी को चोट नहीं लगी। सरवदा ईसाई मिशन में रात 9 बजे के बाद गोदाम में आग लगा दी गई। कुछ गाँवों में घर जलाये गये। सिंहभूम के पोडाहाट क्षेत्र में तीरों के प्रहार के बजाय आग लगी की घटनाएँ ज्यादा हुई। कूटूगूटू में 28 जनवरी को जर्मन मिशन का गिरजाघर जला दिया गया। इस तरह की कई घटनाएँ जहाँ तहां घटने लगी। बिरसा अनुयायी जोर - शोर से नारे लगाते थे 卐 हेन्दे राम्बड़ा रे केच्चे, केच्चे, पूंडी राम्बड़ा रे केच्चे - केच्चे卐। इसका मतलब यह हुआ कि काले ईसाईयों और गोरे ईसाईयों का सर काट दो। परंतु हक़ीक़त में कोई ईसाई मारा नहीं गया। कुछ ईसाई विद्रोहियों के प्रहार से घायल अवश्य हुए थे।

बिरसा के एक अनुयायी के द्वारा कोर्ट में दिए गए बयान के कुछ अंश इस प्रकार हैं -卐 डोम्बरी बुरु (जंगल) में जब हम बैठक के लिए मध्य रात में पहुंचे। बैठक की जगह पहाड़ी की चोटी पर था। वहाँ हम साठ या अस्सी व्यक्तियों के करीब इकट्ठे हो पाए थे। बिरसा एक पत्थर पर बैठ गए, जिस पत्थर पर बिरसा बैठे थे उस पर कपड़ा फैला हुआ था। बिरसा पूरब की ओर मुहँ कर के बैठे थे और बाकी लोग उसके चारों ओर बैठे थे। आधी रात तक सब लोग इकट्ठा हो गए, कुछ ही समय बाद भी चंद्रमा गुलाबी होने लगा था, तभी बिरसा ने हमसे पूछा कि, हमें किन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? जगई के कुदादा और तीन-चार अन्य जिनके नाम मुझे नहीं पता, उन्होंने कहा कि हम ठेकेदारों, जागीरदारों और तीमारदारों के जुल्म से पीड़ित हैं। तब बिरसा ने हमें धनुष-बाण और बनाने को कहा, हम सभी ने कहा कि हम उन्हें बनाएंगे। बिरसा ने कहा कि उन्होंने विभिन्न हिस्सों में बैठकी कर ऐसा ही आदेश दिया है और हर वो व्यक्ति जो उसके धर्म से सम्बंधित है, हथियार बना रहा है । बिरसा ने कहा कि हथियारों का इस्तेमाल ठेकेदारों, जागीरदारों, राजघरानों, हकीमों और ईसाइयों की हत्या के लिए किया जाना था। इकट्ठे हुए कुछ व्यक्तियों ने पूछा कि क्या राजघराने, हकीम और ईसाई हमें मारने के लिए अपनी बंदूकों से गोली नहीं चलाएंगे? बिरसा ने जवाब दिया कि हम नहीं मरेंगे, बंदूकें और गोलियां पानी में परिवर्तित हो जाएंगी। ईसाईयों के महान पर्व तक हमें हथियार तैयार करने थे। बैठक मुर्गे के बांग पर टूट गई।卐

बुर्जू गाँव में एक पुलिस कांस्टेबल और चार चौकीदार बिरसा के अनुयायियों द्वारा मौत के घाट उतार दिए गए, सोनपुर परगना के घने जंगलों में सीज़र नामक एक जर्मन सौदागर के सिर पर गोली मार कर हत्या कर दी गई, रांची के चर्च में तीरों के बौछार से एक बढ़ई घायल हो गया

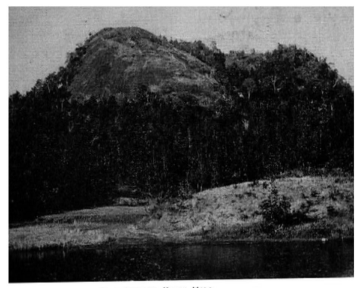

THE DOMBARI BURU HILL.

डोम्बारी बुरु (डोम्बारी पहाड़)

था जो की बाद में इलाज के दौरान मारा गया था। कुछ दिनों तक रांची में अफरा-तफरी जैसा माहोल रहा, छुट-पुट घटनाएं हुईं और आशंका जताई जा रही थी कि बिरसा के अनुयायी किसी भी दिन शहर में अचानक हमला कर सकते हैं। 7 जनवरी, 1900 ई. को यह खबर अधिकारियों तक पहुंची कि रांची में धनुष-बाण, कुल्हाड़ियों और भाले से लैस तीन सौ मुंडाओं ने खूंटी थाने पर हमला कर एक सिपाही की हत्या कर दी और कुछ घरों में आग लगा दी। विभाग के कमिश्नर फोर्ब्स और जिला उपायुक्त श्री स्ट्रेफील्ड ने एक बार फिर डोरंडा में तैनात देशी इंफैंट्री के 150 पुरुषों के साथ खूंटी की ओर तेज़ी से कदम बढ़ाने लगे ।

स्ट्रीटफिल्ड ने विद्रोहियों को चेतवानी दी कि यदि उन्होंने तुरंत आत्मसमर्पण न किया तो उनपर गोलियां चलाई जाएगी। विद्रोही बिना भयभीत हुए अड़े रहे, विरोध की भावना के साथ उन्होंने चिल्ला कर जवाब दिया कि वे लड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं,गोलीबारी शुरू हुई और इसका जवाब विद्रोहियों ने पत्थरों और तीरों से दिया। गोली का जवाब बहादुरी से तीरों से देते रहे। आख़िर कितनी देर वे गोलियों के आगे टिक पातें, स्थिति को भांपते हुए उन्हें अपने कदम पीछे करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं दिख रहा था। घने जंगलों में उनके चले जाने के पश्चात जब अंग्रेज़ों ने युद्ध की स्थिति का जायजा लिया तो पाया कि, 'चार मुंडा लड़ाके वीरगति को प्राप्त हुए, और तीन घायल पाए गए, साथ ही जंगल में तीन महिलाओं और एक लड़के के शवों की भी प्राप्ति हुई'। विद्रोहियों में से बहुत कोई ग्रिफ्तार हुए। अंततः 3 जनवरी 1900 ई. को बिरसा भी पकड़े गये। बिरसा को पकडवाने में जगमोहन सिंह के आदमी वीर सिंह महली का हाँथ था जो की अंग्रेज़ हुकूमत के द्वारा रखे गए 500 रुपये के लालच में आकर उसके ठिकाने का उज़ागर अंग्रेज़ों को दिया था। बिरसा को पकड़कर रांची जेल भेज दिया गया। जहाँ 9 जून 1900ई. की सुबह 9 बजे अचानक उसकी मृत्यु जेल में हुई। कहा जाता है कि बिरसा की मृत्यु हैजा के प्रकोप से हुई। किन्तु संभावनायें व्यक्त की जाती रही हैं कि उसे जहर दे कर मार दिया गया। इस तरह से छोटानागपुर की धरती के इस निडर सपूत का अंतकाल हो गया।

अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए फ़िर से आदिवासियों को ऐसे ही किसी चमत्कारिक क्रांतिकारी की आवश्यकता है। जो न सिर्फ़ हमारे जल, जंगल, ज़मीन के अधिकारों के लिए लड़े, बल्कि प्रकृति से सामंजस्य बैठा कर आदिकाल से चली आ रहीं हमारी परम्पराओं और इस अनूठी संस्कृति के प्रति समस्त समुदायों के लोगों को प्रेरित करे।

(नोट- यह लेख बिरसा मुंडा पर लिखी गई किताबों के गहन अध्ययन कर तथा उन पर शोध कर रहे लोगों से हुई बातचीत के आधार पर लिखा गया है।)

स्रोत- झारखण्ड दर्पण : अतीत से वर्तमान तक (शिवांगन पब्लिकेशन)

- पंकज बांकीरा, झारखण्ड के बंदगांव के रहने वाले हैं, वे 'हो' समुदाय के एक समाजसेवी हैं और इस वक्त मनोविज्ञान की पढ़ाई कर रहे हैं।

बैंकों के लिए सिल्वर पर लोन के दिशा निर्देश

मुंबई (एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने सिल्वर लोन के लिए अब बैंकों और एनएफसी कंपनियों को मंजूरी दे दी है। रिजर्व बैंक ने इसके लिए नियम तैयार किए हैं। अभी तक सिल्वर लोन के लिए कोई नियम नहीं थे। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के नियमों में स्पष्ट किया गया है। चांदी पर लोन गहनों और सिक्कों के गिरवी रखने पर ही दिया जाएगा। शुद्ध चांदी और सिल्वर म्युचुअल फंड जैसी निवेश योजना के निवेश पर कोई लोन नहीं दिया जाएगा। लोन लेने वाला एक ग्राहक अधिकतम 10 किलो चांदी के आभूषण और 500 ग्राम तक चांदी के सिक्के गिरवी रखकर लोन ले सकता है। इससे अधिक गिरवी रखने की अनुमति बेंकों ओर एनएफसी कंपनी को नहीं दी गई है। लोन की रकम तय करने के लिए लोन टू वैल्यू अनुपात लागू रहेगा। चांदी के मौजूदा बाजार मूल्य के अनुसार ही ऋण दिया जाएगा। बैंक तथा एनएफसी कंपनियों को पिछले 30 दिनों के औसत बंद मूल्य पर जो भी कम हो उसे आधार बनाकर न्यूनतम 70 और अधिकतम 85 फ़ीसदी ही लोन दिया जा सकेगा। रिजर्व बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया है। सभी दस्तावेज और जानकारी स्थानीय भाषा तथा ग्राहक की भाषा के अनुसार ही दी जाना आवश्यक है। गहनों की जांच कर्ज लेने वाले व्यक्ति की उपस्थिति में कराना अनिवार्य है। बैंक मूल्यांकन रिपोर्ट प्राप्त करेगा, इसे लोन एग्रीमेंट के साथ संलग्न करेगा। ऋण और ब्याज चुकता नहीं होने की दशा में बैंक गहनों या चांदी की नीलामी कर सकता है। इसके लिए ग्राहक को नोटिस देना होगा। अगर ग्राहक संपर्क में नहीं है, तो पब्लिक नोटिस जारी करना अनिवार्य होगा। इसके लिए एक माह का समय होगा। अगर ग्राहक ऋण चुकाकर 2 साल बाद भी अपना सोना और चांदी वापिस नहीं लेता है। तो बैंक उसे अनक्लेमड घोषित कर सकता है। बैंक या एनएफसी कंपनी यदि चांदी लौटने से इंकार करती है। ऐसी स्थिति में उसे 5000 प्रतिदिन का मुआवजा ग्राहक को देना होगा।

भारतीय कंपनियां डेटा सेंटर क्षमता में कर रही हैं निवेश

मुंबई (एजेंसी। भारत में 50 प्रतिशत से ज्यादा कंपनियों का मानना है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) वर्कलोड आने वाले तीन से पांच वर्षों में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ सकता है। इसके लिए अगले 12 महीनों में नई डेटा सेंटर क्षमता में निवेश कर रही हैं। नेटवर्किंग उपकरण बनाने वाली कंपनी सिस्को की ओर से बताया गया कि 91 प्रतिशत भारतीय कंपनियां अपने सिस्टम में ऑटोनॉमस एआई एजेंट्स की तैनाती कर रही हैं और केवल 37 प्रतिशत ही उस पूरी तरह से सुरक्षित रख पाने में सक्षम हैं। सिस्को ने रिपोर्ट में कहा कि 97 प्रतिशत ग्लोबल पेससेटर्स ने यूस केस को अनलॉक करने और अधिक रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (आरओआई) प्राप्त करने के लिए एआई का उपयोग किया है। रिपोर्ट में कहा गया है, वे नेटवर्क-फर्स्ट नींव का निर्माण करते हैं, पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता देते हैं, निरंतर अनुकूलन करते हैं और पहले दिन से ही सुरक्षा का ध्यान रखते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कर्मचारियों के लिए भी वर्कप्लेस में उनके काम करने के तरीकों को बदलने को लेकर एक अहम फैक्टर बना है। एक ताजा स्टडी बताती है कि 71 प्रतिशत कर्मचारी एआई का इस्तेमाल करियर को प्लान करने और प्रॉब्लम को सॉल्व करने के लिए करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 75 प्रतिशत कर्मचारियों ने माइक्रो-रिटायरमेंट, मूनलाइटिंग, फ्लेक्सिबल शेड्यूल और बेयर-मिनिमम मंडे जैसे कम से कम एक नए वर्कप्लेयर बिहेवियर को अपनाना शुरू कर दिया है।

सरकार ने 14 वस्तुओं पर गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए

नई दिल्ली (एजेंसी। नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार ने प्लास्टिक, पॉलिमर, सिंथेटिक फाइबर और धागों सहित 14 वस्तुओं पर लागू गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) वापस ले लिए हैं। सरकार का कहना है कि यह फैसला उद्योगों पर बढ़ते अनुपालन बोझ को कम करेगा और विनिर्माण क्षेत्र के लिए कच्चे माल की उपलब्धता आसान बनाएगा। रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से परामर्श के बाद इन आदेशों को जनहित में रद्द किया गया है। यह आदेश 12 नवंबर से प्रभावी हो गया है। अब 100 फीसद पॉलिएस्टर स्पन यार्न, पॉलिएस्टर इंडस्ट्रियल यार्न, **विस्कॉस स्टेपल फाइबर, पॉलीकार्बोनेट, पॉलीयूरीथेन समेत कई इनपुट सामग्री के आयात और घरेलू बिक्री के लिए बीआईएस प्रमाणन की जरूरत नहीं होगी। समिति की पिछले महीने प्रस्तुत आंतरिक रिपोर्ट में उद्योगों द्वारा उठाई गई चिंताओं को रेखांकित करते हुए 200 से अधिक उत्पादों पर क्यूसीओ को रद्द या स्थगित करने की अनुशंसा की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि क्यूसीओ के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही थी और घरेलू कताई, बुनाई एवं परिधान उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर कच्चा माल हासिल नहीं कर पा रहे थे।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ ही 88.72 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और विदेशी पूंजी निकासी के बीच शुक्रवार को रुपया शुरुआती कारोबार में 88.75 प्रति अमेरिकी डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव 88.70 से पांच पैसे की कमजोरी दर्शाता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 88.70 पर खुला और फिर 88.75 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कोई घोषणा न होने के कारण निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। शेयर बाजार में गिरावट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता भी रुपया कमजोर होने के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.69 पर बंद हुआ। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी गिरकर 99.11 पर आ गया। इसका प्रभाव रुपए पर सीमित रहा।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई (एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों में व्यापक कमजोरी और वैशिक संकेतों की गिरावट से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 84 अंक की ब ?त के साथ आज 84,478.67 अंकों के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 25,910.05 अंकों के स्तर पर बंद हुआ।वहीं मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन उतार-चढ़ाव आता रहा। निफ्टी मिडकैप 50 मार्केट बंद होने तक 18 अंक की बढ़त के साथ 17,299.70 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में मुथूट फाइनेंस, जूबिलेंट फूड और भारत डायनमिक्स , के अलावा वोडाफोन-आइडिया के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं सुप्रीम इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, एस्ट्रल लिमिटेड और आयशर मोटर्स गिरावट के साथ नीचे आये। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 400 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,060 पर खुला। खुलने के तुरंत बाद ही यह 84,316 तक लुढ़क कर 253.68 अंक की कमजोरी के साथ 84,224.99 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह एनएसई निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 25,767.90 पर खुला। शुरुआती गिरावट के बाद इंडेक्स में हल्की रिकवरी दिखने के बाद 20.90 अंक गिरकर 25,858.25 पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक स्तर पर, वॉल स्ट्रीट गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े शेयरों में तेज बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ाया, जबकि फेडरल रिज़र्व की संभावित ब्याज दर कटौती को लेकर बनी अनिश्चितता ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। एशियाई बाजारों पर भी इसका गहरा असर दिखा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.5 फीसदी टूट गया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.03 फीसदी गिरा और हांगकांग का हैंग सेंग 1.23 फीसदी कमजोर हुआ।

भारत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर कर रहा बातचीत- गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत इस समय अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई अन्य देश भी भारत के साथ व्यापार समझौते की इच्छुक हैं। गोयल ने कहा कि भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते लागू कर चुका है। उनका कहना है कि इन समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के प्रवाह को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने बताया कि आईटीपीओ के माध्यम से 'आंध्र मंडपम' को नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' जैसी वैश्विक पहचान वाला कन्वेंशन सेंटर बनाने की योजना है। इसके लिए राज्य सरकार के साथ सहयोग को भी प्राथमिकता दी जाएगी। गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार ने 42,000 अनुपालनों और 1,500 पुराने कानूनों को समाप्त कर व्यापार को आसान बनाया है। उनका मानना है कि इससे निवेश और व्यापार दोनों में सुगमता आएगी और वैश्विक व्यापार बाधाओं में कमी आएगी। उन्होंने 'सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025' में यह जानकारी साझा की और वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

बैंक फ्रॉड मामले में पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश नहीं हुए अनिल अंबानी

नई दिल्ली (एजेंसी। रिलायंस एडीएजी समूह के अनिल डी अंबानी शुक्रवार को बैंक फ्रॉड मामले में पूछताछ के लिए ईडी के मुख्यालय में पेश नहीं हुए। हालांकि उन्होंने वर्चुअल पेशी का प्रस्ताव रखा है। अनिल अंबानी की ओर से जारी बयान में कंपनी ने कहा कि वह सभी मामलों में ईडी के साथ पूरा सहयोग करेगी और वर्चुअल माध्यम से पेश होने को तैयार है। ईडी सूत्रों के मुताबिक उन्हें अभी तक अनिल अंबानी या उनकी कंपनी से ऐसा कोई संदेश नहीं मिला है। अनिल अंबानी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अनिल डी अंबानी को ईडी की ओर से भेजा गया समन फेमा जांच से संबंधित है, न कि पीएमएलए के किसी मामले से इसका जुड़ाव है। बयान में आगे कहा कि अनिल डी अंबानी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड के सदस्य नहीं हैं। उन्होंने अप्रैल 2007 से मार्च 2022 तक करीब 15 सालों तक कंपनी में केवल एक गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में काम किया और कंपनी के डे-टू-डे मैनेजमेंट में कभी शामिल नहीं हुए। ईडी ने समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए अनिल अंबानी को 14 नवंबर शुक्रवार को फिर से तलब किया था। अगस्त में ईडी मुख्यालय में कथित 17,000 करोड़ रुपए के ऋण धोखाधड़ी मामले में उनसे लगभग नौ घंटे तक कड़ी पूछताछ हुई थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हुई है जब ईडी ने नवी मुंबई स्थित धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी में 4,462.81 करोड़ रुपए मूल्य की 132 एकड़ से अधिक जमीन को धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया था। ईडी ने इससे पहले रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के बैंक धोखाधड़ी मामलों में 3,083 करोड़ रुपए से ज्यादा मूल्य की 42 संपत्तियां जब्त की थीं। बयान में कहा गया है कि इन मामलों में कुल जब्ती 7,545 करोड़ रुपए से अधिक की है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपको बेवजह क्रोध करने से बचना होगा। आपको अपने बॉस से तारीफ सुनने को मिलेगी। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी और आप अपनी आय और व्यय में तालमेल बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आप जीवनसाथी के साथ कुछ समय बिताएंगे, जिससे आपको संतान के मन में चल रही उलझनों को भी जानने का मौका मिलेगा। आपको आज कोई बात सोच समझ कर बोलनी होगी, नहीं तो यह आपके रिश्तों में दरार खड़ी करेगी।

वृषभ- आज का दिन राजनीति की ओर काम कर रहे लोगों को थोड़ी सावधानी बरतने के लिए रहेगा। आपको बेवजह की थकान रहेगी, लेकिन आप अपने कामों को समय से निपटाएंगे। आप अपनी सेहत को लेकर किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श ले, क्योंकि आपकी कोई समस्या बढ़ेगी, जो आपकी मुश्किलों को बढ़ाएगी। आपको किसी के बहकावे में कोई इंवेस्टमेंट करने से बचना होगा और खान-पान में लापरवाही आपकी किसी बीमारी को बढ़ा सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरपूर रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी, क्योंकि आपका डूबा हुआ धन आपको मिलेगा और किसी पैतृक संपत्ति को लेकर यदि कोई मुकदमा चल रहा था, तो वह भी दूर होगा। किसी परिजन के लिए कुछ रुपयों का इंतजाम भी कर सकते हैं। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। यदि कहीं घूमने फिरने जाएं, तो उसमें अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। धन संबंधित मामलों में आपको सावधानी बरतनी होगी। आपकी किसी बात को लेकर पिताजी आपसे नाराज हो सकते हैं। आपके बॉस का आपको पूरा सहयोग मिलेगा और आप परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएंगे, जिससे रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी। आप बिजनेस की योजनाओं में कोई बदलाव करेंगे, जिसके लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मश्वरा अवश्य करें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप आज खाली बैठकर समय व्यतीत करने से बचें, जो लोग विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, उन्हें कोई स्कॉलरशिप पार्टी मिल सकती है। आप अपने जीवनसाथी के लिए कोई सरप्राइज प्लान कर सकते हैं और अपने रुके हुए धन को निकालने की कोशिश से बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे। आपकी कोई बात बनते बनते बिगड़ सकती है और किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। व्यापार में कुछ उतार-चढ़ाव तो आएंगे, लेकिन फिर भी आपकी हिम्मत अधिक रहेगी। आपके अंदर ऊर्जा रहने से आप काफी खुश रहेंगे। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। आप अपने मनमौजी स्वभाव में कोई बदलाव करने की सोचेंगे। आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे और संतान के मनमाने व्यवहार के कारण भी आप परेशान रहेंगे। आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचे। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीद की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा भी आज पूरी हो सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको काम को लेकर कुछ नए अवसर मिलेंगे। आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी भी करेंगे। धार्मिक कामों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, लेकिन परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से आपका मन परेशान रहेगा। आप अपने धन और समय दोनों का सदुपयोग करें, नहीं तो बाद में आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु- आज का दिन वैवाहिक जीवन जी रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। जीवन साथी को करियर में तरक्की मिलेगी और आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर चलना होगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आपके पिताजी आपके कामों से काफी खुश होंगे। आपको कोई उपलब्धि मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। विद्यार्थियों की कोई नया कोर्स करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। भाई व बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आर्थिक मामलों में आपको थोड़ा सावधानी बरतनी होगी। आप अपने आलस्य को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना करें। नौकरी में बदलाव को लेकर आप कोई योजना बना सकते हैं। आपके किसी फैसले को लेकर परिवार के सदस्य नाराज रहेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए इनकम के मामले में अच्छा रहने वाला है। दोस्तों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप अपनी वाणी से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। आप किसी नए काम की शुरुआत थोड़ा सोच समझकर करें। जो विद्यार्थी पढ़ाई लिखाई को लेकर परेशान थे, तो वह अपने गुरुजनों से बातचीत करके उस समस्या का समाधान निकाल सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आज आपको किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपको अपनी चिंताओं को लेकर अपने जीवनसाथी से बातचीत करनी होगी। आप अपने माताजी से किए हुए वादे को पूरा करेंगे।

शब्दजाल - 8080

शब्द जाल में 10 अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	न्नी
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

शाहरुख खान, सलमान, ऋतिक, विवेक ओबेरॉय, सन्नी देओल, जॉन अब्राहम, अजय देवगन, अमिताभ, संजय दत्त, जैकीश्रॉफ .

शब्दजाल - 8079 का हल

त	स	ही	त्म	ली	अ	ल	बे	ला	प	दे
क	अ	अ	रो	त	अ	ला	र	न	र	जू
आ	स	शौ	क	ही	न	भि	द	गू	जू	वत
गे	अ	की	आ	र	रा	गु	अं	प	दे	ल
की	अ	न	त	अ	ला	ला	न	श	मा	क
सो	चा	ल	बा	ज	न	द	ल	ल	व	त
च	अ	सौ	र	जा	ला	गु	गो	प	दे	आ
ह	पु	मो	व	दो	वा	द	ह	झू	वी	ग
क	ष्प	ह	व	प	जा	द	व	प	र	र
र	क	ब्ब	फा	प	स	सू	ह	वि	बा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	स	गा	ह	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.23 ब.से
चंद्र	कन्या में	धनु	08.39 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.45 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.31 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.04 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.34 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.15 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.13 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.26 बजे से
राहुकाल		सिंह	23.42 बजे से
9.00 से 10.30		कन्या	01.54 बजे से
बजे तक		तुला	04.05 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 319 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 02.38 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 23.35 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 06.26 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.41 बजे तदनन्तर बालव 02.38 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 18° 29' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872529 **जूलियन दिन** 2460994.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 23 **विशेष** उत्पन्ना एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7024

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7023

शि	ल्पा	■	अ	स	रा	नी	■	स	■
का	■	क	म	ल	■	य	ल	गा	र
री	ना	■	री	मा	■	त	■	ई	■
■	रा	जे	श	■	प	■	स	■	ब
का	ज	ल	■	दा	ग	द	फ	य	र
ला	■	र	ख	वा	ला	■	री	■	सा
पा	पी	■	ल	■	क	र्ण	■	घा	त
नी	■	हि	ना	■	हीं	■	ज	य	■
■	जं	■	य	■	का	का	■	ल	व
कि	ग	अं	क	ल	■	श	क्ति	■	ध

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अद्भुत मांग

प्रख्यात संत बाबा गुलाब चंद अघोरी अपने अद्भुत चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध थे। उनके चमत्कार देखकर लोग दांतों तले अंगुली दबा लेते थे। लोगों को लगातार चमत्कार दिखाते-दिखाते बाबा ने उनमें महारत हासिल कर ली। इससे उनमें अभिमान आ गया। उन्हें अहसास हो गया कि वह कुछ भी कर सकते हैं। वह जिन लोगों से मिलते, अपने चमत्कारों या अपनी सिद्धियों की चर्चा जरूर करते। एक दिन बाबा गुलाब चंद संत साहित्य के लेखक सुदर्शन सिंह 'चक्र' की एक कविता पढ़कर गदगद हो उठे। चक्र जी की कविता से बेहद प्रभावित होकर उन्होंने उनसे कहा, 'आज तुम जो मांगोगे वही मिलेगा। मांगो, दिल खोलकर मांगो।' बाबा की बात पर चक्र जी बोले, 'नहीं बाबा, मुझे कुछ नहीं चाहिए। बस मैं भगवान की भक्ति तथा साहित्य की साधना करता रहूं, यही मेरी आकांक्षा है।' चक्र जी के यह कहने पर भी बाबा बार-बार उनसे आग्रह करते रहे और बोले, 'आज मैं अपनी ओर से पहली बार आग्रह कर रहा हूं। नहीं मांगोगे तो बाद में पछताओगे।' यह सुनकर चक्र जी ने कहा, 'बाबा मैं जो मांगूंगा, उसे आप दे भी पाओगे या नहीं, पहले यह विचार कर लीजिए।' इस पर बाबा बोले, 'नहीं, तुम जो मांगोगे वह अवश्य मिलेगा, मैं तुमसे वादा करता हूं।' इसके बाद चक्र जी बोले, 'बाबा, तो आप यह आशीर्वाद दीजिए कि भारत में जितने रोगी हैं वे सब निरोगी हो जाएं, जो दरिद्र हैं वे दरिद्र न रहें।' चक्र जी की अद्भुत मांग सुनकर बाबा हैरान हो गए और फूट-फूट कर रोने लगे। वह चक्र जी के सामने नतमस्तक होकर बोले, 'आज तुमने मेरा अभिमान नष्ट कर दिया। आज मुझे यह पता चल गया है कि मनुष्य सभी कुछ करने की क्षमता नहीं प्राप्त कर सकता। चाहे वह कितनी ही सिद्धियां प्राप्त कर ले, वह अक्षम ही रहेगा। सर्व सक्षम तो केवल ईश्वर है।' बाबा की बात सुनकर चक्र जी वहां से चले गए।

सूडोकु नवताल- 7333

★★★☆☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7332 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 8548

बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्ट, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान, रुस का राजा-2

शब्द पहेली -8547 का हल

म	न	■	श	री	र	■	ज	ला
त	■	ह	र	म	■	न	हा	ना
■	आ	रा	म	■	रा	ज	न	■
क	स	म	■	ल	ह	र	■	त
र	न	■	ग	ल	त	■	भ	ला
म	■	स	ब	क	■	का	र	क
■	आ	ब	रू	■	ह	र	ना	■
म	ह	ल	■	का	र	ण	■	त
न	ट	■	क	ल	म	■	शा	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सेंट्रल इंडिया एकेडमी हायर सेकेण्डरी स्कूल, लांजी में मनाया गया बाल दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी।

सेन्ट्रल इंडिया एकेडमी हायर सेकेण्डरी स्कूल लांजी में 14 नवम्बर को बाल दिवस विद्यालय परिसर में बडे ही हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य हेमंत बनकर ने सर्वप्रथम दीप प्रज्वलीत कर सरस्वती पूजन किया तथा पं. जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिवस पर प्रकाश डाला। समिति कि सचिव श्रीमती मीरा बनकर द्वारा नेहरू जी के बाल प्रेम के बारें में छात्रों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष श्रीमती विभा अनिल तिवारी द्वारा नेहरू जी के देश को दिये गये योगदान के विषय में बच्चों को अवगत कराया गया। इसी कड़ी में विद्यालय में कक्षा नर्सरी से 12वी तक के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता जैसे - रंगोली, स्लो साईकिल रेस , मेहंदी , ड्राइंग ,पुष्पसज्जा , शुद्व-लेखन, निबंध प्रतियोगिता ,क्युब ,चेयर रेस , जलेबी रेस ,रस्सी कूद , आलू चम्मच दौड़ , बेली बाल , फेन्सी डेऊस ,चेस ,कैरम,,प्रश्न मंच, पाक कलां जैसे विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर बाल -दिवस के कार्यक्रम को हर्षोल्लास पूर्वक मनाते हुए पं. जवाहर लाल नेहरू जी को याद किया गया ।

रंगोली प्रतियोगिता - में प्राइमरी विभाग मे प्रथम स्थान तेजल , द्वितीय स्थान - सृस्टि , आन्वी, तृतीय स्थान - श्रेयांसी व धारिनी तिडके , मिडिल में प्रथम - मिताली मस्कोसरे , द्वितीय - निति मानकर , तृतीय- सुरभी वानखेडे तथा हायर सेकेण्डरी में - प्रथम - आकांक्षा, प्रिया व सानिया ने प्राप्त किया ।

फ्लावर डेकोरेशन प्रतियोगिता में कक्षा 3रीसे 5वी में प्रथम स्थान - आकाशी म्हात्रे ,राशिका हानोते, यामी यूके, ग्रेसी चोरवाड़ , द्वितीय स्थान - अवनी चौहान व तन्वी बड़मे , तृतीय स्थान - आरजू व ग्रुप स इसी प्रकार 6वी से 8वी में प्रथम स्थान - आस्था , अफसा, अनुष्का, भावी , द्वितीय स्थान- नव्या व तृप्ति बड़घाइया, तृतीय स्थान - खुशंशी रावत व लाची गौतम , 9वी से 12वी में प्रथम स्थान - आर्य उमरे, आस्था सहारे, धारणा, द्वितीय स्थान - प्रतिमा कलपूरे, स्वाती खेरे, कशिश चोरवाड़े बलून प्रतियोगिता में प्रथम - प्रिंसि कलपूरे ,द्वितीय स्थान - जिज्ञासा मलगाम । मेहंदी प्रतियोगिता मिडिल सेक्सन में प्रथम स्थान- हितैसी गजबे , द्वितिय - तनिस्का रोकड़े , तृतीय स्थान-माही गोस्वामी तथा हायर सेकेण्डरी मे प्रथम स्थान-शमामा शेख ।

कैरम में प्रथम स्थान - शौर्य कर्राहे व शिवम समरिते, आदित्य हिवासे , द्वितीय स्थान - जन्मेय शर्मा व पुष्पेंद्र नेवारे , शिवम रामटेककर तथा तृतीय स्थान - ऋषभ दुरुगकर, शतरंज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ड्रुद्रोण कावडे ,द्वितिय स्थान - राघव बनकर , तृतीय स्थान -सिवांक नेवारे। बेली बॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - दीक्षा इंद्रावती, द्वितीय स्थान- सनाया कुसले , तृतीय स्थान -श्रेया पिपरे ।

क्ले आर्ट प्रतियोगता में प्रथम स्थान - आराध्या पंधरे , द्वितीय स्थान सर्वज्ञ पांडे, तृतीय स्थान -- हर्षिता तुरकर, आफियाकुरैशी

ड्राइंगप्रतियोगिता में प्रथम स्थान-हिमानी कटरे ,द्वितीय स्थान- अनाया पांचे, तृतीय स्थान- हितांशी गोधुले ।

क्यूब प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - मोहित वानखेड़े, द्वितीय स्थान - दुस्यंत गुरदे तथा तृतीय स्थान - प्रवेद मचगाहे।

बेली बॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - समर ठाकरे , द्वितीय स्थान- आध्या पिपरे , तृतीय स्थान -हर्स तराम व पुन्वी लिल्हारे ने प्राप्त किया।

चेयर रेस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - आरोही पसीने तथा रागिनी दौने , मोबीन खान , द्वितीय स्थान रागिनी बडघैया तथा देवकी बागडे,अफजान शेख , तृतीय स्थान यामिन खान तथा जान्हवी नेवारे ,हितांश हरदेने प्राप्त किया ।

वॉल पेन्टिंग में कक्षा 9 से 12 में प्रथम स्थान - ईशा आसटकर, सुमायरा खान ने प्राप्त किया ।

स्लो साईकिल रेस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान -सोहेल सातपुते, भव्य किरमें, हंसराज दियेवार द्वितीय स्थान -अंगद वाकले, कनिस्क लटारे , रेयांस आगासे तृतीय स्थान -भाविक यादव, टिजय आसटकर, नयन पसीने तथा भावी बारसागडे ने प्राप्त किया ।बॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - तन्मय बडमे , आराध्या बिसेन, अनन्या मेहरबान , द्वितीय स्थान - मानसी पालेवार , गौरी वाघारे तथा तृतीय स्थान - ओमप्रकास , जयस , दिक्षा , रूची , पिहल ने प्राप्त किया । फैंसी डेऊस प्रतियोगिता में प्रथम डिम्पल चौधरी तथा मोक्षिता बोपले , द्वितीय स्थान देवांसी वानखेडे तथा गोविंद कुमावत , तृतीय स्थान -लाव्या देवगडे तथा आध्या दुरूगकर व आहाना रामटेक्कर ने प्राप्त किया ।

इसी प्रकार प्री प्राइमरी से - प्रथम आरुषि पशीने, द्वितीय स्थान युक्ति बड़मे, तृतीय स्थान - अर्जुन नेवारे

जलेबी प्रतियोगिता में प्रथम हर्ष ताराम ,नुआंस रामटेकर, द्वितिय मोहित सोलंकी, वेद कुंघडकर , और तृतीय स्थान लिहान आचरे ।

स्टॉल प्रतियोगिता -प्रथम स्थान तन्मय एंड ग्रुप , द्वितीय स्थान तिजय एंड ग्रुप , तृतीय स्थान -भव्य, लोकेस एवं नैतिक का रहा। पोटेटो-स्पून रेस में प्रथम स्थान - काव्यांजली घरते व प्रार्थना बोरकर, द्वितीय स्थान - राशि भार्गव व काम्या सिरामे , तृतीय स्थान -मान्यता कौसिक व श्रावनी नरताम ने प्राप्त किया ।

शेक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- तन्मय बडमे , द्वितीय स्थान - होमेस कटरे ने प्राप्त किया ।

विद्यालय में प्रतियोगितएं संपन्न कराने में सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में धूमधाम से मनाया बाल दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में पूरे देश में उत्साह के साथ मनाया गया। लांजी स्थित निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी में भी इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें संस्थान के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर दिन को यादगार बनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। संस्थान के डायरेक्टर प्रणय कुमार ने रिबन काटकर बाल मेले का उद्घाटन किया। बच्चों ने विभिन्न स्टॉल लगाए, जहां स्वादिष्ट व्यंजनों की बिक्री हुई। इसके अलावा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम, जादू का शो, नाटक, खेल प्रतियोगिताएं, ड्राइंग और निबंध लेखन जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

कार्यक्रम में विकास घरते, आयुष रामटेककर, विकास बारसागढ़े, प्रणय श्रीरंग, रिंकू कलपुरे, रेशमा ढोक, संध्या कचलाहे, रोशनी बसोने और विधा पारधी व अन्य छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

डायरेक्टर प्रणय कुमार ने कहा, बच्चे ही वह मिट्टी हैं जिससे भविष्य की इमारत बनती है। उन्हें केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि स्वतंत्र सोचने, सपने देखने की आजादी और प्रतिभा निखारने के अवसर मिलने चाहिए। यह किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आधार है।

यह आयोजन सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि समाज को बच्चों के महत्व की याद दिलाने का माध्यम बना। बच्चों की मुस्कान, मासूमियत और सपने ही भारत की असली ताकत हैं। बाल दिवस हमें सिखाता है कि बच्चों को सुरक्षा के साथ-साथ सम्मान और अवसर भी प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। उनकी हंसी देश की सबसे बड़ी पूंजी है, जिसे सहेजना सभी की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर डायरेक्टर प्रणय कुमार के अलावा भानु प्रताप प्रजापति, दीक्षा मैडम, प्रतिभा मैडम, समीर सर, सागर सर, देवेंद्र सर, आकाश सर, शिवम सर, कैलाश ब्रम्हपुरे सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में बाल दिवस पर बाल मेला व सप्त शक्ति का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के विद्या भारती सरस्वती उच्च माध्य विद्या लांजी में 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर बाल मेला एवं बहनों के लिए सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती जानकी ब?घैया, अध्यक्ष श्रीमती सुशीला दुग्गड़, श्रीमती दुर्गा रामटेक्कर कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति सह सचिव, मुख्य वक्ता श्रीमती भूमेश्वरी टेंभरे आचार्या स शि म लांजी एवं श्रीमती नीलम भर्रे अध्यक्ष राष्ट्र सेविका समिति की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंचासिन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती मां भारती के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया, सामूहिक वाणी वंदना अतिथि का तिलक वंदन कर कु. लवली वानखेड़े एव सहेली द्वारा स्वागत गीत प्रसूत किया गया। मुख्य वक्ता श्रीमती भूमेश्वरी टेंभरे आचार्या ने कहा कि मातृ शक्तियो में सप्त गुण समाहित होते हैं।नारी अपने परिवार की यश एवं कीर्ति को बढ़ाते हुए राष्ट्र निर्माण में भी नारी का अतुलनीय योगदान रह सकता है। हर क्षेत्र में नारी पुरूषों से कम नहीं हैं, भारतीय नारियों में भारतीय दर्शन एव संस्कृति की छाप हमेशा ही झलकनी चाहिए।अपने घरों में प्रतिदिन प्रार्थना, आरती होना चाहिए। अपने परिवार को मितव्ययिता एवं सूझ बूझ से चलने की आवश्यकता है। अपने बेटे एवं बेटियों को मोबाइल से दूर रखे, उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें। आसपास के पर्यावरण को साफ सुथरा रखे एवं पास पड़ोस के लोगों को जागरूक करे अंग्रेजी दवाइयों का प्रयोग कम कर घरेलू औषधियों का प्रयोग अधिक करे। इसी कड़ी में कार्यक्रम के वक्ता नीलम भर्रे ने कहा कि हमारे देश की कई महान नारियों ने राष्ट्रीयता और देश भक्ति का परिचय कराया हैं, अपने असीम साहस शौर्य के बल पर दुश्मनों के छक्के छुड़ाए हैं अपने परिवार ,समाज और राज्य की रक्षा किए हैं। महिलाओं का संगठन तैयार कर उन्हें प्रशिक्षित किया हैं। आप मातृ शक्तियां भी अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए राष्ट्रीयता के प्रति जागरूक करे। उन्हें आत्मनिर्भर बनाए राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग करे। पर्यावरण के प्रति जागरूक रहे आसपास का वातावरण साफ रखे। स्वदेशी वस्तु का प्रयोग करे। श्रीमती दुर्गा रामटेक्कर एवं सुशीला दुग्गड ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मातृ शक्तियों से छोटे छोटे प्रश्न पूछे गए जिन्हें बड़े उत्साह के साथ प्रश्नों के उत्तर दिए। छात्रा द्वारा प्रेरणादाई महिला की वेश भूषा धारण कर महान नारी शक्ति के विषय में जानकारी प्रदान की। श्रीमती आरती श्रीवास ने कार्यक्रम में उपस्थित मातृ शक्तियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने अपना अमूल्य समय प्रदान कर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाए हम आपके सदैव आभारी रहेंगे। कार्यक्रम का मंच संचालन आचार्या श्रीमती रीना सिसोदिया ने किया। बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय के भैया बहनों द्वारा बाल मेला लगाया गया तथा विभिन्न प्रकार की दुकानें लगाई गई जो आकर्षक का केंद्र रही। कोषाध्यक्ष छबीलाल मरठे, प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी, प्रभारी प्रधानाचार्य सदरूलाल बोहने जी द्वारा दुकानों का अवलोकन किया गया एवं भैया बहनों को व्यापार सम्बन्धी मार्गदर्शन दिया गया। बाल मेले में लगभग 25 दुकानें लगाई गई थीं। सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम में लगभग 133 मातृ शक्ति ने विद्यालय में उपस्थित प्रदान की जिसमें विद्यालय के भैया बहिन और आचार्य परिवार का भरपूर सहयोग रहा।

पाली एकेडमिक महाविद्यालय बिसोनी में हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया पं.जवाहरलाल नेहरू व बिरसा मुण्डा की जयंती

पद्मेश न्यूज। लांजी। पाली एकेडमिक महाविद्यालय, बिसोनी में 14 नवंबर को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर महाविद्यालय में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कर हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया, साथ ही भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जिसे जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था प्रमुख श्रीमति वंदना वैद्य, प्राचार्य बी.जे. लिल्हारे द्वारा माँ सरस्वती, पं.जवाहरलाल नेहरू व आबा पुत्र स्वतंत्रता संग्राम के महान जन नायक बिरसा मुंडा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर माल्यार्पण किया। निधि पटले एण्ड ग्रुप द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया।

प्राचार्य बी. ने. लिल्हारे ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत भगवान बिरसा मुण्डा जयंती पर कहा कि यह दिन 卐 धरती आबा卐 के रूप में पुजे जाने वाले बिरसा मुण्डा के जीवन और उनके उलगुलान (विद्रोह) को याद करने का दिन है, जिन्होने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ जनजातीय अधिकारी और स्वाभिमान के लिए संघर्ष किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय में विविध खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिनमें इनडोर गेम में कैरम, शतरंज, टेबल टेनिस, आउटडोर गेम्स में व्हालीवाल, कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गई।

साथ ही जनजातीय संस्कृति, कला और विरासत को बढ़ावा देने के लिए जनजातीय कला प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठी

का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ना और उनके योगदान को सम्मानीत करना है।

महाविद्यालय की संस्थापिका श्रीमती वंदना वैद्य ने कहां कि भगवान बिरसा मुण्डा का जीवन हम सभी के लिए एक प्रेरक स्त्रोत है। उनका संघर्ष हमें न्याय व समानता पर आधारित समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। हम उनके आदर्शों पर चलकर जनजातीय समुदाय के सम्मान और विकास के लिए प्रतिबध्द है।

इस दौरान बी.एस.सी.बी.एड. प्रथम वर्ष से विशाल वरकड़े, स्नेहल भिमटे, ने भाषण बी.एस.सी.बी.एड. तृतीय सेमेस्टर से सुप्रिया सोनगड़े, निधि पटले, पलक मसराम, माही चौधरी द्वारा समा बाधा गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राचार्य बी. जे. लिल्हारे एवं प्राध्यापकगण सी. एस. मेश्राम, रामस्वरूप नगपूरे, बी. सी. पटले, उमेन्द्र नागभिड़े, खेमेन्द्र उमरे, अजित बोरकर, गौरव भंडारकर, योगेश नंदनवार, राजेश गजभिये, संतोष बोरकर, संजय मेश्राम, श्रीमति के. के. बड़गैया एवं समस्त महाविद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

संदीपनी शासकीय विद्यालय बोलेगांव में उत्साह के साथ मनाया गया बाल दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। संदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगाँव (लांजी) बालाघाट में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी जंयती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर बाल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे एवं उपस्थित गणमान्य अथितियों द्वारा माँ सरस्वती, पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर माल्यार्पण किया गया।

इस अवसर पर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । जिसमे फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगिता में रस्सा कस्सी, जलेबी दौड़, आलू चम्मच दौड़, माचिस की एक तीली से अधिकतम मोमबत्ती जलाना, बोरा दौड़, शतरंज प्रतियोगिता , कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे विद्यालयीन छात्र छात्राओं ने बढ़ चढकर भाग लिया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के अंत संस्था के प्राचार्य बी आर गुरदे के द्वारा छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर एक बच्चे में प्रतिभा होती हैं,बस उन्हें उसे प्रदर्शित करने का अवसर मिलना चाहिए और सांदीपनि विद्यालय बच्चों को ये अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी फैशन प्रतियोगिता का संचालन शिक्षक रविप्रकाश, खेल प्रतियोगिता का शिक्षक गोपाल किशोर तुरकर, शरद कुमार रणदिवे तथा संपूर्ण कार्यक्रम में मंच संचालन वरिष्ठ शिक्षक सरोज कुमार पटले के द्वारा किया गया । कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम के गणमान्य अतिथियों एवं छात्र छात्राओं का आभार प्रदर्शन संस्था के उप प्राचार्य प्रवीणचंद साहू द्वारा किया गया ।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में मनाया गया बाल दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखण्ड लांजी अन्तर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला में 14 नवंबर को बाल दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के प्राचार्य गणेश फरदे तथा सभी शिक्षकों द्वारा मां सरस्वती एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया । तत्पश्चात कक्षा 12 वीं की छात्राओं द्वारा मां सरस्वती जी की वंदना प्रस्तुत की गई। प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों ने पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के जीवन पर प्रकाश डाला। उद्बबोधन के रूप में संस्था के शिक्षक शोभेलाल बनोठे, श्री डालीराम उपराड़े, एवं अन्य शिक्षकों ने अपने विचार रखे।अंत में प्राचार्य गणेश फरदे द्वारा श्री नेहरू जी के जीवन पर सारगर्भित जानकारी दी एवं अवगत कराया कि नेहरू जी को बच्चों से बहुत प्यार था इसलिए बच्चे उन्हें चाचा नेहरू नाम से पुकारते हैं। अंत में शिक्षक सुखदेव रहांगडाले ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त शिक्षकों एवं छात्रों का आभार व्यक्त किया।मंच संचालन डालीराम उपराड़े द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं अतिथि शिक्षकों एवं व्यावसायिक प्रशिक्षिकों की उपस्थिति रही।

मंडी उड़नदस्ता दल ने बनाये लांजी में अवैध परिवहन प्रकरण

05 प्रकरणों में वसूला 93 हजार 212 रुपये की जुर्माना राशि

पद्मेश न्यूज (बालाघाट)। शाहिद खान, संयुक्त संचालक, मंडी बोर्ड जबलपुर तथा गोपाल सोनी, भारसाधक अधिकारी बालाघाट एवं कमलसिंह सिंहसार, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) लांजी के मार्गदर्शन में मंडी समिति बालाघाट की उपमंडी लांजी के उनदस्ता दल ने बड़ी कार्यवाही करते हुए, दिनांक 12 नवंबर 2025 की रात में क्षेत्र निरीक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ सीमा पर रिसेवाड़ा में ट्रक क्रमांक MP22ZC4372 में कृषि उपज धान का बिना मंडी शुल्क भुगतान किये बगैर ई-अनुज्ञा पत्र के परिवहन करते पाये जाने पर अवैध परिवहन प्रकरण बनाकर 35758 रुपये दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया गया। उक्त वाहन में 292.94 क्विंटल धान लोड था, जिसका लालबर्रा से रायपुर (छग) के लिए अवैध परिवहन किया जा रहा था।

इस दौरान दिनांक 08 नवंबर 2025 को उपमंडी लांजी क्षेत्र में उनदस्ता दल

ने महाराष्ट्र सीमा पर डुडवा घाट के पास वाहन क्रमांक स्न्र01422 में हिमांशु ट्रेडर्स द्वारा कांद्रीखुर्द से गिरोला (महाराष्ट्र) के लिए 25 क्विंटल धान के अवैध परिवहन पर दांडिक मंडी शुल्क 5553 रुपये और वाहन क्रमांक स्न्र43क्षक्ष6226 में ग्राम- टुलुआ से गिरोला (महाराष्ट्र) के लिए 24 क्विंटल धान के अवैध परिवहन पर दांडिक मंडी शुल्क 5412 रुपये वसूल किया। इसी क्रम में दिनांक 11 नवंबर 2025 को वाहन क्रमांक स्न्र50क्र8830 में ग्राम- कांदी के कृषकों से 22 क्विंटल धान क्रय कर घाटटेमनी (महाराष्ट्र) के लिए अवैध परिवहन पर दांडिक मंडी शुल्क 5127 रुपये वसूल किया। वहीं दिनांक 09 नवंबर 2025 को बालाघाट में मक्के का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर एक ट्रक का प्रकरण तैयार 41362 रुपये का जुर्माना वसूला गया था। बालाघाट मंडी के उड़नदस्ता दल ने इस एक हफ्ते के दौरान बड़ी कार्यवाही करते हुए म.प्र. मंडी अधिनियम 1972 के उल्लंघन करते पाये जाने पर कृषि उपजों के 5 वाहनों में अवैध परिवहन प्रकरणों पर कुल राशि 93 हजार 212 रुपये दांडिक मंडी शुल्क वसूल कर सरकारी खजाने में जमा किया गया। यह कार्यवाही मंडी सचिव मनीष मड़ावी के नेतृत्व में लांजी उड़नदस्ता दल सदस्य स.उ.नि. वासुदेव बढ़ई, स.उ.नि. नेलचंद बारबुदे, स.उ.नि. विनोद बंसोड़ और बालाघाट उड़नदस्ता दल सदस्य स.उ.नि. भीमेन्द्र चौधरी, स.उ.नि. मनोज पटले, स.उ.नि. पवन इनवाती द्वारा की गई।

बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में

सीएचएमओ डॉ. उपलप को किया जायेगा सम्मानित

पद्मेश न्यूज (बालाघाट)। भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयंती के समापन वर्ष पर दिनांक 15 नवम्बर 2025 को राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले एवं विकासखण्डों को पुरस्कृत किया जा रहा है। इसमें प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बालाघाट, बैतूल एवं छिंदवाड़ा के जिला अधिकारी एवं विकासखंड स्तर पर सिवनी जिले के लखनादौन व बुरहानपुर जिले के खकनार विकासखंड के अधिकारियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जायेगा।

15 नवंबर को राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 125 दिवसीय सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग एवं जागरूकता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 03 जिलों एवं 02 जनजातीय बाहुल्य विकासखण्डों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाना है। इसमें बालाघाट के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप एवं नोडल अधिकारी डॉ. राजाराम चक्रवर्ती को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जायेगा। यह बालाघाट जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि और गर्व की बात है। संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा प्रदेश के 03 जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी/नोडल अधिकारी तथा 02 विकासखण्डों के ब्लॉक मेडिकल आफिसर/नोडल अधिकारियों का चयन कर पुरस्कृत किए जाने हेतु प्रस्ताव प्रेषित किए गए हैं।

सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का हुआ शुभारंभ

14 से 20 नवंबर तक होगा सिद्ध चक्र महामंडल विधान

पद्मेश न्यूज (लामता)। नगर के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के सामने सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आज कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ, लामता के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के सामने विधानाचार्य ब्रा.अंकित भैया जी (भिलाई) के सानिध्य में सात दिवसीय श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन 14 नवम्बर से 20 नवंबर तक होने जा रहा है, इस भव्य आयोजन में जिला के सभी साधर्मी बंधु श्री सिद्ध परमेश्वियों की पूजन भक्ति आराधना करते हुए अक्षत चोर में श्री फल समर्पित करेंगे, पुण्यार्जक परिवार सिंघई राकेश कुमार शुभम कुमार जैन एवं समस्त सिंघई परिवार के सौजन्य से होने जा रहा है।

अनुष्ठान में सात दिन होंगे विविध आयोजन

सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ शुक्रवार 14 नवंबर को घट यात्रा ,मंगलाचरण एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ, प्रातः कालीन बेला में देव आज्ञा,गुरु आज्ञा, आचार्य

निमंत्रण ,तीर्थ मंडल पूजन, घट यात्रा ,यज्ञ स्थल शुद्ध, सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा ,मंडप प्रतिष्ठा, अभिषेक,शांतिधारा, नित्यमह पूजन, आदि के पश्चात श्री सिद्ध चक्र मंडल महा विधान प्रारंभ होगा, निरंतर सात दिनों तक सिद्धु की आराधना करते हुए श्री फल अर्पित किए जाएंगे, संध्या काल में महा आरती, गुरु भक्ति ,शास्त्र सभा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा

भव्य रथ यात्रा के साथ 20 को होगा समापन

इस भव्य आयोजन के लिए एक विशाल भव्य मंडप तैयार किया गया है जिसमें विशेष सामग्री से सिद्ध चक्र विधान का अति सुंदर माढ़ना बनाया गया है,उक्त मढ़ने पर प्रतिदिन बढ़ते क्रम में श्रीफल अर्पित किए जाएंगे, मंडप में महायज्ञ नायक प्रदीप ज्योति जैन, सोधर्म इंद्र इंद्राणी राकेश आरती जैन, कुबेर इंद्र इंद्राणी शुभम प्रियल जैन, ईशान इंद्र इंद्राणी प्रतीक शुभी जैन, यज्ञ नायक जयकुमार एकता जैन ,चांदी के हार,मुकुट, मणि माला से सुसज्जित एवं विशेष परिधान में विराजमान रहेंगे , अनुष्ठान के अंतिम दिन 20 नवंबर को दोपहर

50 दिनो से लापता बेटे के पिता पश्चिम बंगाल तक ढूंढ आये

आरोप:किशोर को प्रेम जाल में फंसाकर भगा ले गई युवती

पद्मेश न्यूज (कटंगी)। आमतौर पर किसी युवक पर युवती, किशोरी बालिका को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगता है। लेकिन बालाघाट जिले के कटंगी थाना से एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां पर एक युवती पर एक धर्म विशेष के किशोर को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने का आरोप लगा है। किशोर के माता-पिता ने बकायदा थाने में अपने बेटे के गुम होने की शिकायत दर्ज करवाई है और युवती पर उसे भगाकर ले जाने का आरोप लगाया है। इस घटना के संज्ञान में आते ही पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। जिसके चलते बीते दिनों कटंगी पुलिस पश्चिम बंगाल तक जा पहुंची बावजूद इसके दोनों का अब तक कहीं कोई पता नहीं चल पाया है। पूरा मामला कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 07 के एक धर्म विशेष के परिवार के युवक और अंसेरा गांव के एक परिवार की युवती से जुड़ा हुआ है। युवक का परिवार इस बात से डरा हुआ है कहीं उनके बेटे के साथ अनहोनी तो नहीं हो गई।

कक्षा 12 वीं का छात्र युवक 25 सितंबर 2025 से लापता है और उसी दिन से अंसेरा की वह युवती भी लापता है जिस पर युवक को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने का आरोप है। युवक के माता-पिता बताते है कि करीब एक साल पहले उन्हें दोनों के प्रेम प्रसंग के बारे में पता चला। जिसके बाद उन्होंने ही युवती के परिजनों को जानकारी दी और एक बैठक कर दोनों को समझाईश दी गई कि वह दोनों एक दूसरे से दूर रहे। इस बैठक के बाद युवक से उसका फोन भी छीन लिया गया। युवक के माता-पिता बताते है कि बैठक के करीब 06 माह बाद युवती ने युवक के एक

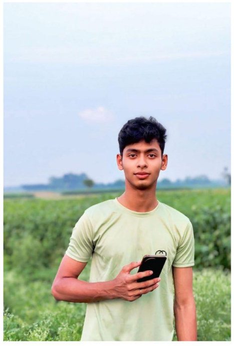

दोस्त से सोशल मीडिया साइट के मैसेंजर के जरिए संपर्क किया और फिर युवक से मिलने के लिए बुलाया और उसी दिन से दोनों लापता है। युवक की मां और पिता बताते है कि उन्होंने बेटे के गुम होने की शिकायत पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी की और उसे सकुशल खोज करने की मांग रखी। पुलिस तलाश कर रही है। सोशल मीडिया के जरिए भी जगह-जगह युवक के बारे में पता करने की कोशिश हो रही है परंतु हर कोशिश नाकाम हो चुकी है जिस कारण किसी अनहोनी का डर सता रहा है। उक्त परिवार का कहना है कि युवती के मामा ने बेटे को धमकी दी थी।

बता दें कि युवक के पिता मूलतः पश्चिम बंगाल के निवासी है करीब 15 वर्षो से वह कटंगी शहर में आकर निवास कर रहे है और अब यहाँ के मतदाता भी बन चुके है। पिता ने बताया कि बेटे की तलाश करते हुए वह भी अपने पैतृक गांव पहुंचे किंतु वहां भी कुछ पता नहीं चला। उन्होंने बताया कि जिस युवती ने उनके बेटे को गुमराह कर अपने साथ भगाया है उस युवती के बैंक खाते से पश्चिम बंगाल में पैसा निकाला गया यह जानकारी पुलिस ने उन्हें बताई थी। पुलिस जब इस आधार पर उनकी तलाश करने पहुंची तो वहां कोई नहीं मिला। इसलिए वह भी अपने बेटे की तलाश करते हुए गांव गए थे। गौरतलब हो कि पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों से पूछताछ भी की. मगर, जिन लोगों से पूछताछ की गई उनसे भी कोई सुराग नहीं मिला। खैर, 50 दिनों से दोनों लापता हैं और कहीं कोई पता नहीं चल रहा है।

जादू-टोना को लेकर हुआ विवाद, दो महिलाओं में हुई मारपीट

पद्मेश न्यूज (कटंगी)। आधुनिकता के इस दौर में भी जादू-टोना के नाम पर गांवों में विवादों और मारपीट का सिलसिला आज भी जारी है। जादू-टोने के संदेह में मारपीट की एक ऐसी ही घटना कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम अगासी से सामने आई है। यहां एक परिवार के तीन सदस्यों ने मिलकर पड़ोस में ही रहने वाले दो महिलाओं के साथ हाथ-मुक्के और लकड़ी के डंडे से जमकर मारपीट की है। मारपीट से महिलाओं को गंभीर चोट आई है। एक महिला के सिर पर गहरा घाव लगने से 4 टांके भी लगे है। जबकि दूसरी महिला के कमर के हिस्से में अंदरूनी चोट आई है। जिस महिला के सिर पर चोट आई है प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ है वहीं दूसरी महिला सरकारी अस्पताल कटंगी में ही भर्ती है जहां उनका उपचार जारी है। घायल महिला नेहा राउत ने बताया कि गुरूवार की शाम करीब 07 बजे पड़ोस में ही रहने वाले पुष्पा राउत, देवानंद राउत और शुब्बु राउत उनके घर के सामने आकर ससुर झनकलाल राउत को जादू-टोना करता है ऐसी बात कहते हुए गाली-गलौच करने लगे जिसका ननद निराशा मेश्राम ने विरोध किया तो तीनों लोगों ने मिलकर मारपीट शुरू कर दी और जब उन्होंने बीच-बचाव किया तो उनके भी सिर पर डंडे से हमला कर दिया। घायल महिला ने बताया कि रात्रि 10 बजे थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ अपराध दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296 (ए), 115 (2), 351 (3), 3 (5) की कार्यवाई की है।

नवेगांव के पट प्रतियोगिता से बाइक हुई चोरी

पद्मेश न्यूज (कटंगी)। थाना क्षेत्र में बदमाशों के द्वारा आए दिन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। 11 और 12 नवंबर की रात्रि ही अज्ञात चोर ने कटंगी शहर के गुजरी चौक में स्थित एक गैरेज का ताला तोड़कर बाइक चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इस घटना के ठीक 24 घंटे बाद फिर बाइक चोरी की वारदात सामने आई है। पीड़ित बाइक मालिक ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। बाइक मालिक धम्मशिल पिता अशोक बोरकर निवासी मंगलेगांव ने जानकारी देते हुए बताया कि 13 नवंबर को वह नवेगांव पट प्रतियोगिता में पट देखने के लिए गया था। पट प्रतियोगिता की समाप्ति के बाद जैसे ही वह अपनी बाइक की तरफ लौटा बाइक गायब थी। काफी तलाश करने के बाद भी कहीं नहीं मिली। बाइक मालिक ने बताया कि होण्डा कंपनी की शाइन बाइक क्रमांक एमपी 50 एमके 2462 को किसी अज्ञात बदमाश ने चुरा लिया है। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित की शिकायत मिलते ही बाइक की तलाश शुरू कर दी है।

रागिनी गुप्ता को मिली पीएचडी की उपाधि

पद्मेश न्यूज (कटंगी)। नगर के गुप्ता परिवार की बालिका और बोथरा परिवार की पुत्रवधू रागिनी गुप्ता पति स्वर्गीय अतुल बोथरा को एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह मध्य प्रदेश से अर्थशास्त्र विषय में पी.एच.डी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की कार्य सहभागिता और मजदूरी संरचना का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन खासतौर पर बालाघाट जिले के विशेष संदर्भ में अपना शोध कार्य पूर्ण किया। शोध निर्देशक डॉ विजय कुमार साहू कला एवं मानविकी संकाय अर्थशास्त्र विभाग के निर्देशन में अपना शोध कार्य पूरा किया। रागिनी को पीएचडी की उपाधि मिलने पर क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने भी बधाई प्रेषित की है। वर्षों की मेहनत, समर्पण और बौद्धिक खोज के बाद रागिनी को यह उपाधि मिली है। रागिनी ने चर्चा करते हुए बताया कि बालाघाट जिला जिसे नक्सल प्रभावित और आदिवासी बाहुल्य जिले के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में यहां श्रमिकों की कार्य संरचना पर शोध करना बेहद रोमांचक रहा। बालाघाट को एक शोधकर्ता के तौर पर करीब से जानने का अवसर मिला। वह अपनी इस

उपलब्धि का श्रेय अपने पिता स्वर्गीय माता-पिता पार्वती विनोद गुप्ता, अपने भाई वैभव गुप्ता को देती है। वहीं रागिनी की सफलता पर कमलाबाई बोथरा, उमेश बोथरा, अंशुल बोथरा , प्रदीप गुप्ता, मनोज बाटिया ,शंकर गुप्ता, दिव्या बोथरा सहित तमाम शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है। रागिनी ने बताया कि शोध कार्य में डॉ.निखत खान, डॉ.दुर्गा प्रसाद गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।

संभाग स्तरीय खो खो पुरुष वर्ग में छिंदवाड़ा टीम ने बालाघाट टीम को 12-8 से हराकर बनी विजेता

पद्मेश न्यूज। लामता। शासकीय महाविद्यालय लामता में संभाग स्तरीय खो खो टूर्नामेंट आयोजित किया। जिसमें छिंदवाड़ा संभाग के छिंदवाड़ा, पाढुर्णा सिवनी एवं बालाघाट टीम पहुंची,शासकीय महाविद्यालय लामता के खेल मैदान में खो खो खेल का प्रारम्भ बालाघाट सिवनी क्षेत्र कि सांसद महोदया श्रीमती भारती पारधी के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय कराकर किया गया, पहला मैच सिवनी एवं बालाघाट टीम के मध्य खेला गया, जिसमे बालाघाट खो खो

टीम ने सिवनी टीम को 9-12 एवं 1 परी से हराया, दूसरा मैच छिंदवाड़ा और पांढुर्ना के बीच खेला गया जिसमे छिंदवाड़ा टीम ने पांढुर्ना टीम को हराया।जिसके बाद फाइनल मैच छिंदवाड़ा और बालाघाट के बीच खेला गया, जिसमे छिंदवाड़ा टीम ने बालाघाट टीम को 12-8 से हराकर संभाग स्तरीय टूर्नामेंट अपने नाम किया।शासकीय महाविद्यालय लामता कि प्राचार्य श्रीमती सुनीता यादव एवं समस्त स्टॉफ द्वारा विजेता उपविजेता टीम को शील्ड एवं प्रसस्ती पत्र देकर उज्जवल भविष्य कि कामनाये की गई।

गर्रा रेलवे क्रासिंग पर गर्डर लांचींग दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज (बालाघाट)। कलेक्टर मृणाल मीना ने 14 नवम्बर को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, सेतु निर्माण उपसंभाग, लोक निर्माण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, यातायात एवं नगर पालिका के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में निर्माणाधीन 04 रेलवे ओव्हरब्रिज के कार्यों की समीक्षा की और इन कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री वैशाली सिंह, सेतु निर्माण संभाग के कार्यपालन यंत्री अर्जुन सिंह सनोडिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बालाघाट जिले के अंतर्गत बालाघाट-गोंदिया मार्ग में सरेखा क्रॉसिंग के अंडर पास के सुधार कार्य को 15 दिन में अनिवार्य रूप से पूर्ण कर पूर्व की भांति यातायात चालू करने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही सरेखा रेलवे ओव्हरब्रिज के शेष सर्विस मार्ग का कार्य शीघ्र पूर्ण करने कहा गया। बालाघाट कटंगी सेक्शन के गर्रा रेलवे क्रॉसिंग पर आर.ओ.बी. निर्माण के लिए 15 नवंबर 2025 से ट्रैफिक बंद किया जा रहा है। इस कार्य में शीघ्र गर्डर लाकर लांचिंग कार्य सहित तीनों स्पान का सम्पूर्ण कार्य दिसंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। रेलवे के अधिकारियों को डेंजर रोड बायपास मार्ग के अंडर पास से यातायात के व्यवस्थित संचालन के लिए अंडरपास को दुरुस्त करने के निर्देश दिये गए। इस दौरान सेतु संभाग के अधिकारी द्वारा बताया गया कि गर्रा ओव्हरब्रिज के दो स्लैब का कार्य शेष है इसे दिसंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाएगा। गर्रा रेलवे क्रासिंग से आवागमन बंद रहने के दौरान डेंजर रोड से व्यवस्थित आवागमन के लिए डेंजर रोड में मरम्मत कार्य, शोल्डर, गड्ढे का सुधार कार्य करने के साथ जहां आवश्यक हो साईन बोर्ड लगाने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही जय स्तंभ चौक से आकाशवाणी होते हुए बिजली ऑफिस तक पर्याप्त स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था करने कहा गया।

बालाघाट कटंगी सेक्शन के वारा रेलवे क्रॉसिंग पर आर.ओ.बी. का निर्माण कार्य गर्डर लांचिंग सहित दिसंबर 2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। रेलवे विभाग 31 दिसंबर 2025 तक गर्डर लांचिंग का कार्य पूर्ण कर स्लैब, बियरिंग कोट इत्यादि का कार्य अनिवार्यतः पूर्ण किया जावे। बालाघाट कटंगी सेक्शन के भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग पर आर.ओ.बी. का निर्माण के लिए भू-अर्जन कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए जिससे मुआवजा भुगतान उपरांत शेष 900 मी. में कार्य प्रारंभ किया जा सके। भटेरा रोड स्थित ओव्हरब्रिज के लिए कार्यस्थल की परिस्थितियों के अनुसार ट्रैफिक प्लान तैयार करने कहा गया। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग को यथासंभव उपलब्ध स्थान पर कार्य की प्रगति बढ़ाने एवं सर्विस मार्ग की मरम्मत करने कहा गया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारी को सेंट मेरी रोड से आवलाझरी तक मार्ग का रखरखाव सड़क पटरी सहित ठीक से करने के निर्देश दिये गए ताकि यातायात में असुविधा ना हो। रेलवे अधिकारियों द्वारा बताया गया कि हल्के वाहन हेतु अस्थायी लेवर क्रासिंग शिफ्टिंग का कार्य किया जा रहा है। इसे प्राथमिकता से शीघ्र पूर्ण कर ट्रैफिक सुचारु रूप से चलाने के निर्देश दिये गए।

बालाघाट जिले के अंतर्गत बालाघाट कटंगी सेक्शन के लेवल क्रासिंग क्र बी.के.-52 पर आर.ओ.बी. का निर्माण के संबंध में रेलवे विभाग द्वारा बताया गया कि यह कार्य सिंगल एंटीटी में है तथा प्रगति समानुपातिक है इसे मार्च 2026 तक पूर्ण किया जावेगा। अतः इसे समय सीमा में पूर्ण किया जावे। बालाघाट जिले के अंतर्गत बालाघाट कटंगी सेक्शन के लेवल क्रासिंग क्र बी.के.-60 पर आर.ओ.बी. का निर्माण -रेलवे विभाग द्वारा बताया गया कि यह कार्य सिंगल एंटीटी में है तथा प्रगति समानुपातिक है इसे दिसंबर 2025 तक पूर्ण किया जावेगा।

एसआईआर के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए हेल्प डेस्क नंबर जारी

पद्मेश न्यूज (बालाघाट)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के एसआईआर के अंतर्गत मतदाताओं की सहायता के लिए, जिला स्तर पर हेल्प डेस्क नंबर्स जारी किये गए है। मतदाता हेल्प डेस्क के अधिकारियों के मोबाईल नंबर पर सम्पर्क कर एसआईआर के संबंध में अपनी समस्याओं का निराकरण कर सकते है।

विधायक अनुभा मुंजारे ने दी 22 सामुदायिक भवनों की सौगात

बालाघाट विधानसभा में बनेंगे 25-25 लाख रुपये के सामुदायिक भवन

पद्मेश न्यूज (बालाघाट)। विधायक अनुभा मुंजारे के प्रयास से बालाघाट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 22 ग्राम पंचायतों में 22 सामुदायिक भवनों की सौगात प्राप्त हुई है। इन सामुदायिक भवनों का निर्माण प्रत्येक 25क्ष्25 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। इस स्वीकृति के लिए विधायक अनुभा मुंजारे ने पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि बालाघाट विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर वह लगातार प्रयासरत हैं। ग्राम पंचायतों के भ्रमण के दौरान स्थानीय लोगों व जनप्रतिनिधियों द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण की मांग रखी गई थी। इस विषय को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से चर्चा कर मांगपत्र सौंपा था, जिसके तहत सामुदायिक भवनों की स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक मुंजारे ने कहा कि ग्राम पंचायतों में कई सार्वजनिक कार्यक्रम व सामाजिक अवसर आते हैं, जिनमें ग्रामीणों को एक स्थान पर एकत्रित होने के लिए उपयुक्त स्थल की कमी रहती थी। सामुदायिक भवन बन जाने से अब ग्रामीणों को बैठकों, कार्यक्रमों और आयोजनों के लिए एक सुविधाजनक स्थल उपलब्ध होगा। सामुदायिक भवनों की स्वीकृति जिन ग्राम पंचायतों को मिली है उनमें कनकी, मोहगांव ध., साल्हे मो., नगपुरा, जाम, टेंगनीखुर्द ला., बम्हनी, खुरपोड़ी, झाड़ी टेंगनी, धरपीवाड़ा, धारावासी, पिपरिया बड़गांव, बल्लहारपुर, बहेगांव, बुट्टे हजारी, बोरी, रमपुरी, कुम्हारी, भटेरा, पाथरवाड़ा, जागपुर, भरवेली और आंवलाझरी शामिल हैं। इस प्रकार बालाघाट विधानसभा क्षेत्र में कुल 5 करोड़ 75 लाख रुपये की राशि से सामुदायिक भवनों का निर्माण किया जाएगा, जिसके लिए प्रथम किस्त 12.50 लाख रुपये जारी कर दी गई है। स्वीकृति प्राप्त होने पर संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने विधायक अनुभा मुंजारे के प्रति आभार व्यक्त किया है।

दक्षिण अफ्रीका को 159 पर समेटने के बाद भारतीय टीम ने बनाये 37/1

कोलकाता। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने यहां के ईडन गार्डन मैदान में शुक्रवार से शुरु हुए पहले टेस्ट में मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 159 रनों पर समेटकर अपनी पकड़ बना ली है। भारतीय टीम ने इसके बाद पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 37 रन बना लिए थे। खराब रोशनी के कारण मैच करीब 20 मिनट पहले समाप्त हो गया। इस प्रकार भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर अभी 122 रन पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समय केएल राहुल 13 और वाशिंगटन सुंदर 6 रनों पर खेल रहे थे। भारतीय टीम का एकमात्र विकेट यशस्वी जायसवाल का गिरा। यशस्वी मार्को यानसन की गेंद पर अपना विकेट खो बैठे। वहीं इसे बाद राहुल और सुंदर ने खेल समाप्त होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। केशव महाराज ने भी अपनी फिरकी से भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी कप्तानी टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है जो उन्हें भारी पड़ गया। टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 159 रन ही बना पायी। भारतीय टीम की ओर से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सबसे अघिक पांच विकेट लिए। बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल को एक

विकेट मिला। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए, जबकि वियान मुल्डर ने 24, टॉनी डि जॉर्जी ने 24, रेयान रिक्लेटन ने 23, काइल वेरेने ने 16, सिमोन हार्मर ने 5, तेम्बा बावुमा ने 3 और कॉर्बिन बॉश ने 3 रन बनाए, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका ने लंच तक तीन विकेट पर 105 रन बनाये। लंच के समय वियान मुल्डर 22 और टोनी डि जोर्जी 15 रन बनाकर खेल रहे थे। मेहमान टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की पर और उसकी शुरुअत ठीक रही। एडेन माक्ररम ने 31 और रियान रिकेलटन ने 23 रन बनाकर पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े। भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 9 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव ने 7 ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया। बुमराह ने दो ओवर के अंदर ही दोनों को आउट कर भारतीय टीम को मैच में वापसी करायी। कुलदीप ने कप्तान तेम्बा बावुमा को केवल तीन रन पर आउट कर मेहमान टीम को करारा झटका दिया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने चोटिल कागिसो रबाडा की जगह कोर्बिन बॉश को शामिल किया है जबकि भारतीय टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा स्पिनर ऑलराउंडर, अक्षर पटेल ओर कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में उतरा है।

नंबर-3 पर सुदर्शन की जगह सुंदर को शामिल करन गलत - डोड्डा गणेश

चार स्पिनरों को शामिल करने पर भी सवाल उठाये

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर डोड्डा गणेश ने बल्लेबाज साई सुदर्शन को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में शामिल नहीं करने की आलोचना की है। डोडा गणेश ने कहा कि नंबर-3 जैसे अहम स्थान के लिए लगातार बदलाव करने की नीति सही नहीं कही जा सकती है। उन्होंने कहा कि इससे नुकसान होगा और कोई भी बल्लेबाज यहां पर टिक नहीं पायेगा। साल 2023 में चेतेश्वर पुजारा को टीम से बाहर किये जाने के बाद से ही भारतीय टीम को तीसरें नंबर के लिए अभी तक कोई बल्लेबाज नहीं मिला है। भारतीय टीम ने इस जगह पर कई बल्लेबाजों को आजमाया है पर कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पा रहा है। इसके अलावा इस पूर्व क्रिकेटर ने चार स्पिनरों को शामिल करने को भी गलत बताया है।

भातरीय टीम प्रबंधन ने पहले टेस्ट के लिए नंबर-3 बल्लेबाज के रूप में सुदर्शन की जगह वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया है। सुदर्शन ने अब तक पाँच टेस्ट खेले हैं और

नौ पारियों में दो अर्धशतकों के साथ ही 273 रन बनाए हैं जो कम नहीं हैं। दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ हाल में खेले गए दो अनौपचारिक टेस्ट में भी उन्होंने 32, 12, 17 और 23 रन बनाये थे। उनके प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए कई विशेषज्ञों का मानना था कि उन्हें अभी अवसर मिलने चाहिये पर टीम प्रबंधन ने उसप ध्यान न देते हुए सुंदर को शामिल किया है जबकि सुंदर मूल रुप से एक स्पिनर हैं और वह बल्लेबाजी कर लेते हैं लेकिन जिस प्रकार से नंबर तीन के लिए एक विशेषज्ञ बल्लेबाज की जरुरत होती है उसपर खरे नहीं उतरते हैं।

गणेश ने सोशल मीडिया मीडिया पर टीम प्रबंधन के इस फैसले की जमकर आलोचना कहते हुए लिख, 'नंबर-3 टेस्ट टीम में सबसे महत्वपूर्ण जगह है पर उसी जगह पर लगातार बल्लेबाजों को बदला जा रहा है। भरोसा नहीं हो रहा कि टेस्ट स्तर पर ऐसा हो रहा है। सुदर्शन को यह टेस्ट खेलना चाहिए था।' गणेश के अनुसार इस स्थान पर भारत की निरंतरता की कमी विदेशी हालातों में टीम की बल्लेबाज़ी को और कमजोर बनाएगी। वहीं चार स्पिनरों के साथ उतरने के फैसले का विराध करते हुए गणेश ने कहा, 'पिच कितनी भी स्पिन-अनुकूल क्यों न हो, चार स्पिनर खिलाने की कोई जरूरत नहीं थी।'

अब केकेआर के सहायक कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे वाटसन

कोलकाता। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच की जिम्मेदारी निभालते नजर आयेंगें। वह इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए थे। अब वह अभिषेक नायर के साथ काम करेंगे, जिन्हें हाल ही में केकेआर टीम ने मुख्य कोच बनाया था। वॉटसन ने अपने करियर में 59 टेस्ट, 190 एकदिवसीय और 58 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। वॉटसन आईपीएल में एक बेहतरी खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने 12 सत्र खेले हैं। उन्होंने 2008 में राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के पहले सीरीज में शानदार जीत दिलाई थी। केकेआर ने सोशल मीडिया में वॉटसन को सहायक कोच बनाए जाने की पुष्टि की है। केकेआर के सीईओ वैंकी मैसूर ने सोशल मीडिया में लिखा, केकेआर परिवार में शेन वॉटसन का स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उच्चतम स्तर पर एक खिलाड़ी और कोच के रूप में उनका अनुभव हमारी टीम संस्कृति और तैयारी में अहम भूमिका निभाएगा। । टी20 प्रारूप की उनकी समझ काफी अच्छी है। हम मैदान के अंदर और बाहर, दोनों जगह उनके

अच्छे योगदान की उम्मीद करते हैं। वहीं वॉटसन ने कहा, केकेआर जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान व गर्व की बात है। मैंने हमेशा केकेआर के प्रशंसकों के जुनून और टीम की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की प्रशंसा की है। मैं कोलकाता को एक और खिताब दिलाने के लिए पूरी ताकत से काम करने के लिए उत्सुक हूं। वॉटसन का आईपीएल में एक खिलाड़ी और कोच के रूप में लंबा अनुभव रहा है, जो केकेआर के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

वह 2022 और 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। वहीं बतौर खिलाड़ी वॉटसन के आईपीएल करियर पर गौर करें तो 145 मैचों में 4 शतक और 21 अर्धशतक लगाते हुए 137.91 की स्ट्राइक रेट और 30.99 की औसत से 3,874 रन बनाए हैं। साथ ही 92 विकेट हासिल किए हैं। अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर पर नजर डालें तो, 58 मैचों में 1 शतक और 10 अर्धशतक की मदद से 1,462 रन और 48 विकेट हैं।

विराट से प्रभावित होकर 60 की उम्र में पहली बार जिम गये थे संदीप पाटिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपनी फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। 36 साल की उम्र में भी वह फिटनेस के मामले में युवा खिलाड़ियों को टक्कर देते नजर आते हैं। इसी कारण दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसक ओर खिलाड़ी उनके जैसी फिटनेस हासिल करने के लिए प्रेरित हुए हैं। पूर्व क्रिकेटर संदीप पाटिल भी विराट से बेहद प्रभावित हैं और उन्हें देखकर जिम जाने लगे हैं। 1983 की विश्वकप विजेता टीम का हिस्सा रहे संदीप पाटिल ने विराट कोहली के साथ रहने के दौरान साल 2016 की वह बात बतायी है जिससे वह 60 की उम्र में पहली बार जिम गये थे।

पाटिल ने कहा कि कोहली की फिटनेस के प्रति प्रतिबद्धता से उनपर भी काफी प्रभाव पड़ा और वह भी जिम जाने के लिए प्रेरित हुए। पाटिल ने याद किया कि 2016 में भारत के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान, वह अपनी पत्नी के साथ एंटीगुआ के एक समुद्र तट पर सुबह की सैर पर गए थे। उस दौरान उन्होंने विराट को सुबह 5 बजे योगा करते देखा और फिर वे जिम भी गए। दिन में मैच खेला और फिर से जिम गए। उन्होंने कहा, घना अंधेरा था और मैंने देखा कि एक परछाई चुपचाप बैठी है। जब मैं पास गया, तो वह विराट थे और योग कर रहे थे। सुबह के पांच बजे और मैच वाले दिन। योग के बाद भी कोहली रुके नहीं। वह 45 मिनट तक जिम में रहे और फिर नाश्ता किया। इसके बाद मैच खेला और टेस्ट मैच में दोहरा शतक लगाया। पाटिल ने बताया, दिन का खेल खत्म होने के बाद जब वह होटल लौटे, तो फिर से जिम गए।

पाटिल ने आगे बताया कि कोहली ने उन्हें अपनी फिटनेस पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, विराट ने मुझसे कहा, संदीप भाई, आपकी हाइट और पर्सनालिटी अच्छी है; आपको वर्कआउट शुरू कर देना चाहिए। तब मैं जिंदगी में पहली बार जिम गया। उस समय मेरी उम्र 60 साल थी।

वरुण की कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उतरेगी तमिलनाडु

चेन्नई। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 26 नवंबर से शुरु हो रहे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु की कप्तानी करेंगे। वहीं तमिलनाडु की ओर से खेलने वाले बल्लेबाज नारायण जगदीशन टीम के उपकप्तान होंगे। बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर और आंद्रे सिद्धार्थ भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन को भी टीम में जगह मिली है। तमिलनाडु की टीम राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, कर्नाटक, त्रिपुरा, झारखंड और सौराष्ट्र के साथ एलीट ग्रुप डी में रखा गया है। तमिलनाडु की टीम में राजस्थान के खिलाफ होने वाले मैच के साथ ही अपना अभियान शुरु करेगी।

तमिलनाडु टीम इस प्रकार है- वरुण चक्रवर्ती (कप्तान), नारायण जगदीशन, तुषार रहेजा, वीपी अमित सात्विक, शाहरुख खान, आंद्रे सिद्धार्थ, प्रदोष रंजन पॉल, शिवम सिंह, आर साई किशोर, एम सिद्धार्थ, टी नटराजन, गुरजपनीत सिंह, ए एसाक्कीमुथु, आर सोनू यादव, आर सिलंबरासन और एस ऋतिक ईश्वरन।

आईपीएल 2026 के लिए मिलर सहित इन तीन खिलाड़ियों को शामिल करे सीएसके - अश्विन

चेन्नई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा कि आईपीएल 2026 सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को इन तीन खिलाड़ियों डेविड मिलर, मोहम्मद शमी और राहुल चाहर को अपने साथ जोड़ने का प्रयास करना चाहिये। अश्विन के अनुसार ये तीन खिलाड़ी सीएसके की टीम को फिर बेहतर बना सकते हैं जिससे कि वह खिताब की दौड़ में शामिल हो सके। अश्विन के अनुसार सीएसके को एक अच्छे फिनिशर, एक अच्छे स्पिनर और एक अनुभवी तेज गेंदबाज की जरूरत है। सीएसके के पूर्व क्रिकेटर अश्विन ने कहा कि टीम को साल 2025 के अपने खराब प्रदर्शन से सबक लेते हुए बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिये। अश्विन ने कहा, 卐मुझे लगता है कि सीएसके को इस बार मिलर, शमी और चाहर को हासिल करना चाहिये।卐 उन्होंने कहा कि ये तीनों खिलाड़ी अनुभवी हैं और अपनी मौजूदा फ्रेंचाइज़ी से रिलीज़ होने पर सीएसके में शामिल हो सकते हैं।

इसमें मिलर फिनिशिंग पावर की कमी को करेगा। मिलर वह खिलाड़ी हैं जो सीएसके के निचले क्रम को मज़बूती देंगे। अश्विन ने कहा, अगर लखनऊ सुपर जायंट्स मिलर को रिलीज़ करती हैं, तो सीएसके को उन्हें तुरंत खरीदना चाहिए। वह निचले मध्यक्रम में ताकत लाते हैं और कठिन हालातों में मैच फिनिश करने की क्षमता रखते हैं। वहीं शमी के होने से गेंदबाजी आक्रमण में संतुलन आयेगा।

अश्विन ने कहा कि अगर शमी उपलब्ध होते हैं, तो उन्हें तुरंत शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, -शमी जैसे गेंदबाज़ टीम को अनुभव और नई गेंद से नियंत्रण प्रदान करते हैं। वे डैथ ओवर्स में भी प्रभावी साबित हो सकते हैं।' इसके अलावा राहुल चाहर के आने से टीम को एक अनुभवी स्पिनर मिलेगा। उन्होंनेकहा, 'राहुल चाहर एक आक्रामक कलाई के स्पिनर हैं जो बीच के ओवरों में विकेट निकाल सकते हैं। अगर जडेजा चले जाते हैं, तो चाहर सीएसके के लिए कमी भर सकते हैं।

बुमराह ने बनाया रिकार्ड, सबसे ज्यादा बोल्ड आउट करने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां पहले ही टेस्ट में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब बुमराह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बोल्ड आउट करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने दिग्गज पूर्व स्पिनर आर अश्विन को पीछे छोड़ा है।

बुमराह के अब तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 152 विकेट बोल्ड आउट करते हुए लिए हैं। ये किसी भारतीय गेंदबाज के तीसरे सबसे अधिक बोल्ड विकेट हैं। वहीं इस मामले में पहले नम्बर पर दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले हैं। उनके नाम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक बोल्ड करने का रिकार्ड है। उन्होंने 186 विकेट बोल्ड लिए हैं। वहीं कपिल देव दूसरे नंबर पर हैं, उन्होंने 167 विकेट बोल्ड करते हुए लिए हैं। वहीं अश्विन 151 बोल्ड विकेट के साथ चौथे और रविंद्र जडेजा 145 बोल्ड विकेट लेकर पांचवें नंबर पर खिसक गये हैं। भारत में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत के मामले में बुमराह पहले नंबर पर हैं।

17.12 - जसप्रीत बुमराह (56 विकेट)
18.38 - रिची बेनो (52 विकेट)
20.91 - रवींद्र जडेजा (246 विकेट)
21.57 - रवि अश्विन (383 विकेट)
22.10 - मोहम्मद शमी (76 विकेट)
22.23 - कुलदीप यादव (51 विकेट)

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज से वापसी कर सकते हैं पांड्या

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से चोटिल होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल हरे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने होने वाली टी20 सीरीज से वापसी की संभावना है। पांड्या एशिया कप 2025 के फाइनल से पहले सुपर 4 के मैच में चोटिल होने के बाद से टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी नहीं गए थे। अब वह फिट हो गये हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले वह घरेलू क्रिकेट में भी फिटनेस साबित करने के लिए खेलेंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार इसी महीने के अंत में वह बड़ौदा की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते नजर आ सकते हैं। पांड्या मैच फिटनेस हासिल करने के बेहद करीब हैं। वह इस समय बेंगलुरु स्थिति बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास कर रहे हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह घरेलू टी20 टूर्नामेंट के पहले मैच में ही खेलते हुए नजर आ सकते हैं। वहीं अगर ऐसा नहीं होता है तो भी दूसरे टी20 में उनकी वापसी तय है। । बड़ौदा का पहला मैच 26 नवंबर को और दूसरा मैच 28 नवंबर को खेला जाएगा।

ऐसे में समझा जा सकता है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में वहीं नहीं खेलेंगे, क्योंकि उनको टी20 फॉर्मेट में ही वापसी करनी होगी। 9 दिसंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज है, जिसके लिए पांड्या का टीम में चयन हो सकता है और वे इस सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि पांड्या को फिट होने के बाद कोई ब्रेक नहीं मिलेगा और वह सीधे हैदराबाद रवाना होंगे, जहां बड़ौदा को पहला सैयद मुश्ताल अली ट्रॉफी मैच इस सीजन का खेलना है।

कुलदीप 150 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तीसरे गेंदबाज बने

कोलकाता। भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले ही दिन अपने 150 विकेट पूरे किये। कुलदीप ने कप्तान तेम्बा बावुमा को 3 रनों पर आउट करने के साथ ही ये उपलब्धि हासिल की है। कुलदीप ने अपने 150 विकेट 87 पारियों में हासिल किये। कुलदीप ने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा को 3 रनों पर ही ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराकर अपने 150 विकेट पूरे किये ।

कुलदीप भारत की ओर से बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले ये उपलब्धि भारतीय टीम की ओर से रविंद्र जडेजा और जहीर खान ने हासिल की थी। इसके अलावा कुलदीप भारत में 150 विकेट हासिल करने वाले दूसरे बतौर बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज हैं।

कुलदीप ने अपनी ही धरती पर 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का कारनामा बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर सबसे तेजी से किया है। कुलदीप ने केवल 87 पारी में ये आंकड़ा हासिल किया है। इससे पहले जहीर खान ने 135 पारी और जडेजा ने 200 पारी में 150 अंतरराष्ट्रीय विकेट बाएं हाथ के गेंदबाज़ के तौर पर लिए थे।

ओडिशा के सार्थक आर्य ने लगातार दूसरा ख़िताब जीता; बंगाल की अंकोलिका चक्रवर्ती ने भी -17 गर्ल्स का ताज पहना

पंचकूला। ओडिशा के सार्थक आर्य ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर के ऋत्विक गुप्ता पर अपना दबदबा साबित करते हुए एक रोमांचक फाइनल में उन्हें 3-2 से मात दी। ताऊ देवी लाल मल्टीपर्पस इंडोर स्टेडियम में आयोजित चौथी यूटीटी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में सार्थक ने अंडर-17 यूथ बॉयज़ का ख़िताब जीतकर लगातार दूसरी बार यह उपलब्धि हासिल की, जबकि बंगाल की अंकोलिका चक्रवर्ती ने महाराष्ट्र की काव्या भट्ट को 3-0 से हराकर गर्ल्स वर्ग का ताज पहना। सार्थक की जीत नाटकीय रही। फाइनल एक समय ऋत्विक के पक्ष में जाता दिख रहा था, लेकिन सार्थक ने चौथे गेम में शानदार वापसी करते हुए कहानी पलट दी और स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। निर्णायक पाँचवें गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़े मुकाबले देखने को मिले, लेकिन निर्णायक पलों में सार्थक के स्टील जैसे मज़बूत हौसले और शांत प्रदर्शन ने उन्हें 12-10 के स्कोर से जीत दिलाकर बैक-टू-बैक ख़िताब सुरक्षित किया। सार्थक ने फाइनल 11-7, 9-11, 9-11, 11-2, 12-10 के स्कोर से जीता। दूसरी ओर, यूथ गर्ल्स अंडर-17 वर्ग में अंकोलिका ने फाइनल के दबाव को झेलते हुए महाराष्ट्र की काव्या भट्ट पर 3-0 (11-6, 11-8, 13-11) की प्रभावशाली जीत

रचिन और कॉनवे सहित कई खिलाड़ियों को रिलीज करेगी सीएसके

नीलामी के लिए बचे हुए 30 करोड़ रुपये से कई अन्य खिलाड़ियों को खरीदेगी

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पास इस बार नीलामी में 30 करोड़ रुपये से अधिक बचे रहेंगे जिससे वह कई खिलाड़ियों को खरीद सकेगी। सीएसके प्रबंधन का लक्ष्य ऐसे में एक ऐसी टीम बनना रहेगा जो जीत हासिल कर सके। सीएसके के पास मोटी रकम इसलिए बच रही है क्योंकि वह कई स्टार खिलाड़ियों को रिलीज करने जा रही है। इसमें न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और डेवोन कॉनवे भी शामिल है हालांकि मथीशा पथिराना टीम में बने रहेंगे। इसके अलावा नाथन एलिस को भी रिटेन करेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार सीएसके के पास नीलामी में 30 करोड़ रुपये का पर्स हो सकता है। रचिन और कॉनवे के अलावा कई भारतीय खिलाड़ियों को टीम रिलीज करेगी जिसके उसके पास काफी रकम बचेगी। इसका इस्तेमाल टीम का सहयोगी स्टाफ नीलामी में कर सकता है। एलिस को ट्रेड के जरिए कई टीमों ने मांगा है, लेकिन सीएसके ने सीधे तौर पर मना कर दिया है। वहीं दीपक हुड्डा और राहुल त्रिपाठी को भी टीम रिलीज कर सकती है।

जडेजा और सैम करन की ट्रेड डील राजस्थान रॉयल्स के साथ हो सकती है, जहां से संजू सैमसन सीएसके में आ सकते हैं। विजय शंकर को भी सीएसके रिलीज कर सकती है। इस तरह सीएसके पास काफी रकम रहेगी। युवा खिलाड़ियों के साथ फ्रेंचाइजी बने रहना पसंद करेगी। वहीं महेन्द्र सिं धोनी भी इस सीजन खेलने वाले हैं तो विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी वही संभालेंगे। सीएसके उन खिलाड़ियों को शामिल कर सकती है, जो घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और जो खिलाड़ी विदेशी हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धमाल मचा रहे हैं। धोनी का संभावित तौर पर यह आखिरी सीजन होगा। ऐसे में फ्रेंचाइजी चाहेगी कि एक दमदार टीम बनाई जाए

पीसीबी प्रमुख ने दौरा जारी रखने के लिए श्रीलंकाई बोर्ड का आभार जताया

पाक सेना प्रमुख मुनीर की मान-मनौवल के बाद श्रीलंकाई टीम दौरा जारी रखने पर तैयार हुई

लाहौर। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के पूरी सुरक्षा का आश्वासन देने के बाद श्रीलंकाई टीम अपना दौरान जारी रखने पर तैयार हो गयी है। श्रीलंकाई टीम पाक में हुए धमकों के बाद बीच में ही अपना दौरा छोड़कर स्वदेश लौटना चाहती थी पर पाक क्रिकेट बोर्ड और सेना प्रमुख के हस्तक्षेप के बाद वह अपना दौरा जारी रखने पर तैयार हो गयी। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने दौरा जारी रखने के किए श्रीलंकाई बोर्ड (एसएलसी) का आभार जताया है। पीसीबी ने कहा कि रावलपिंडी में दूसरे एकदिवसीय मैच से पहले सुरक्षा के पूरे इंतजाम किये हैं। इस्लामाबाद में हुए धमाके के बाद सुरक्षा चिंताओं के चलते नकवी ने व्यक्तिगत रूप से रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की।

इससे पहले गुरुवार को नकवी श्रीलंकाई उच्चायुक्त रियर एडमिरल (आर) फ्रेड सिरिवीरा पाक के राज्य मंत्री तलाल चौधरी के साथ रावलपिंडी स्टेडियम पहुंचे और बाकी दो एकदिवसीय मैचों के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों से मुलाकात के बाद खिलाड़ियों से भी बात की। श्रीलंकाई उच्चायुक्त सुरक्षा व्यवस्था से पूरी तरह से संतुष्ट दिखे।

इस दौरान पीसीबी प्रमुख ने फिर पूरी श्रीलंकाई टीम से मुलाकात की और सीरीज जारी रखने के उनके फैसले पर आभार जताया। श्रीलंकाई टीम एकदिवसीय मुकाबले के बाद पाकिस्तान में ट्राई टी20 सीरीज भी खेलेगी, जिसमें जिम्बाब्वे भी शामिल होगा। इस दौरान नकवी ने कहा 'आपकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है, नकवी ने श्रीलंकाई खिलाड़ियों को पाकिस्तान में उनके प्रवास के दौरान पूर्ण सुरक्षा उपायों का आश्वासन देते हुए कहा. उन्होंने टीम के दौरे को जारी रखने के फैसले की सराहना की और इसे 'शांति की जीत और आतंकवाद की हार' कहा- इससे पहले इस्लामाबाद में एक आत्मघाती हमलावर के हमले में कम 12 लोगों की मौत हो गयी थी। इस दौरान टीम पहला एकदिवसीय खेल रही थी और जानकारी मिलते ही उसने सुरक्षा चिंताओं के कारण कोलंबो लौटने की बात कह दी थी जिससे सीरीज खतरे में आ गयी थी।

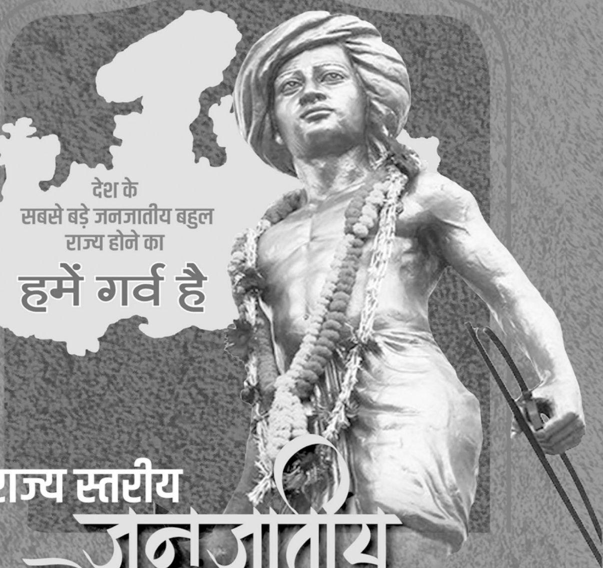

देश के सबसे बड़े जनजातीय बहुल राज्य होने का

हमें गर्व है

राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह

जनजातीय महानायक धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर सम्मान स्वरूप प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों एवं विकासखंड मुख्यालयों तथा ग्राम पंचायतों में आयोजन

मुख्य अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

15 नवम्बर 2025
प्रातः 10:00 बजे - आलीराजपुर
अपराह्न 1:00 बजे - जबलपुर

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

सशक्त होता जनजातीय समाज

आर्थिक सशक्तिकरण

- जनजाति विकास के लिए ₹ 47,296 करोड़ का बजट प्रावधान
- पेसा कानून से जल, जंगल, जमीन पर अधिकार मजबूत
- तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक ₹ 3000 से बढ़कर ₹ 4000 प्रति बोरा
- 1,069 वनोपज समितियों से जुड़े 41 लाख संग्राहक
- वन अधिकार अधिनियम में 2.89 लाख व्यक्तिगत और 28,754 सामुदायिक दावे स्वीकृत

धरती आबा एवं पीएम जनमन – बेहतर होता जीवन

- ₹ 500 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण
- 21 जिलों में 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स संचालित
- 18,000 से अधिक पीवीटीजी घरों का विद्युतीकरण
- 126 वन-धन केंद्र स्थापित, 83 नए स्वीकृत
- एक हेक्टेयर तक के भूमिधारकों को 5HP तक के पंप पर निःशुल्क बिजली

शिक्षा और अवसर

- 40 लाख से अधिक छात्रों को ₹ 1,566 करोड़ की छात्रवृत्ति
- ₹ 12,000 वार्षिक राष्ट्रीय माध्यमिक मेधा छात्रवृत्ति
- 210 नए जनजातीय छात्रावास और 3 एकलव्य पॉलीटेक्निक कॉलेज स्वीकृत
- 'आकांक्षा' योजना से NEET, JEE, CLAT की कोचिंग सुविधा
- राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश पर ₹ 50,000 प्रोत्साहन राशि
- विदेश अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति
- सिविल सेवा परीक्षाओं में सफल अभ्यर्थियों को प्रोत्साहन राशि

रोज़गार और आत्मनिर्भरता

- 18,000 से अधिक जनजातीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण
- भगवान बिरसा मुंडा स्व-रोज़गार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना से 9,000 युवाओं को ₹ 418 करोड़ की स्व-रोज़गार ऋण सहायता
- रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में 115 प्रशिक्षणार्थियों का प्रवेश

स्वास्थ्य और सुरक्षा

- सिकल सेल मिशन से 1.17 करोड़ से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग
- बैगा, सहरिया, भारिया बहनों को ₹ 1,500 प्रतिमाह आहार अनुदान

विरासत से विकास तक

- रानी दुर्गावती एवं राजा भभूत सिंह की स्मृति में कैबिनेट बैठकें
- जबलपुर एयरपोर्ट और मदन महल फ्लाय-ओवर रानी दुर्गावती के नाम पर
- पचमढ़ी अभयारण्य राजा भभूत सिंह के नाम पर
- छिंदवाड़ा में श्री बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय एवं जबलपुर में राजा शंकर शाह तथा रघुनाथ शाह संग्रहालय का लोकार्पण
- सीधी-सिंगरौली में बनेगा बैगा विकास प्राधिकरण
- भगोरिया महोत्सव को मिला राजकीय उत्सव का दर्जा
- शहडोल, धार, खंडवा एवं मंडला में ट्राइबल मार्ट की स्थापना

D11141/25

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents

@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh @jansamparkMP

JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

गैस संकट से सुलगी जनता, होम डिलीवरी बंद!!

एक माह से रसोई में ठंडी पड़ी चूल्हे की आग, गोदामों में अफरा-तफरी, एजेंसियों और अफसरों की मिलीभगत के आरोप! घर में चूल्हा ठंडा है, गैस की किल्लत का आलम है- उपभोक्ताओं का दर्द

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

इन दिनों शहर के गैस वितरकों को पर्याप्त समय पर आपूर्ति नहीं होने से गैस की किल्लत खड़ी हो गयी है.शहर की मध्यम वर्ग की स्थानीय महिलाओं ने बताया कि बीते एक माह से घर में गैस खत्म है। राशन तो है, लेकिन चूल्हा जलाने के साधन नहीं हैं। कोई कोयले पर खाना बना रहा है, तो कोई लकड़ी जलाकर। कई परिवारों ने बताया कि अगर गैस नहीं मिली तो उन्हें रोजमर्रा की जिंदगी संभालना मुश्किल हो गया है। पहले तो एजेंसी वाले घर-घर डिलीवरी करते थे, अब कहते हैं खुद गोदाम से ले जाओ। लेकिन वहां जाकर भी सिलेंडर नहीं मिलता। हमें रोज़ की मजदूरी छोड़कर लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। यह स्थानीय उपभोक्ता की व्यथा कथा है ।

जिले के साथ साथ किरनापुर , बैहर , वारासिवनी क्षेत्र में भी पिछले एक माह से जिलेभर में घरेलू गैस की आपूर्ति पूरी तरह से चरमरा गई है। पहले जहां रसोई तक गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी सुचारू रूप से होती थी, वहीं अब हजारों उपभोक्ताओं को हर हफ्ते गैस गोदामों और एचपी गैस कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। सुबह से ही गैस गोदामों के बाहर महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं की लंबी कतारें लग जाती हैं। जैसे ही गाड़ी पहुंचती है, अफरा-तफरी और धक्का-मुकी मच जाती है। कोई सिलेंडर लेकर लौटता है.तो किसी को वेटिंग करने बोला जाता है।

यहाँ गैस संकट ने ब्लैक मार्केटिंग का नया बाजार खोल दिया है। जहां सरकारी दर पर सिलेंडर मिलना चाहिए, वहीं अब वही सिलेंडर बढाकर बेचे जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गैस एजेंसियों के कर्मचारियों और कुछ व्यापारियों की मिलीभगत से यह पूरा खेल चल रहा है। घरों में सिलेंडर नहीं, लेकिन होटल, ढाबे , रेस्टोरेंट और ठेलों में वही घरेलू सिलेंडर धड़ल्ले से जलते देखे जा सकते हैं। अगर जबलपुर से गैस आपूर्ति गाड़ी नहीं आ रही, तो ये सिलेंडर बाजार में कहाँ से आ रहे हैं? यही सवाल अब हर उपभोक्ता पूछ रहा है।

गैस एजेंसियों पर गंभीर आरोप, ब्लैक में बेच रहे हैं सिलेंडर

जिले की कुछ गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं ने खुलेआम आरोप लगाए हैं कि वे प्लांट बंद का बहाना बनाकर जनता को गुमराह कर रही हैं। एजेंसी कर्मचारी उपभोक्ताओं से कहते हैं कि जबलपुर से गाड़ी नहीं आई, लेकिन उसी समय बाजार में घरेलू सिलेंडर खुलेआम बिक रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, एजेंसी स्तर पर ही कुछ कर्मचारियों द्वारा अवैध सिलेंडर बिक्री का नेटवर्क चलाया जा रहा है। यही वजह है कि जिन उपभोक्ताओं को उनके हक का सिलेंडर नहीं मिल रहा, वही गैस होटल या दुकान में ब्लैक में पहुंच रही है।

जिला प्रशासन मौन, क्या अफसरों की मिलीभगत से चल रहा है खेल?

उपभोक्ताओं का सबसे बड़ा सवाल जिला प्रशासन पर खड़ा होता है। उपभोक्ताओं की शिकायतों और सोशल मीडिया पर लगातार उठ रही आवाज़ों के बावजूद अब तक न तो कोई जांच हुई है और न ही कोई कार्रवाई। लोगों का कहना है कि प्रशासनिक चुप्पी इस बात का संकेत है कि कहीं न कहीं अंदरूनी मिलीभगत का खेल तो नहीं चल रहा है। जिला आपूर्ति अधिकारी और संबंधित विभाग अब तक मूकदर्शक बने हुए हैं। अगर जिला प्रशासन चाहे तो एक दिन में ब्लैक मार्केट बंद हो सकती है। लेकिन जब अधिकारी ही आंख बंद कर लें, तो जनता किससे उम्मीद करे? स्थानीय समाजसेवी का बयान यही बात कहते हैं ।

हर दिन बढ़ रहा विवाद, गोदामों के बाहर झगड़े और हंगामे

गैस गोदामों के बाहर अब आए दिन विवाद और हंगामे हो रहे हैं। सिलेंडर को लेकर धका-मुकी, झगड़े, और मारपीट की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। पुलिस को कई बार मौके पर जाकर स्थिति संभालनी पड़ी है। उपभोक्ताओं ने कहा कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो भीषण जनाक्रोश भड़क सकता है।

जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे एजेंसी का घेराव, जनता की चेतावनी

लगातार हो रही परेशानी से अब जनता का सब्र टूटने लगा है। जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने स्पष्ट कहा है कि यदि 1- 2 दिनों में होम डिलीवरी दोबारा शुरू नहीं की गई और ब्लैक मार्केटिंग पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो वे गैस एजेंसी कार्यालयों का घेराव करेंगे और सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। गैस जैसी मूलभूत सुविधा को लूट का जरिया बना दिया गया है। अब जनता चुप नहीं बैठेगी। स्थानीय महिला समिति प्रतिनिधि

मांग - तत्काल जांच, एजेंसियों का लाइसेंस निलंबित हो

जनता ने मांग की है कि जिला प्रशासन तत्काल, गैस एजेंसियों की जांच कराए, ब्लैक में सिलेंडर बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई करे, और दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करे। अगर जिला प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाए, तो यह गैस संकट जन आक्रोश में बदल सकता है।

न्यूज गैलरी

सांसद श्रीमती पारधी का दौरा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 15 नवम्बर को प्रात: 10 बजे अपने गृह निवास पर आमजन से भेंट करेंगी और प्रात॰ 11 बजे बालाघाट से बैहर के लिए प्रस्थान करेंगी। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर में दोपहर 12:30 बजे से आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वे दोपहर 03 बजे बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

पशु पालन एवं डेयरी राज्य मंत्री लखन पटेल का 17 नवम्बर को बालाघाट आगमन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग के राज्य मंत्री श्री लखन पटेल का 17 नवम्बर को बालाघाट आगमन हो रहा है। मंत्री श्री पटेल 16 नवम्बर को शाम 06॰10 बजे छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से भोपाल से गोंदिया के लिए प्रस्थान करेंगे और 17 नवम्बर को प्रात: 04:50 बजे गोंदिया पहुंचेंगे। मंत्री श्री पटेल प्रात॰ 05॰30 बजे गोंदिया से बालाघाट पहुंचेंगे और प्रात॰ 09 बजे पूर्व मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन के निवास पर सौजन्य भेंट करेंगे। इसके पश्चात वे प्रात॰ 10॰30 बजे जिला भाजपा अध्यक्ष रामकिशोर कावरे के निवास पहुंचकर उनके पिताजी के निधन पर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। मंत्री पटेल प्रात॰ 11:30 बजे ग्राम चिचगांव स्थित मॉ नर्मदा गौशाला का निरीक्षण करेंगे और दोपहर 12॰30 बजे गर्रा स्थिति गुरुकृपा वेटनरी पॉलीटेक्निक कॉलेज का निरीक्षण करेंगे। दोपहर 01 बजे वे सरदार पटेल विश्वविद्यालय डोंगरिया के रजत जयंती समारोह में शामिल होंगे। मंत्री श्री पटेल अपरान्ह 04॰30 बजे स्वदेशी मेले के कार्यक्रम में शामिल होंगे और शाम 06 बजे बालाघाट से गोंदिया के लिए प्रस्थान करेंगे तथा वहां से छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस द्वारा भोपाल के लिए रवाना होंगे।

फुटबॉल प्रतियोगिता में संभाग स्तर पर चयन

पद्मेश न्यूज ।हट्टा। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिला स्तरीय फुटबॉल पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय महाविद्यालय बालाघाट में 30.10.25 से 31.10.25 तक आयोजित हुआ था जिसमें शासकीय महाविद्यालय हटटा की फुटबॉल टीम ने शिरकत की थी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर छवि पटले एवं भूपेंद्र पांचे का चयन संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है उक्त प्रतियोगिता छिंदवाड़ा में दिनांक 17 एवं 18.11.2025 को आयोजित है दोनों खिलाड़ी प्रतियोगिता में बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। छात्रों के चयन पर संस्था के प्राचार्य मुकेश कुमार बिसेन एवं संस्था के समस्त स्टाफ एवं हटटा ग्राम के खेल प्रेमियों ने छात्रों को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिऐ अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। उपरोक्त जानकारी संस्था के क्रीड़ाधिकारी डॉ.सचिन तिवारी द्वारा प्रदान की गई।

पड़ोसी पिता पुत्र ने समूह लोन के विवाद में दंपति से की मारपीट

समूह से लोन नहीं मिलने की रंजिश

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम तिलपेवाडा में एक व्यक्ति और उसकी पत्नी को उसी के पड़ोस में रहने वाले पिता पुत्र ने हाथ बुक्के और डंडे से मारपीट कर घायल कर दिए। यह घटना समूह से लोन नहीं मिलने के रंजिश को लेकर हुई। मारपीट में घायल कपूर पिता तिर्जेदा मेश्राम 41 वर्ष और उसकी पत्नी सुनीता पति कपूर मेश्राम 35 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कपूर मेश्राम खेती मजदूरी करता है।जिसके परिवार में पत्नी और दो बेटी है। बड़ी बेटी की शादी गांव में ही सुभाष मेश्राम से हुई है।बुधवार को सुबह 10॰00 बजे कपूर मेश्राम जंगल से लकड़ी काटकर घर आया था। इसी समय कपूर मेश्राम के पड़ोस में रहने वाले कमलेश मेश्राम और उसका पिता सूरज मेश्राम जो उस समय शराब के नशे में थे और दोनो कपूर मेश्राम के घर आकर उसकी पत्नी सुनीता मेश्राम और बेटी रोशनी मेश्राम के साथ समूह के लोन के संबंध में विवाद करने लगे थे। कपूर मेश्राम ने उनसे पूछा कि क्यों विवाद कर रहे हो, तब कमलेश मेश्राम ने बोला कि समूह से लोन लेने गए थे। समूह वालों ने ओ डी लगा दिया है जिसके कारण हमको लोन नहीं मिला। तभी कमलेश मेश्राम अपने पिता सूरज लाल के साथ कपूर मेश्राम की पत्नी सुनीता मेश्राम और उसकी बेटी रोशनी मेश्राम को हाथबुक्के और डंडे से मारपीट करने लगे। मोहल्ले के लोगों ने बीच बचाव किये। मारपीट में सुनीता मेश्राम बेहोश हो गई थी। इस मारपीट में कपूर मेश्राम को भी चोटे आई। घायल दोनों पति-पत्नी को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने कपूर मेश्राम का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

अब शक्तिफोर्स की नजर में रहेंगी जिले की आधी आबादी!!

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करते हुए बालाघाट पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में महिला संबंधित अपराधों की रोकथाम और उन पर नियंत्रण को सशक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष पुलिस बल शक्ति फोर्स का गठन किया गया है। यह फोर्स 13 नवंबर से जिले में पूर्ण रूप से सक्रिय होकर कार्य कर रही हैं ।

शक्ति फोर्स बनाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अपराधों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करना तथा समाज में सुरक्षित वातावरण और विश्वास की भावना को और अधिक मजबूत करना है। इस विशेष पुलिस बल की टीम स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों सहित उन सभी संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर गश्त करेगी, जहां महिलाओं की सुरक्षा को लेकर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहती है। फोर्स का दायित्व केवल गश्त तक सीमित नहीं होगा, बल्कि महिला अपराधों से संबंधित किसी भी सूचना पर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना भी शक्ति फोर्स की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में शामिल रहेगा। पुलिस विभाग का मानना है कि यह पहल महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाएगी और जिले में सुरक्षित माहौल स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जिले की सभी महिलाओं और बालिकाओं के सहयोग एवं सुरक्षा के लिए पुलिस द्वारा हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। किसी भी प्रकार के अपराध, उत्पीड़न, छेड़छाड़, दुर्व्यवहार, पीछा करने या असामाजिक गतिविधि की सूचना इन नंबरों पर तुरंत दी जा सकती है। 7587627098, 7587605598, 112 (आपातकालीन सहायता) प्राप्त सूचना पर पुलिस द्वारा तुरंत कार्यवाही की जाएगी तथा सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

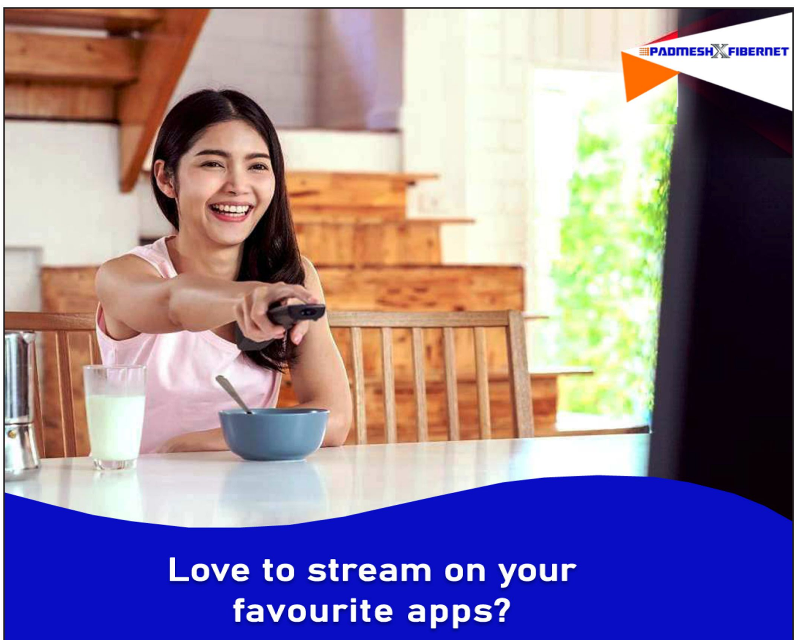

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।
आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**, **स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट